- जबलपुर, शनिवार
- दिनांक 28 फरवरी 2026
- वर्ष 31 अंक 245
- पृष्ठ 12
- मूल्य ₹ 3.00

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

सुविचार

'जीवन ना तो भविष्य में है, ना ही अतीत में है, जीवन तो केवल वर्तमान में है'

2 आगामी त्यौहारों को आपसी...

5 वर्षों से आंदोलन और ज्ञापन के...

7 आखिर अमेरिका से लाखों की संख्या...

11 सदैव स्मरणीय रहेगा अमर शहीद...

भूकंप से हिल गया बंगाल

कोलकाता। कोलकाता और पश्चिम बंगाल के आसपास के जिलों में शुक्रवार दोपहर करीब 1.22 बजे भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। कोलकाता में लगभग 10 सेकेंड तक झटके महसूस हुए, जिससे लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए। भूकंप का केंद्र बांग्लादेश के सतखीरा जिले में जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई पर था। इसकी तीव्रता 5.5 दर्ज की गई। सतखीरा कोलकाता से लगभग 100 किलोमीटर दूर और नॉर्थ 24 परगना जिले से महज 25 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

तमिलनाडु में एक फेज में चुनाव होगा: सीईसी

चेन्नई। चीफ इलेक्शन कमिश्नर ज्ञानेश कुमार ने तमिलनाडु विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर चेन्नई में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में एक फेज में ही चुनाव होगा। उन्होंने कहा कि इसपर आखिरी फैसला जल्द करेंगे। सीईसी ने कहा कि तमिलनाडु इलेक्शन में रिकॉर्ड बनाएगा और बिहार से बहुत बेहतर होगा। उन्होंने राज्य के सभी वोटरों से आने वाले विधानसभा चुनावों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की।

धुल गए 'घोटाले' के दाग!

दिल्ली शराब नीति केस में केजरीवाल-सिसोदिया बरी

नई दिल्ली

शराब घोटाला केस में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को सीबीआई केस में बरी कर दिया है। कोर्ट ने शुक्रवार को कहा- दोनों के खिलाफ सबूत नहीं है, आरोप साबित नहीं होता। सीबीआई ने साजिश गढ़ने की कोशिश की, लेकिन उसका सिद्धांत ठोस सबूतों की जगह अनुमान पर था। सीबीआई ने इस मामले में कुल 23 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। स्पेशल जज जितेंद्र सिंह ने सभी के खिलाफ आरोप तय करने से इनकार करते हुए सभी को बरी कर दिया। जांच एजेंसी ने करीब 6 घंटे बाद दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया। सीबीआई ने निचली अदालत के आदेश को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट से इसे रद्द करने की मांग की है। बरी होने के बाद कोर्ट से बाहर मीडिया से बातचीत के दौरान केजरीवाल भावुक हो गए। उन्होंने कहा- मैंने जिंदगी में सिर्फ ईमानदारी कमाई है। आज ये साबित हो गया कि केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और आम आदमी पार्टी कट्टर ईमानदार हैं। वहीं, कोर्ट के फैसले पर मनीष सिसोदिया ने कहा- हमें एक बार फिर गर्व हो रहा हैं अपने संविधान पर और बी.आर. अंबेडकर पर, जिन्होंने हमें ऐसा संविधान दिया। सच की फिर से जीत हुई है।

ये प्रधानमंत्री को शोभा नहीं देता

केजरीवाल ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री जी से कहना चाहता हूं कि सत्ता के लिए इस तरह से खिलवाड़ मत कीजिए देश के साथ। इस तरह से संविधान के साथ खिलवाड़ मत कीजिए। आपको सत्ता चाहिए, अच्छे काम कीजिए। आज देश के सामने कितनी बड़ी समस्याएं हैं। महंगाई है, बेरोजगारी है, पूरे देश में सड़कें टूटी पड़ी हैं, चारों तरफ पॉल्यूशन ही पॉल्यूशन है, चारों तरफ देश में इतनी समस्याएं हैं उनका समाधान करके सत्ता में आइए न। केजरीवाल पर आम आदमी पर्टी पर झूठे केस क्यों करते हैं। अच्छा काम करके सत्ता में आइए। इस तरह के झूठे केस करना और चौबीस घंटे विपक्षियों पर ऊटपटांग झूठे केस करना उन्हें जेल में डालना ये प्रधानमंत्री को शोभा नहीं देता। इससे देश आगे नहीं बढ़ता। देश तब आगे बढ़ेगा, जब जनता की समस्यों का समाधान किया जाएगा।

सीबीआई का यह था दावा

सीबीआई का दावा है कि केजरीवाल के करीबी विजय नायर दिल्ली एक्साइज बिजनेस के स्टेकहोल्डर्स के संपर्क में थे। वे शराब नीति में उन्हें फायदा देने के बदले पैसों की मांग करते थे। नायर वो जरिया थे, जिन्होंने केजरीवाल के लिए बीआरएस नेता के. कविता की अध्यक्षता वाले साउथ ग्रुप के लोगों से डील की। नायर ने ही शराब नीति में फायदा देने के बदले में साउथ ग्रुप के लोगों से 100 करोड़ रुपये वसूले थे। दो अन्य आरोपियों- विनोद चौहान और आशीष माथुर के माध्यम से इन पैसों को गोवा भेजा गया।

फैसले पर किसने क्या कहा

राज्यसभा सांसद संजय सिंह

हम पहले दिन से यह कह रहे हैं कि देश पर खतरनाक षडयंत्रकारी राज कर रहा है, जिसका नाम नरेंद्र मोदी है। एक खतरनाक षड़यंत्रकारी गृहमंत्री भी है, जिसका नाम अमित शाह है। जरा सी भी नैतिकता बची हो तो दोनों को देश से माफी मांगनी चाहिए।

रेखा गुप्ता, मुख्यमंत्री दिल्ली

हम सब जानते हैं कि शराब नीति मामले में सबूतों के साथ छेड़छाड़ की गई थी। केजरीवाल सही थे, तो जांच शुरू होते ही आपने शराब नीति वापस क्यों ले ली? अदालतों ने भी इस मामले पर चिंता जताई थी और मनी लॉन्ड्रिंग के सबूत मिले थे। आज भी वे नाटक कर रहे हैं।

अन्ना हजारे, सामाजिक कार्यकर्ता

अगर मजबूत न्यायपालिका न होती तो देश में अव्यवस्था और अशांति फैल सकती थी। कोर्ट ने केजरीवाल को दोषी नहीं माना है, तो उस फैसले को स्वीकार करना ही होगा। उन्हें अपने या पार्टी के हित से ऊपर उठकर देश और समाज के हित में काम करना चाहिए।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को बड़ी राहत

कोर्ट ने फैसला आने तक गिरफ्तारी पर लगाई रोक

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नाबालिगों के कथित यौन शोषण मामले में दर्ज पाक्सो केस में नामजद स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती व प्रत्यकचैतन्य मुकुंदानंद गिरि की गिरफ्तारी पर रोक लगाते हुए उनकी अग्रिम जमानत अर्जी पर आदेश सुरक्षित रख लिया है। न्यायमूर्ति जितेंद्र कुमार सिन्हा की एकलपीठ ने आरोपियों को जांच में सहयोग करने का निर्देश दिया है और पक्षकारों से कहा है कि 12 मार्च तक 2026 तक अपने तर्क के समर्थन में पूर्व फैसलों का उल्लेख करते हुए लिखित बहस दाखिल करें। शुक्रवार शाम करीब एक घंटे से भी अधिक समय तक चली सुनवाई के बाद खचाखच भरी अदालत में यह आदेश सुनाया गया। यह आदेश स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद तथा उनके शिष्य स्वामी मुकुंदानंद के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है। आशुतोष ब्रह्मचारी की अर्जी पर विशेष न्यायाधीश (पाक्सो एक्ट) के आदेश के क्रम में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद व अन्य के खिलाफ बीते रविवार को झूंसी थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। झूंसी पुलिस मुकदमा दर्ज होने के बाद पूछताछ कर चुकी है। पीड़ितों का बयान और मेडिकल भी हो चुका है। माघ मेला 2026 तथा महाकुंभ 2025 में नाबालिग बटुकों के साथ कुकर्म का आरोप स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और उनके सहयोगी स्वामी मुकुंदानंद के खिलाफ है। हाई कोर्ट में होने वाली सुनवाई को लेकर काफी उत्सुकता थी। बचाव पक्ष ने एक पीड़ित को बालिग बताया। पीड़ितों की तरफ से अग्रिम जमानत अर्जी का विरोध किया गया। अर्जी पर वरिष्ठ अधिवक्ता दिलीप गुप्ता,अपर महाधिवक्ता मनीष गोयल व शासकीय अधिवक्ता पतंजलि मिश्र तथा शिकायतकर्ता की तरफ से अधिवक्ता रीना एन सिंह ने पक्ष रखा।

शेखावत को फिर मिली लोकलेखा समिति की कमान

भोपाल

विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने विधानसभा की समितियों के लिए चुनाव की प्रक्रिया पूरी कराने के बाद सभापति और सदस्यों के नाम का ऐलान कर दिया है। ये सदस्य निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए हैं। कांग्रेस विधायक भंवर सिंह शेखावत को एक बार फिर लोक लेखा समिति का सभापति बनाया है। पूर्व मंत्री जयंत मलैया उनकी टीम के सदस्य के रूप में काम करेंगे। साथ ही तीन अन्य समितियों के सभापति की जिम्मेदारी बीजेपी विधायकों को सौंपी गई है। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने विधानसभा में सदन में शुक्रवार को वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए समितियों के निर्वाचन की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि लोक लेखा समिति समिति के सभापति भंवर सिंह शेखावत, प्राक्कलन समिति सभापति अजय बिश्नोई, सरकारी उपक्रम संबंधी समिति सभापति अर्चना चिटनिस, स्थानीय निकाय एवं पंचायती राज लेखा समिति सभापति डॉ. राजेंद्र पांडे और सभी सदस्य निर्विरोध रूप से निर्वाचित हुए हैं।

लोक लेखा समिति

समिति के सभापति भंवर सिंह शेखावत होंगे। सदस्यों के नाम जयंत मलैया, मीना सिंह मांडवे, ओपी धुर्वे, नागेंद्र सिंह, उषा ठाकुर, डॉ योगेश पंडाग्रे, रामेश्वर शर्मा, संजय उइके, दिनेश जैन बोस, रीति पाठक हैं।

प्राक्कलन समिति

प्राक्कलन समिति के सभापति अजय विश्नोई होंगे। विधायक शैलेंद्र जैन, रमेश मेंदोला, हरिशंकर खटीक, दिव्यराज सिंह, नीना वर्मा, सुदेश राय, आशीष गोविंद शर्मा, नारायण सिंह पट्टा, राजेंद्र भारती, देवेंद्र सखवार बनाए हैं।

सरकारी उपक्रमों संबंधी समिति

इस समिति में अर्चना चिटनिस सभापति होंगी। इस समिति के सदस्यों के नाम कुंवर सिंह टेकाम, अशोक रोहाणी, दिलीप सिंह परिहार, देवेंद्र जैन, गायत्री राजे पवार, केशव देसाई, बृजेंद्र यादव, सुशील कुमार तिवारी, फूल सिंह बरैया, नितेंद्र सिंह राठौर हैं।

स्थानीय निकाय और पंचायती राज लेखा समिति

सभापति डॉ. राजेंद्र पांडे होंगे। समिति के सदस्यों में बृजेंद्र प्रताप सिंह, मालिनी गौड़, कमलेश प्रताप शाह, ललिता यादव, विष्णु खत्री, सतीश मालवीय, जयवर्धन सिंह, डॉ. सतीश सिकरवार, अभय मिश्रा, प्रदीप अग्रवाल शामिल किए हैं।

12 सालों में भारत ने अपनी ताकत पहचानी : मोदी

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि पिछले 12 सालों में भारत ने अपने अंदर की ताकत को पहचाना और खुद को मजबूत किया है। इसी आत्मविश्वास के कारण विकसित देश अब भारत के साथ व्यापार समझौते करने के लिए आगे आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर भारत अपनी क्षमता नहीं पहचानता और संस्थागत सुधार नहीं करता, तो कोई भी देश उसके साथ व्यापार समझौता करने के लिए तैयार नहीं होता। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा- कांग्रेस के वोट चोरी नहीं हो रहे हैं, बल्कि देश की जनता अब कांग्रेस को वोट देने लायक नहीं समझती। यह सिलसिला 1984 के बाद शुरू हुआ।पहले तो मिलेनियल्स ने कांग्रेस को सबक सिखाया, और अब जेन-जी भी तैयार है। प्रधानमंत्री ने कहा- किसी देश की क्षमता अचानक विकसित नहीं होती, बल्कि वह पीढ़ियों के ज्ञान, परंपरा, परिश्रम और अनुभव से निर्मित होती है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद भी कुछ लोगों ने औपनिवेशिक मानसिकता को बनाए रखा, जिससे देश में हीन भावना घर कर गई थी। मोदी ने 2014 से पहले के दौर का जिक्र करते हुए कहा कि अगर देश 'फ्रैजाइल फाइव' में गिना जाता रहता और पॉलिसी पैरालिसिस बनी रहती, तो वैश्विक स्तर पर भारत को गंभीरता से नहीं लिया जाता। उन्होंने कहा कि देश में नई ऊर्जा आई है और भारत अपनी खोई हुई संभावनाओं को फिर से हासिल करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मोदी ने कहा- कांग्रेस और उसके साथियों ने कभी नेक इरादों से काम नहीं किया। उन्हें गरीबों के दुख-दर्द की कोई परवाह नहीं है। जैसे बंगाल में आज तक आयुष्मान भारत योजना लागू नहीं हुई है। नेक नीयत होती तो क्या गरीबों को 5 लाख तक का मुफ्त इलाज देने वाली इस योजना को रोका जाता, नहीं।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के खिलाफ युद्ध का किया ऐलान

नई दिल्ली (वार्ता)। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के साथ बढ़ते टकराव के बीच पाकिस्तान ने उसके खिलाफ युद्ध घोषित करते हुए ऑपरेशन गजब लिल-हक शुरू किया। सरकारी प्रसारक पीटीवी न्यूज़ ने बताया कि शुक्रवार तड़के पाकिस्तान की सशस्त्र सेनाओं ने काबुल, कंधार और पक्तिया में महत्वपूर्ण सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले किए। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने तालिबान सरकार के साथ पूर्ण टकराव की घोषणा की। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, हमारा सब्र अब खत्म हो चुका है और चेतावनी दी कि अब दोनों पक्षों के बीच खुला युद्ध है।

कांग्रेस विधायक ने विधानसभा में किया शीर्षासन

विधानसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

भोपाल

विधानसभा के बजट सत्र का शुक्रवार को 10वां दिन रहा, जिसके बाद सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। इससे पहले विधानसभा परिसर में शिवपुरी जिले के कांग्रेस विधायक बाबू जंडेल ने शीर्षासन कर विरोध जताया। दरअसल, शिवरात्रि पर शिव बारात के दौरान हर्ष फायरिंग के मामले में दर्ज एफआईआर को लेकर वे नाराज थे। सदन की कार्यवाही के दौरान शून्यकाल में कांग्रेस विधायक पंकज उपाध्याय और सचेतक सोहन वाल्मीकि ने भी यह मुद्दा उठाया। स्पीकर द्वारा विषय की जानकारी संबंधित विभाग को भेजने की बात कहे जाने पर असंतुष्ट कांग्रेस विधायकों ने वॉकआउट कर दिया। इसके बाद बाबू जंडेल ने विधानसभा भवन के बाहर गांधी प्रतिमा के सामने शीर्षासन कर अपना विरोध दर्ज कराया। कांग्रेस विधायक बाबू जंडेल ने कहा कि 15 फरवरी को हमारे क्षेत्र में यज्ञ का कार्यक्रम था। हजारों की संख्या में ब्राह्मण और साधु-संत मौजूद थे। मैंने शिवजी का चौतरा बनाकर विधि-विधान से तीन दिन तक हवन कराया, भगवान की स्थापना करवाई और उसके बाद शिव बारात का कार्यक्रम रखा गया। शिव बारात में पालकियों और घोड़ों पर साधु-संत और ब्राह्मण सवार थे, फूल वर्षा हो रही थी और पटाखे चल रहे थे। मैं भी घोड़े पर सवार था। मेरे पास एक 'चढ़ीमार' का एक राउंड था, जो दावत का राउंड होता है। भगवान की खुशी में मैंने एक हर्ष फायर किया। वह सिर्फ एक ही राउंड था। मेरे पास कोई एके 47 नहीं थी। मैं कोई उग्रवादी नहीं हूं, बल्कि यज्ञ का यजमान था। उन्होंने कहा कि मुझ पर अक्सर एफआईआर दर्ज की जाती हैं, लेकिन हाईकोर्ट ने सात मामलों में मुझे बरी किया है। सभी केस झूठे हैं। अगर सरकार यह केस वापस नहीं लेती है तो मैं गांधी आश्रम में भी आंदोलन करूंगा और सड़क पर उतरकर भी आंदोलन करूंगा। मुझे जेल जाने का कोई डर नहीं है।

जो हिरण देश में ही नहीं, उसका फोटो क्यों लगाया : दिग्विजय सिंह

भोपाल

मध्यप्रदेश सरकार की सरकारी डायरी के बाद अब सरकारी कैलेंडर भी विवादों में आ गया है। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने राज्य सरकार की ओर से प्रकाशित कैलेंडर पर छपी हिरण की तस्वीर को लेकर सवाल खड़े किए हैं। दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया पर कैलेंडर की तस्वीर साझा करते हुए लिखा है, मुख्यमंत्री जी! जिस हिरण का चित्र एमपी के कैलेंडर पर लगाया गया है, वह न तो मध्य प्रदेश में पाया जाता है और न ही भारत में। उन्होंने दावा किया कि यह 'इम्पाला' है, जो अफ्रीका में पाया जाता है। पूर्व सीएम ने पोस्ट में लिखा- सोच-समझकर करें चयन। कांग्रेस विधायक राजन मंडलोई ने भी कहा कि यह बड़ा हास्यास्पद है कि भारत में इतने वन्यप्राणी हैं। शेर-चीते हैं, जिनकी फोटो लगाई जा सकती थी, लेकिन अफसर पता नहीं कहां से फोटो खोज कर लाते हैं और कैलेंडर पर लगा देते हैं। बहरहाल, दिग्विजय सिंह के इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। विपक्ष इस मुद्दे को सरकार की लापरवाही से जोड़कर देख रहा है। हालांकि, इस मामले में राज्य सरकार की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। अब देखना होगा कि सरकार इस विवाद पर क्या स्पष्टीकरण देती है और क्या भविष्य में शासकीय प्रकाशनों में चित्रों के चयन को लेकर कोई नई प्रक्रिया अपनाई जाती है।

ये बड़ी त्रुटि है: जयवर्धन

कैलेंडर के मुद्दे पर पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह ने भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की इतनी वन संपदा के बावजूद ऐसा किया गया है, तो वाइल्ड लाइफ कंजर्वेशन के लोग जिम्मेदार हैं।

4 लाख करोड़ डॉलर की होगी भारतीय अर्थव्यवस्था

अगले वित्त वर्ष में 7.4% विकास का अनुमान

नई दिल्ली

मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने शुक्रवार को बताया कि अगले वित्त वर्ष 2026-27 में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार चार लाख करोड़ डालर का हो जाएगा। उन्होंने कहा कि नए आधार वर्ष को ध्यान में रखते हुए आगामी वित्त वर्ष 2026-27 में जीडीपी में 7-7.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी का अनुमान है, जबकि पुराने आधार वर्ष (2011-12) के आधार पर यह विकास दर 6.8-7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था। पिछले दो साल से आधार वर्ष को बदलने का काम किया जा रहा था। नए आधार वर्ष के तहत कृषि सेक्टर में कई नए फल-सब्जी को जोड़ा गया है। खेती के दौरान डीजल व बिजली की खपत के पैटर्न में पिछले दस सालों में काफी बदलाव हुआ है, इसलिए उनकी औसत लागत में भी बदलाव हुआ है और उसके हिसाब से उत्पादन की दर को मापा गया है। सांख्यिकीय विभाग का अनुमान है कि आधार वर्ष बदलने से चालू वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटा जीडीपी का 4.5 प्रतिशत तक जा सकता है, जबकि पुराने आधार वर्ष में यह अनुमान 4.3 प्रतिशत का था। शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, तीसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का आकार 84.53 लाख करोड़ रुपये रहा है, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में जीडीपी का आकार 78.40 लाख करोड़ रुपये था। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही की विकास दर भले ही 8.4 प्रतिशत रही, लेकिन इस अवधि में कुल जीडीपी का आकार 75.38 लाख करोड़ रुपये था। जीडीपी विकास दर की तुलना पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि से की जाती है।

मैन्यूफैक्चरिंग में सबसे अधिक बढ़ोतरी

तीसरी तिमाही के दौरान मैन्यूफैक्चरिंग में सबसे अधिक 13.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी रही। सर्विस सेक्टर की विकास दर 9.5 प्रतिशत रही, लेकिन कृषि सेक्टर की विकास दर मात्र 1.7 प्रतिशत दर्ज की गई। अच्छी बात है कि निजी खपत की हिस्सेदारी बढ़ रही है। तीसरी तिमाही में निजी खपत की हिस्सेदारी 48.17 लाख करोड़ रुपये रही, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 44.31 लाख करोड़ रुपये थी। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में भी निजी खपत 40.45 लाख करोड़ रुपये रही थी।

आगामी त्यौहारों को आपसी सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाने की जिला शांति समिति ने की अपील

शालीनता एवं शांति बनाएं रखते हुए हर्ष उल्लास से त्यौहार मनाने का कलेक्टर ने जिलावासियो से की अपील

शहडोल (स्वतंत्रमत)।

जिले में सभी त्यौहार परपंरागत रूप से आपसी भाईचारे एवं सौहार्द्र के साथ मनाने की परपंरा रही है, इस परपंरा को आगे भी बनाए रखते हुए आगामी त्यौहारो को हर्षोल्लास के साथ मनाने की अपील जिला शांति समिति के सदस्यो ने जिलावासियो से की है। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में जिला शांति समिति की बैठक आयोजित की गई।

कलेक्टर ने कहा कि आगामी दिनों में होली, धुरेड़ी, ईद-उल फितर, परशुराम जयंती तथा चौत्र नवरात्रि के त्यौहार मनाए जाएंगे। कलेक्टर ने जिलेवासियो से आगामी सभी त्यौहारो को शालीनता एवं शांति बनाएं रखते हुए हर्षोल्लास एवं शांतिपूर्वक मनाने की अपील की है। बैठक में पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव, अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, नगरपालिका अध्यक्ष घनश्याम जायसवाल, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अमृता गर्ग, मुख्य नगरपालिका अधिकारी आशा भंडारी, नगर निरीक्षक सोहागपुर अरूण पांडेय, यातायात प्रभारी संजय जायसवाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहें। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि होलिका दहन का कार्यक्रम गत वर्ष की भाँति इस वर्ष भी उन्ही स्थानो में किया जाए जहां पूर्व से होता आ रहा है।

होलिका रखने जाने वाले स्थानो की सूची पुलिस कंट्रोल रूम को उपलब्ध कराई जाए। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि होलिका ऐसे स्थानो पर नही रखी जाएं जिससे यातायात प्रभावित हो। साथ ही बिजली के खम्भो या तारो के नीचे, टेलीफोन के खंभो, पेड़ तथा खलिहान आदि के पास नही रखी जाए। होलिका में सूखी लकड़ी तथा कंडो का उपयोग किया जाए। हरे भरे पेड़ का उपयोग नही किये जाएं, पानी के दुरूपयोग हेतु सूखी होली खेली जाएं, रंगो में कैमिकल का उपयोग नही किया जाए न ही पेंट, कीचड़ एवं ग्रीस, काला ऑयल आदि का प्रयोग किया जाए। बिना सहमति के दूसरो पर रंग नही डाला जाए जिससे विवाद की स्थिति पैदा हो। बोर्ड की परीक्षाओ को दृष्टिगत रखते हुए होलिका दहन स्थल पर ध्वनि विस्तारक यंत्रो डीजे आदि का प्रयोग नही किये जाएं। होली त्यौहार के दौरान 2 मार्च 2026 को रात्रि 11:30 बजे से 3 मार्च 2026 को सांय 5 बजे से शराब की दुकानें बंद रहेगी। कंट्रोल रूम में फायर बिग्रेड की व्यवस्था तथा अस्पताल में आपात चिकित्सा व्यवस्था रखी जाएगी। संबंधित एसडीएम, कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा लोगो के साथ बैठक करने के लिए उत्तरादायी रहेंगे। कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए पुलिस बल की तैनाती पुलिस अधीक्षक शहडोल द्वारा की जाएगी। नगरपालिका द्वारा धुरेणी के दिन सुचारू रूप से पानी की व्यवस्था, साफ- सफाई की व्यवस्था रखेंगे। संबंधित एसडीएम एवं थाना प्रभारियो को थान स्तर पर शांति समिति बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव ने कहा कि त्यौहारो के दौरान सोशल मीडिया में अपत्तिजनक एवं भडकाऊ कंटेट वाले पोस्ट नही किये जाएं। पुलिस द्वारा इसकी निगरानी की जाएगी। 19 मार्च से चौत्र नवरात्र प्रारंभ हो रही है 27 मार्च को राम नवमीं का त्यौहार मनाया जाएगा।

नवरात्रि पर्व पर पंचमी एवं अष्टमी के दिन जिले के प्रमुख देवी मंदिरो में विशेष पुलिस की व्यवस्था की जाएगी। 19 मार्च को गुडी पड़वा, चौत्र नवरात्र बैठकी पर्व तथा 21 मार्च को ईद-उल-फितर एवं 27 मार्च को श्री राम नवमीं का त्यौहार मनाया जाएगा। ईद उल फितर त्यौहार में नगरपालिका द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जाएगी। पुलिस द्वारा यातायात एवं रात्रि गश्त की व्यवस्था की जाएगी। बैठक में नमाज अदा करने वाले स्थानो की जानकारी दी गई। बैठक में जिला शांति समिति के सदस्य लक्ष्मण गुप्ता, डॉ. परमानंद तिवारी, अजय जायसवाल, राहुल मिश्रा, शान उल्ला खान सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहें।

पंडित शम्भूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का हुआ आयोजन

शहडोल (स्वतंत्रमत)।

विकसित भारत के लिए विज्ञान में महिलाओं की उत्प्रेरक भूमिका विषय पर हुआ विचार मंथन

पंडित शम्भूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में दो दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का मुख्य विषय थाकृ 'विज्ञान में महिलाएँ, विकसित भारत की उत्प्रेरक' तथा उपविषय थाकृ 'सतत भविष्य के लिए विज्ञान में नवाचार'। इस आयोजन का संचालन जैव प्रौद्योगिकी एवं भौतिकी विभाग द्वारा किया गया तथा इसे एम पी एस टी, भोपाल का सहयोग प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राम शंकर थे। अध्यक्षता डीन एवं विभागाध्यक्ष प्रो. प्रवीण शर्मा (संयोजक) ने की। कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. योगिता बसेने (सहायक प्राध्यापक, जैव प्रौद्योगिकी विभाग) द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि प्रो. राम शंकर ने अपने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस हमें महान वैज्ञानिकों के योगदान का स्मरण कराते हुए नवाचार की नई दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। विकसित भारत के निर्माण में महिलाओं की वैज्ञानिक सहभागिता अत्यंत महत्वपूर्ण है। विश्वविद्यालय शोध, नवाचार और सामाजिक सरोकारों को साथ लेकर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने छात्रों से कहा कि यदि आप के मन मे किसी घटना को देख कर कौतुक होता है प्रश्न उठता है तो आप को वेज्ञानिक बनने से कोई नही रोक सकता। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. प्रवीण शर्मा ने कहा कि सतत विकास का लक्ष्य तभी प्राप्त होगा जब विज्ञान प्रयोगशालाओं से निकलकर समाज की समस्याओं का समाधान बनेगा। महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से विज्ञान अधिक संवेदनशील और समावेशी बनेगा। समन्वयक डॉ. योगिता बसेने ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि दो दिवसीय आयोजन में विशेषज्ञ व्याख्यान, शोध-पत्र प्रस्तुतियाँ, छात्र-छात्राओं की प्रतियोगिताएँ एवं संवाद सत्र आयोजित किए गए, जिससे युवा पीढ़ी में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास हो सके। आमंत्रित अतिथि मुख्य वक्ता प्रो. आलोक पाण्डेय (भौतिकी विभाग, आईजीएनटीयू) ने आधुनिक भौतिकी में अनुसंधान की संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि युवा शोधार्थियों को जिज्ञासा और प्रयोगधर्मिता को अपने व्यक्तित्व का हिस्सा बनाना चाहिए। कार्यक्रम को सफल बनाने में आयोजन समिति के सदस्यों, कुमारी हर्षा लाखोटिया, अनुराग पाण्डेय, डॉ. सुनील कुमार, कुमारी अंजली तोमर, इशिका मिश्रा, डॉ. प्रीति पाण्डेय, राकेश त्रिपाठी एवं सौम्या सिंह का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का समापन आभार प्रदर्शन के साथ हुआ कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रो. प्रमोद पांडेय डॉ आशीष तिवारी फाइनेंस कन्ट्रोलर राम मिलन उपस्थित थे एवं विज्ञान संकाय के सभी छात्र उपस्थित थे।

शहडोल संभाग के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. के.एन. मित्तल हुये सेवानिवृत्त

शहडोल (स्वतंत्रमत)। संभाग के वरिष्ठ चिकित्सक एवं टी.वी रोग विशेषज्ञ ने आदिवासी अचल में निरंतर सेवाएं प्रदान कर पूरे किये 60 वर्ष। भोपाल निवासी डॉ. के.एन. मित्तल ने सन् 1965 में गांधी मेडिकल कॉलेज भोपाल से एम.बी.बी.एस. की डिग्री प्राप्त कर शासकीय सेवा के रूप में अपना केरियर शुरू किया। सेवाकाल की प्रथम पदस्थापना जिला चिकित्सालय में मिली एवं उन्होने 28 फरवरी 1966 को अपना पदभार संभाला। डॉ. मित्तल के ज्वाइन करने पर जिला चिकित्सालय में डॉक्टरों की संख्या 5 हो गई। सिविल सर्जन एवं जिलाक्षय अधिकारी को छोडकर मात्र शेष तीन चिकित्सकों के भरोसे 24 घंटे चिकित्सालय के सारे विभाग जैसे ओ.पी.डी., भर्ती रोगियों की देखभाल, ऑपरेशन थियेटर में भी सिविल सर्जन को सहयोग करने, पोस्टमार्टम, रातों में भी गंभीर रूप से पहुंच रहे रोगियों को त्वरित उपचार की व्यवस्था इत्यादि का भार इन पर रहता था। लगातार 5 वर्षों तक सभी विभागों में काम कर बहुत कुछ सीखने के पश्चात् डॉ. मित्तल का चयन शासकीय सेवा में रहते हुए टी.वी. विषय में उच्च अध्ययन वास्ते इन्हे मेडिकल कॉलेज इन्दौर भेजा गया। सन् 1972 में पी.जी. करने के पश्चात् उनकी पदस्थापना जिला क्षय अधिकारी के पद पर हुई। रोग की विशेष दक्षता हासिल करने पश्चात् सन् 1973 में 3 माह की ट्रेनिंग के लिये बैंगलोर भेजा गया। जिले में क्षय उन्मूलन को किस प्रकार मूर्तरूप दिया जाए। गरीब आदिवासी लोगों की सोच का स्तर क्या है। टी.वी. की बीमारी के बारे में उनकी समझ कितनी है बीमार पड़ने पर सबसे पहले वह किससे इलाज करवाते हैं।

जीवन में धर्म को प्रतिष्ठित किये बिना जीवन का उद्धार संभव नहीं : प्रमाणसागर महाराज

शहडोल (स्वतंत्रमत)।

जीवन में धर्म को प्रतिष्ठित किये बिना जीवन का उद्धार संभव ही नहीं उपरोक्त उद्गार मुनि श्री प्रमाणसागर महाराज ने पंचकल्याणक महामहोत्सव के तृतीय दिवस, जन्म कल्याणक के पावन अवसर पर व्यक्त किए' मुनि श्री ने कहा कि जब किसी सामान्य व्यक्ति का जन्म होता है तो उसका परिवार आनंदित होता है, किंतु जब त्रिलोकीनाथ का जन्म होता है, तो तीनों लोकों में हर्ष की लहर दौड़ जाती है। क्षणभर के लिए नारकीय जीवों में भी प्रसन्नता का संचार हो जाता है। उन्होंने कहा हम और आप अनंत बार जन्म ले चुके हैं, किंतु उन जन्मों को व्यर्थ गंवा दिया, भगवान ने भी जन्म लिया, परंतु उन्होंने अपने जन्म को सार्थक बना लिया। संतों कहते है, जन्म लिया है तो उसे सार्थक बनाओ। सिर्फ पढ़-लिख लेना, धन कमा लेना, पद प्रतिष्ठा प्राप्त कर लेना या परिवार बसाना ही जन्म की सार्थकता नहीं, यह सब तो अनंत बार पाया और खोया है, जन्म की सार्थकता संयम मार्ग को अपनाने और धर्म के पथ पर चलने में है,' उन्होंने बताया कि तीर्थंकरों के जीवन में एकाद अपवाद को छोडकर प्राय: जन्म और दीक्षा की तिथि एक ही होती है, जो इस तथ्य का प्रमाण है कि जन्म की सार्थकता संसार में उलझने में नहीं, बल्कि संयम और तप में है। भगवान ने अपने पूर्व दस भवों में श्रावक धर्म का पालन किया,तत्पश्चात अंतिम तीन भवों में मुनि बनकर कठोर साधना की और परम लक्ष्य प्राप्त किया। मुनि श्री ने कहा कि सभी तीर्थंकर चक्रवर्ती सम्राट रहे, वैभव की कोई कमी नहीं रही, फिर भी उन्होंने सर्वस्व का त्याग किया, धर्म वह कर पाता है जिसके भीतर आत्मकल्याण की भावना हो। उन्होंने मनुष्य जन्म की दुर्लभता का वर्णन करते हुए कहा कि चार लाख चौरासी हजार योनियों में यह नरभव अत्यंत कठिनाई से प्राप्त होता है। हमें मनुष्य जन्म के साथ उत्तम संस्कार, श्रेष्ठ परिवार और देव शास्त्र गुरु का सान्निध्य प्राप्त हुआ है, फिर भी जीवन में भटकाव है तो इससे बड़ा दूसरा कोई दुर्भाग्य नहीं? उन्होंने प्रेरित किया कि दान, पूजा, शील और उपवास को जीवन का अंग बनाइए, यदि भगवान को पाना है तो उनकी वाणी को मानना होगा। व्यसन और बुराइयों से स्वयं को मुक्त करना होगा। उन्होंने 'कुलाचार की बात करते हुये कहा कि इसे निभा सकें तो अच्छी बात है, यदि न निभा सकें, तो कम से कम दुराचार से अवश्य बचें,आप धर्म करें या न करें, पर अधर्म से बचें,यही सबसे बड़ा धर्म है। युवाओं के लिए विशेष संदेश देते हुये मुनि श्री ने कहा कि विकृत जीवनशैली के कारण युवाओं का तेज क्षीण हो रहा है। जहाँ प्रतिभा प्रकट होनी चाहिए, वहाँ व्यसन और बुराइयों की कालिमा छा रही है। युवाओं से आह्वान करते हुए संयम, सदाचार और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। जन्म कल्याणक का सार बताते हुए उन्होंने कहा मनुष्य जन्म दुर्लभ है, इसे पहचानो, संयम ही जीवन की सार्थकता है, इसे अपनाओ। देव, शास्त्र और गुरु का सान्निध्य महान सौभाग्य से मिलता है, अत: अपने आपको अधर्म से बचाओ यही सबसे बड़ा धर्म है। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को भाग्यशाली बताते हुए कहा कि धर्म का ऐसा वातावरण मिलना अत्यंत बहूत दुर्लभ है, मनुष्य जन्म भोग-विलास या केवल धनार्जन के लिए नहीं, बल्कि संसार-सागर से पार होने के लिए प्राप्त हुआ है, इसका उपयोग करो इस अवसर पर मुनि श्री प्रसाद सागर जी, मुनि श्री शीतलसागर, मुनि श्री संधानसागर तथा क्षु. श्री समादर सागर महाराज मंचासीन रहे। कार्यक्रम का संचालन बाल ब्रह्मचारी अशोक भैया एवं अभय भैया ने किया। मुनि श्री संघ के प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी एवं स्थानीय मीडिया प्रभारी प्रसन्न जैन 'दीपू' ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रात: 6 बजे से पंचकल्याणक के मांगलिक कार्यक्रम प्रारंभ हुए।

भगवान का अभिषेक एवं मुनि श्री के मुखारविंद से शांतिमंत्रों के साथ शांतिधारा संपन्न हुई। तत्पश्चात नित्यनियम पूजन एवं जन्म कल्याणक की क्रियाएँ सम्पन्न की गईं। बालक के जन्मोत्सव की खुशी में पात्र बने माता-पिता, सौधर्म इंद्र एवं अन्य प्रमुख पात्रों ने जीवदया हेतु गौशाला में दान देकर पुण्यार्जन किया। दोपहर में जन्माभिषेक का भव्य जुलूस निकला, जिसमें ऐरावत हाथी पर बालक आदिकुमार को सौधर्म इंद्र एवं शचि इंद्राणी की गोद में विराजमान कर निकाला गया। पांडुक शिला पर पहुँचकर 1008 रत्नमयी कलशों से बालक आदिकुमार का जन्माभिषेक संपन्न हुआ। संध्याकालीन आरती के पश्चात राजा नाभिराय का दरबार सजा, जिसमें तांडव नृत्य, बालक आदिकुमार का पालना एवं बाल क्रीड़ाओं के मनोहारी दृश्य प्रस्तुत किए गए।

सरपंच-सचिव पर विकास कार्यों में धांधली के आरोप, ग्रामीणों ने की हटाने की मांग

भाजीटोला पंचायत में विकास के नाम पर खेल

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)।

समनापुर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत भाजीटोला में कराए गए विभिन्न निर्माण कार्यों को लेकर ग्रामीणों ने गंभीर आरोप लगाते हुए जनसुनवाई में कलेक्टर के समक्ष शिकायत करते हुए सरपंच, सचिव को हटाने की मांग की है। ग्रामवासियों ने लिखित शिकायत के माध्यम से पंचायत की सरपंच अनुसुईया बाई परतेती एवं सचिव मंजु पर विकास कार्यों में अनियमितता, गुणवत्ताहीन निर्माण, फर्जी बिलिंग और मजदूरों के भुगतान में देरी के आरोप लगाए हैं। मामले को लेकर गांव में असंतोष व्याप्त है और प्रशासन से उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच की मांग की गई है।

इन निर्माण कार्यों में धांधली के आरोप - जन सुनवाई में की गई शिकायत के अनुसार शांति धाम तथा गोमती बछडार नदी घाट निर्माण कार्य में निर्धारित मापदंडों का पालन नहीं किया गया। आरोप है कि बिना उचित खुदाई के निर्माण किया गया, पॉलिथीन शीट (पन्नी) नहीं बिछाई गई तथा बेस निर्माण मानक अनुरूप नहीं किया गया। इससे निर्माण की मजबूती पर सवाल खड़े हो रहे हैं। शिकायत में कई सीसी रोड निर्माण कार्यों का उल्लेख किया गया है, जैसे हरवंश के घर से हैंडपंप तक 2.74 लाख की लागत से बना लगभग 1 मीटर चौड़ा सीसी रोड मानकों के अनुरूप नहीं बनाया गया है, राधेश्याम के घर से मोलेराम के घर तक ?1.81 लाख की लागत से बने मार्ग को नक्शा-खसरा में दर्ज न होने का दावा किया गया है। बलदहा के घर से हैंडपंप तक ?4 लाख की लागत से बने मार्ग की लंबाई-चौड़ाई कम होने का आरोप है। इसी तरह धरकुटी से तालाब तक ?3.35 लाख की लागत से निर्मित सड़क को भी गुणवत्ताहीन बताया गया है, साथ ही मजदूरों को भुगतान न होने की बात कही गई है।

नाली, स्टॉपडेम और पुलिया निर्माण पर भी आपत्ति - दुर्गा मंदिर से शिवचरण के घर तक ?5 लाख की लागत से बनी नाली के निर्माण पर गुणवत्ता को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त हैं। कन्हैया के खेत के पास ?7 लाख की लागत से बने स्टॉपडेम को अनुपयोगी बताया गया है, जहां पानी रुकने की व्यवस्था प्रभावी नहीं है। अवढेरा रोड पर बनी पुलिया के निर्माण को तीन वर्ष पूर्ण हो जाने के बावजूद मजदूरों का भुगतान लंबित होने और मस्टर रोल जारी न करने का आरोप लगाया गया है।

मुरूम कार्य में फर्जीवाड़े का आरोप - ग्रामीणों का कहना है कि सड़क में मुरूम डालने के नाम पर राशि आहरित कर ली गई, जबकि स्थल पर मुरूम डाला ही नहीं गया। सरपंच, सचिव के द्वारा फर्जी बिल लगाकर राशि गबन करने का आरोप ग्रामीणों ने लगाए हैं। शिकायतकर्ताओं ने सचिव की कार्यक्षमता पर सवाल उठाते हुए कहा है कि प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता नहीं है। साथ ही सरपंच द्वारा विरोध करने पर कथित रूप से अभद्र व्यवहार और कानूनी कार्रवाई की धमकी देने के आरोप भी लगाए गए हैं। ग्रामवासियों ने समस्त निर्माण कार्यों की तकनीकी एवं वित्तीय जांच कराने, मजदूरों का लंबित भुगतान सुनिश्चित करने तथा दोषी पाए जाने पर संबंधित पदाधिकारियों को पद हटाते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की है।

बिना सूचना भूमि-पूजन करने पर हाउसिंग बोर्ड पर गिरेगी गाज, आयुक्त भोपाल को पत्र लिखने के निर्देश

जनजातीय कार्य विभाग के निर्माण कार्यों की समीक्षा, लापरवाही पर नोटिस के निर्देश

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में आज कलेक्टर सभाकक्ष में जनजातीय कार्य विभाग द्वारा स्वीकृत निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में निर्माणाधीन सीएम राइज विद्यालय, महाविद्यालय भवन, धरती आबा अभियान तथा जन-मन योजना अंतर्गत संचालित निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों से कार्यवार प्रगति की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक एवं छात्रावास भवनों का समय पर पूर्ण होना विद्यार्थियों के हित में अत्यंत आवश्यक है।

बैठक के दौरान यह भी पाया गया कि हाउसिंग बोर्ड द्वारा कुछ निर्माण कार्यों के भूमि-पूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम जनप्रतिनिधियों को पूर्व सूचना दिए बिना आयोजित किए गए। इस पर कलेक्टर श्रीमती भदौरिया ने नाराजगी व्यक्त करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि भविष्य में किसी भी निर्माण कार्य का भूमि-पूजन अथवा लोकार्पण जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति एवं पूर्व सूचना के बिना न किया जाए। उक्त लापरवाही के संबंध में आयुक्त, भोपाल को पत्र प्रेषित करने के निर्देश भी दिए गए।

जनपद पंचायत करंजिया में बदला नेतृत्व, राजू सिंह उद्दे ने जीता विश्वास

भाजपा समर्थित राजू सिंह उद्दे बने अध्यक्ष, 7-5 से दर्ज की जीत

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

जनपद पंचायत करंजिया के अध्यक्ष पद के लिए हुए चुनाव में भाजपा समर्थित प्रत्याशी राजू सिंह उद्दे ने बहुमत हासिल करते हुए शानदार जीत दर्ज की है। कड़े मुकाबले में उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी एकता मरकाम को 7-5 मतों से पराजित किया।

निर्वाचन प्रक्रिया मध्यप्रदेश पंचायत (उप सरपंच, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष निर्वाचन) नियम, 1995 के नियम 17 के तहत विधिवत संपन्न कराई गई। पीठासीन अधिकारी रामबाबू देवांगन ने मतगणना के बाद परिणाम की आधिकारिक घोषणा करते हुए राजू सिंह उद्दे को निर्वाचित घोषित किया और उन्हें प्रमाण-पत्र सौंपा। चुनाव परिणाम सामने आते ही समर्थकों में उत्साह की लहर दौड़ गई। जनपद पंचायत परिसर में बधाइयों और शुभकामनाओं का दौर शुरू हो गया। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने उम्मीद जताई कि नवनिर्वाचित अध्यक्ष के नेतृत्व में क्षेत्र में विकास कार्यों को नई गति मिलेगी तथा जनसमस्याओं के निराकरण को प्राथमिकता दी जाएगी। अध्यक्ष पद के निर्वाचन के साथ ही अब जनपद पंचायत करंजिया में नई कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया भी तेज होगी, जिससे प्रशासनिक गतिविधियों को नई दिशा मिलने की संभावना है।

मजदूरी गायब, फर्जीवाड़ा चालू : मेंहदवानी की पंचायत में 'प्राइवेट हाथों' में सरकारी तंत्र!

उमरिया रैयत पंचायत में मजदूरी घोटाले का आरोप, तालाब निर्माण की मेहनताना अटका

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)।

जनपद पंचायत मेंहदवानी अंतर्गत ग्राम पंचायत उमरिया रैयत के दर्जनों मजदूरों ने खेत तालाब निर्माण कार्य की मजदूरी भुगतान न होने और पंचायत में व्यापक अनियमितताओं के आरोप लगाते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचकर जनसुनवाई में शिकायत दर्ज कराई।

ग्रामीणों ने कलेक्टर से मामले की उच्च स्तरीय जांच कर भुगतान दिलाने और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों ने बताया कि रोजगार गारंटी योजना के तहत हितग्राही श्रीमती सहमतिया मरावी पति स्व. फूलसिंह मरावी के खेत में 04 मई 2025 से 08 फरवरी 2026 तक विभिन्न चरणों में तालाब निर्माण कार्य किया गया। इस दौरान आठ अलग-अलग मस्टरोल के तहत 20 से 35 मजदूरों ने लगातार श्रम किया, लेकिन आज तक पूर्ण मजदूरी का भुगतान नहीं हुआ।

दर्जनों मजदूरों ने आरोप लगाया है कि कई सप्ताह तक काम करने के बावजूद उनकी पूरी हाजिरी दर्ज नहीं की गई, जिसके कारण उन्हें आज तक संपूर्ण मजदूरी का भुगतान नहीं मिला। ग्रामीणों के अनुसार हितग्राही श्रीमती सहमतिया मरावी के खेत में 04 मई 2025 से 08 फरवरी 2026 तक विभिन्न मस्टरोल के माध्यम से तालाब निर्माण कार्य कराया गया। सातवें सप्ताह में मस्टरोल क्रमांक 25620 (25.01.2026 से 31.01.2026) तथा आठवें सप्ताह में मस्टरोल क्रमांक 26684 (02.02.2026 से 08.02.2026) के तहत लगभग 20-20 मजदूरों ने कार्य किया। इससे पहले भी कई चरणों में 25 से 35 मजदूरों ने श्रमदान किया था। मजदूरों का आरोप है कि ग्राम पंचायत सचिव द्वारा पूरे सप्ताह की उपस्थिति दर्ज न कर केवल एक या दो दिन की हाजिरी डाली गई, जिससे भुगतान आंशिक रह गया। जब इस संबंध में सरपंच और सचिव से पूछताछ की गई तो तकनीकी त्रुटि बताकर सुधार का आश्वासन दिया गया, लेकिन अब तक कोई सुधार नहीं हुआ।

ग्रामीणों ने पंचायत में अन्य अनियमितताओं के भी आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि पंचायत में पिछले 5-10 वर्षों से रोजगार सहायक का पद रिक्त है और उसका कार्य एक निजी व्यक्ति के माध्यम से कराया जा रहा है। आरोप है कि कई लोगों को बिना कार्य के हाजिरी दी जाती है, जबकि वास्तविक मजदूरों से निजी खेतों में काम कराया जाता है।

इसके अलावा पंचायत सचिव के लंबे समय से एक ही स्थान पर पदस्थ रहने के कारण मनमानी और भ्रष्टाचार बढ़ने का आरोप भी लगाया गया है। ग्रामीणों ने बताया कि नल-जल योजना के तहत अब तक गांव में ठोस कार्य नहीं हुआ और कई परिवार मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं।

फार्मारंग–2026 में बिखरी रंगों की अनोखी छटा

हितकारिणी कॉलेज ऑफ फार्मेसी में होली महोत्सव का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

हितकारिणी कॉलेज ऑफ फार्मेसी में होली के पावन अवसर पर फार्मारंग 2026 महोत्सव हर्ष, उत्साह और पारस्परिक सौहार्द के वातावरण में संपन्न हुआ। यह आयोजन संस्थान के अध्यक्ष एचएस ओबेरॉय के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से आयोजित किया गया। जिनकी सदैव यह भावना रही है कि शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ सांस्कृतिक समरसता भी विद्यार्थियों के विकास का महत्वपूर्ण आधार है। महोत्सव के दौरान महाविद्यालय परिसर रंगों की मनोहारी छटा से आलोकित हो उठा। मधुर एवं उत्साहवर्धक संगीत की धुनों पर विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से नृत्य किया और एक-दूसरे को रंग लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। वातावरण में उमंग, ऊर्जा और आत्मीयता का अद्भुत समन्वय देखने को मिला।

आपसी संबंधों को मजबूत करने का त्यौहार -रंगों के इस उत्सव ने विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों के बीच आत्मीय संबंधों को और सुदृढ़ किया। सभी ने मर्यादा, अनुशासन और पारस्परिक सम्मान बनाए रखते हुए उत्सव का आनंद लिया। गुलाल के विविध रंगों से सजा परिसर एकता, सहयोग और सकारात्मकता का संदेश दे रहा था।

कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश भी दिया गया कि त्यौहार केवल मनोरंजन का अवसर नहीं, बल्कि आपसी संबंधों को मजबूत करने और सामूहिक आनंद साझा करने का माध्यम हैं। फार्मारंग 2026 महोत्सव ने महाविद्यालय परिवार को एक सूत्र में पिरोते हुए सौहार्द, आनंद और सांस्कृतिक एकता की भावना को और प्रगाढ़ किया। यह उत्सव विद्यार्थियों के लिए एक सुखद और स्मरणीय अनुभव बनकर उनके शैक्षणिक जीवन में रंगों की मधुर छाप छोड़ गया।

होली पर ना रखें फूहड़ प्रतिमाएं भाईचारे के साथ मनाएं त्यौहार

कलेक्टर, एसपी की अध्यक्षता में आयोजित हुई शांति समिति की बैठक

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। होली, ईद, नवरात्र, रामनवमी और महावीर जयंती सहित आने वाले सभी त्यौहारों को शहर की गौरवशाली परंपरा के अनुसार शांतिए सद्भाव और भाईचारा से मनाने की अपील शहर के नागरिकों से शुक्रवार को कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित शांति समिति की बैठक में की गई। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह एवं पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय की मौजूदगी में संपन्न हुई इस बैठक में समिति के सदस्यों ने त्यौहारों के दौरान प्रशासनिक व्यवस्थायें सुनिश्चित करने कई महत्वपूर्ण सुझाव दिये तथा शांति और कानून व्यवस्था बनाये रखने में प्रशासन को हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। बैठक में नगर निगम के आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार, अपर कलेक्टर नाथूराम गोंड तथा शांति समिति के सदस्य सुश्री कौशल्या गोंटिया, मुकेश राठौर, प्यारे साहब आदि मौजूद थे।

अशांति फैलाने पर होगी सख्त कार्यवाही -शांति समिति के सदस्यों ने बैठक में त्यौहारों के दौरान सुरक्षाए साफ-सफाई और पेयजल आपूर्ति की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने का सुझाव प्रशासन को दिया। बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग भी सदस्यों ने रखी। होली पर पानी की अतिरिक्त आपूर्ति करने की अपेक्षा की गई।

इसके साथ ही धार्मिक स्थलों के आसपास सुरक्षा के पर्याप्त बंदोबस्त तथा अशांति पैदा करने की कोशिश करने वाले तत्वों के खिलाफ कठोर कार्यवाही करने की मांग रखी गई। शांति समिति के सदस्यों ने होली के त्यौहार पर स्वास्थ्य के लिये हानिकारक केमिकल युक्त रंगों के इस्तेमाल एवं पीली मिट्टी से होली खेलने पर प्रतिबंध लगाने की मांग रखी। सदस्यों ने होली की फूहड़ प्रतिमाओं की स्थापना पर रोक लगाने, त्यौहारों पर डीजे के इस्तेमाल को पूर्णतः प्रतिबन्धित करने का सुझाव भी दिया। रमजान के दौरान लगने वाले मीना बाजार में सुरक्षा की दृष्टि से महिला पुलिस की तैनाती और मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था को दुरुस्त रखने की राय भी बैठक में दी गई।

उन्होंने बताया कि त्यौहारों के दौरान शांति भंग करने वाले आसामाजिक तत्वों से पुलिस सख्ती से निपटेगी और उनके विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जायेगी।

खाद्य तेल सेक्टर में पुनर्योजी कृषि पर स्टेट-लेवल कंसल्टेशन का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। यूरोपियन यूनियन-सपोर्टेड प्रोग्राम सॉलिडेरिडाड के तहत सेंटर फॉर एडवांस्ड रिसर्च एंड डेवलपमेंट ने जबलपुर के कलचुरी रेजीडेंसी में खाद्य तेल सप्लाई चेन के स्टेकहोल्डर्स के साथ बातचीत और कंसल्टेशन विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया इस कंसल्टेशन में आईसीएआर जनेकृविवि डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर वेलफेयर, एमपीएसआरएलएम लीडिंग सिविल सोसाइटी ऑर्गेनाइजेशन, एफपीओ और महिला किसान प्रोड्यूसर कंपनियों को रिप्रेजेंट करने वाले 66 पार्टिसिपेंट शामिल हुए, जिसका उद्देश्य मध्य प्रदेश में पुनर्योजी कृषि को बढ़ाने पर विचार-विमर्श किया जा सके। इसका मुख्य उद्देश्य एक मंच पर पॉलिसी निर्माण, बाजार संपर्क व्यवस्था, वैज्ञानिक सुझावों और इंस्टीट्यूशनल सॉल्यूशंस के ज़रिए पुनर्योजी कृषि पद्धति को खाद्य तेल वैल्यू चेन में इंटीग्रेट किया जा सके। मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार करने, स्कीम कन्वर्जेंस चुनौतियां, जलवायु परिवर्तन और पुनर्योजी कृषि में महिला किसानों, मध्यम किसानों की भूमिका पर फोकस थी।

डॉ. सुरेश मोटवानी (सॉलिडेरिडाड) ने मिट्टी की सेहत, पानी के मैनेजमेंट और जैव विविधता को मज़बूत करने वाले पुनर्योजी खेती के तरीकों को बढ़ावा देने पर ज़ोर दिया। डॉ. विवेक शर्मा (कार्ड) ने समस्त संस्था जो पुनर्योजी कृषि पद्धति पर कार्य कर रही है,उनके कार्य को एक प्लेटफार्म में ढालने पर जोर दिया, जिससे मध्यम वर्ग के किसानो की कृषी लागत मे सुधार हो सके। जिसका सीधा फायदा किसानों को लंबे समय तक मिलता रहेगा।

गौरवशाली इतिहास का सजीव चित्रण है फिल्म शतक

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के गौरवशाली 100 वर्षों की यात्रा पर आधारित फिल्म 'शतक' देखने का अवसर हम सभी भाजपा कार्यकर्ताओ को मिला। शतक केवल एक फ़िल्म नहीं बल्कि राष्ट्रसेवा, संस्कार और संगठन की उस गौरवशाली इतिहास का सजीव चित्रण है जिसने पिछले 100 वर्षों में समाज और राष्ट्र जीवन को नई दिशा दी है, यह बात भाजपा जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के 100 वर्षों के इतिहास पर आधारित फ़िल्म शतक देखने के बाद कही। भाजपा जबलपुर महानगर के कार्यकर्ताओ ने जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, सांसद आशीष दुबे, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, संदीप जैन, पंकज दुबे, रंजीत पटेल के साथ को सामूहिक रूप से शतक फ़िल्म देखी। फ़िल्म के अंत में सभी ने राष्ट्र गीत वन्दे मातरम का सामूहिक गान किया। इस अवसर पर अभय सिंह ठाकुर, रजनीश यादव, श्रीकान्त साहू, रवि शर्मा, राहुल दुबे, कमलेश नामदेव आदि उपस्थित रहे।

सिहोरा में शांति समिति की बैठक का आयोजन

सिहोरा (स्वतंत्र मत)।

मझगवां थाना में होली पर्व को लेकर शुक्रवार शाम समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में विनीता पटेल जनपद सदस्य मढा बंजर सरपंच कोमल मरावी, बुढरा सरपंच, देवरी लमतरा सरपंच, अगरिया सरपंच एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि के साथ मझगवां थाना प्रभारी हरदयाल उद्के एवं समस्त थाना स्टाफ मौजूद था। थाना प्रभारी ने सभी लोगों से शांति एवं सौहार्द के साथ त्योहार मनाने की अपील की है। वहीं थाना प्रभारी ने कहा कि हुडदंग मचाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसी प्रकार पुलिस थाना गोसलपुर प्रांगण में थाना प्रभारी गाजीवती कोसाम की विशेष उपस्थिति में क्षेत्र के नागरिकों शांति समिति के सदस्यों व जनप्रतिनिधियों की विशेष उपस्थिति में आगामी होलिकोत्सव पर्व रमजान पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में थाना प्रभारी गाजीवती कोसाम, कनिष्ठ यंत्री रमेश सिंहा, एसाई मीनू सहित क्षेत्रीय जन उपस्थित रहे।

जबलपुर रेल मंडल से सेवानिवृत्त हुए 15 कर्मचारी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पश्चिम मध्य रेल में सेवानिवृत्त हुए 15 रेल कर्मचारियों के लिए आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक महोदय कमल कुमार तलरेजा के द्वारा रेल सेवा से इस माह सेवानिवृत्त हो रहे समस्त रेलकर्मियों को सेवानिवृत्ति से संबंधित दस्तावेज प्रदान किये गये।सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों में राकेश कुमार, बृजभूषण सिंह ठाकुर, श्री राधेश्याम सिंह, अजय कुमार, रामजी राम सहित सभी रेलकर्मियों को उनकी सेवा निवृत्ति पर रेल प्रशासन के द्वारा शुभकामनाएं दी गई। इस माह सेवानिवृत्त कर्मचारियों का भुगतान एनईएफटी के माध्यम से मंडल रेल प्रशासन द्वारा किया गया। इस अवसर पर मंडल कार्मिक अधिकारी वरूण चतुर्वेदी, सहायक कार्मिक अधिकारी (कल्याण) शची पति नंदन एवं सहायक मंडल वित्त प्रबंधक के. पी. सिंह के साथ कार्मिक एवं लेखा विभाग के समस्त कर्मचारियों का सहयोग रहा।

जलवायु परिवर्तन, लचीली कृषि प्रणालियों के लिए नई तकनीक अपनाना जरूरी

रादुविवि में अंतरराष्ट्रीय विज्ञान कान्फ्रेंस के दूसरे दिवस विशेषज्ञों ने भी दी उपयोगी जानकारियां

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन-प्रेरित रोग प्रतिरोधी, लचीली कृषि प्रणालियों के लिए जीनोम संपादन सूक्ष्मजीव-आधारित उर्वरक, और नैनो-सेंसर तकनीक अपनाना आवश्यक है। जलवायु परिवर्तन का पौधों की बीमारियों पर प्रभाव जटिल है और कृषि एवं पारिस्थितिकी तंत्र के लिए गंभीर जोखिम पैदा करता है। तापमान, वर्षा और वायुमंडलीय के स्तर में परिवर्तन, पौधों और रोग जनकों दोनों की जीव विज्ञान को प्रभावित करते हैं, जिससे पौधों की बीमारियों की व्यापकता और गंभीरता में संभावित वृद्धि हो सकती है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए, जलवायु परिवर्तन संबंधी विचारों को पौधों के रोग प्रबंधन में एकीकृत करने वाली सक्रिय रणनीतियां आवश्यक हैं। ये बात प्रो. चंद्रकांता महेंद्रनाथन, ईस्टर्न यूनिवर्सिटी, वन्थारुमूलई, श्रीलंका ने शुक्रवार को विश्वविद्यालय कुंजीलाल दुबे ऑडिटोरियम में आयोजित कान्फ्रेंस के द्वितीय दिवस आयोजित तकनीकी सत्र में विषय विशेषज्ञ के रूप में कही।

भौतिकी विज्ञान, जीव विज्ञान पर हुई चर्चा-मप्र शासन तथा पीमए ऊषा परियोजना के सहयोग से क्रिस्प भोपाल के प्रबंधन में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के भौतिकी विज्ञान, जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित आदि विभागों के संयुक्त तत्वावधान में 'सतत् भविष्य के लिए विज्ञान: शुद्ध और अनुप्रयुक्त अनुसंधान के संगम पर नवाचार' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय कान्फ्रेंस के द्वितीय दिवस यूएसए से डॉ. हेम दत्त शुक्ला, फार्मास्युटिकल डिपार्टमेंट साइंस, मैरीलैंड यूनिवर्सिटी, ने ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत किया।

इस दौरान नेपाल से आए डॉ. नवीन नारायण मुनंकर्मी, प्रेसिडेंट, एसोसिएशन ऑफ फंगल बायोलॉजिस्ट, काठमांडू, ने नेपाल की हिमालयी पारंपरिक औषधियों पर आधारित अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस अवसर पर आयोजन समिति के प्रो. मृदुला दुबे, डॉ. राजेंद्र कुमार दुबे, डॉ. रिंकेश भट्ट, डॉ. पल्लवी शुक्ला आदि उपस्थित रहे।

इन्होंने कहा

इस मार्ग पर चौथी रेल लाइन बिछ जाने से ट्रेनों की संख्या बढ़ेगी, रफ्तार तेज होगी, देरी कम होगी और सफर अधिक सुरक्षित व सुविधाजनक बनेगा। साथ ही माल ढुलाई क्षमता भी बढ़ेगी।

हर्षित श्रीवास्तव, पमरे सीपीआरओ

रमजान के दूसरे जुमा पर अदा हुई नमाज़

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पवित्र रमज़ान माह को इस्लाम धर्म में इबादत, संयम, पाकीज़गी का विशेष समय माना जाता है। इस पूरे महीने रोजेदार अल्लाह की इबादत, दुआ और नेक कामों में लगे रहते हैं, वहीं रमज़ान के दौरान आने वाले शुक्रवार (जुमा) का महत्व और अधिक बढ़ जाता है। रमज़ान के दूसरे जुमा के मौके पर नगर एवं उपनगरीय क्षेत्रों की 100 से अधिक मस्जिदों और नमाज़गाहों में दोपहर जुमा के समय हजारों की तादाद में मुस्लिमों ने विशेष नमाज़ अदा की। मुस्लिम बहुल क्षेत्रों की मस्जिदों के बाहर तक नमाजियों की लंबी कतारें लगी रहीं। नमाज़ से पूर्व इमाम साहब ने जुमा का खुत्बा पढ़ा तथा नमाज़ के बाद मुल्क और शहर जबलपुर में अमन-चैन और खुशहाली के लिए दुआ की गई। आगे की कतारों में बुजुर्गों ने तथा पीछे की कतारों में बच्चों ने नमाज़ अदा की। दरगाह के ख़ादिम अज्जु बाबा ने शहर के तमाम रोज़ेदारों और अकीदतमंदों से अफ़्तार-ए-आम में शामिल होने की अपील की है।

रेलवे की बड़ी सौगात : इटारसी–भोपाल और बीना के बीच बिछेगी चौथी रेल लाइन

4 हजार 329 करोड़ का प्रोजेक्ट हुआ मंजूर, 2028 तक पूरा हो काम

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

मप्र के सबसे व्यस्त रेल सेक्शनों में शुमार इटारसी-भोपाल-बीना कॉरिडोर पर चौथी रेल लाइन बिछाने की महत्वाकांक्षी परियोजना को केंद्र सरकार की कैबिनेट से मंजूरी मिल गई है। बतां दें कि 237 किलोमीटर लंबी इस परियोजना पर करीब 4,329 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके पूरा होने से यात्री और मालगाड़ियों का संचालन तेज, सुगम और अधिक भरोसेमंद होगा। यह नई लाइन इटारसी से शुरू होकर भोपाल होते हुए बीना तक जाएगी और नर्मदापुरम, रायसेन, सीहोर, भोपाल, विदिशा और सागर जिलों से होकर गुजरेगी। यह परियोजना पीएम गति शक्ति योजना के तहत स्वीकृत है; सर्वे पूरा हो चुका है और कुछ हिस्सों में काम भी शुरू हो गया है।

घटेगा ट्रैफिक का दबाव

घटेगा-वर्तमान में यह सेक्शन अत्यधिक व्यस्त है, जहां यात्री ट्रेनों के साथ भारी संख्या में मालगाड़ियां चलती हैं। चौथी लाइन जुड़ने से भीड़ कम होगी और परिचालन क्षमता बढ़ेगी। रेलवे के मुताबिक इससे हर साल 15.2 मिलियन टन अतिरिक्त माल ढुलाई क्षमता विकसित होगी, जिससे उद्योगों को तेज और सस्ता परिवहन मिलेगा तथा लॉजिस्टिक लागत घटेगी। पर्यटन के लिहाज से सांची स्तूप और भीमबेटका जैसे स्थलों तक पहुंच भी आसान होगी। चौथी लाइन के बाद बीनाङ्कइटारसी खंड पर ट्रेनों की संख्या और गति दोनों बढ़ेंगी। मौजूदा तेज सेवाओं के साथ वंदे भारत चल रही है, जबकि आगे अमृत भारत सहित अतिरिक्त हाई-स्पीड ट्रेनों की योजना है। नई लाइन से लगभग 25 जोड़ी यात्री ट्रेनें और 200 मालगाड़ियां अतिरिक्त चल सकेंगी। ट्रेनों की अधिकतम गति 160 किमी/घंटा तक पहुंचने का लक्ष्य है।

4 चरणों में होगा निर्माण-परियोजना को चरणबद्ध ढंग से चार हिस्सों में विकसित किया जाएगा-बीना से सुमेर, सुमेर से रानी कमलापति स्टेशन, आरकेएमपी से बरखेड़ा और बरखेड़ा से इटारसी। सभी खंडों में काम समानांतर रूप से शुरू कर वर्ष 2028 तक परियोजना पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। पूरी होने पर यह कॉरिडोर मध्य प्रदेश की रेल व्यवस्था को नई मजबूती देगा-यात्रियों को तेज यात्रा और उद्योगों को अधिक दक्ष लॉजिस्टिक्स का लाभ मिलेगा।

पुलिस पर लगाया एफआईआर दर्ज ना करने का आरोप

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

मदन महल थाना पहुंचे एक पीड़ित परिवार ने पुलिस पर एफआईआर न लिखने के गंभीर आरोप लगाए हैं। इस मामले में पीड़ित संतोष साहू ने बताया कि विगत दिनों पहले रात के वक्त उनके घर पर उसके बेटे प्रथम ठाकुर से मिलने उसके कुछ दोस्त आए। रात हो जाने के कारण उन्होंने अपने बेटे का घर से बाहर जाने पर मना किया। इसी बीच जब वह अपने दोस्तों से मिलने के लिए पहुंचा तो उन्होंने पुरानी रंजिश को लेकर उसके बेटे के साथ मारपीट करना चालू कर दी। इसी बीच जब उन्होंने बीच बचाव किया तो बदमाशों ने उनपर चाकू से हमला कर दिया। पीड़ित परिवार का कहना है कि पुलिस द्वारा अबतक आरोपियों के खिलाफ एफआईआर नहीं लिखी गई। उल्टा पुलिस उनके बेटे पर ही पिता को चाकू मारने के इल्जाम लगा रही है।

उमेश श्रीवास्तव का निधन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पनागर के आजाद वार्ड निवासी उमेश श्रीवास्तव का शुक्रवार, 27 फरवरी को 72 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। आप सुमित श्रीवास्तव एवं सुलभ श्रीवास्तव के पिता एवं अशोक श्रीवास्तव, संजय श्रीवास्तव, अंजय श्रीवास्तव,सुरजीत श्रीवास्तव के चाचा है। अंतिम संस्कार आज 28 फरवरी प्रातः 9 बजे लाला जी के बगीचा आजाद वार्ड में किया जाएगा।

कार्यालय नगर पालिक निगम, जबलपुर (म.प्र.)

चतुर्थ निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptender.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविद की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	PRO 938 DATE 29/2/2026 2026_UAD_485637_1	संभाग क्रमांक 16 संजय गांधी वार्ड अंतर्गत न्यू अहमद नगर गली नं. 8 सिराज किराना से आजाद हैदर तक एवं रशीद पुलाव से शहादत मामू तक नाली निर्माण कार्य।	4 माह 10.33	2000/- 7747/-	20/3/2026

नोटः- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की वेबसाइट https://mptender.gov.in पर ही किया जावेगा पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

संभागीय यंत्री/कार्यपालन यंत्री
नगर पालिक निगम जबलपुर

प्राचार्य पर गिरी गाज, उठ रहे सवाल!

उच्च माध्यमिक शिक्षक माता शबरी कन्या शिक्षा परिसर मानपुर को कमिश्नर ने किया निलंबित

उमरिया (स्वतंत्र मत)।

स्वतंत्र मत द्वारा समाचार के माध्यम से पहले ही ऐसी आशंका जताई थी जिसमे शिक्षक और अधीक्षिका को बचाने के लिए पूरा विभाग लगा हुआ था और जाँच टीम पर भी सवाल खड़े हो रहे थे वो सच हुआ और प्राचार्य को एकतरफा दोषी मानते हुए निलंबित कर दिया गया जबकि शिक्षक और अधीक्षिका पर कोई कार्यवाही नहीं कि गई जिससे आम जन के मन में कई सवाल खड़े हो रहे हैं.! स्वतंत्र मत द्वारा सच के तह तक जाने की कोशिश की और लोगों को उससे रूबरू कराया जो आगे भी जारी रखेगा!

कमिश्नर शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता ने कलेक्टर उमरिया धरणेन्द्र कुमार जैन द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव के साथ संलग्न जाँच प्रतिवेदन एवं कथनों का अवलोकन किया जिसमें अमरजीत द्विवेदी (उच्च माध्यमिक शिक्षक) द्वारा कन्या शिक्षा परिसर के कर्मचारियों एवं छात्राओं के साथ अनैतिक व्यवहार किये जाने का गंभीर आरोप लगाया गया है, जो प्रथम दृष्टया सत्य प्रतीत होता है।

कमिश्नर शहडोल संभाग ने प्रकरण की गंभीरता के दृष्टिगत, मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम-9 (1) (क) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुये शुक्रवार 27 फरवरी को अमरजीत द्विवेदी (उच्च माध्यमिक शिक्षक) माता शबरी कन्या शिक्षा परिसर मानपुर, जिला उमरिया (म.प्र.) को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में श्री द्विवेदी का मुख्यालय कार्यालय सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य, नियत किया जाता है।

निलंबन अवधि में नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी। कमिश्नर शहडोल संभाग व्दारा अमरजीत व्दिवेदी उच्च माध्यमिक शिक्षक प्रभारी प्राचार्य माता शबरी कन्या शिक्षा परिसर मानपुर को निलंबन किए जाने पश्चात कलेक्टर उमरिया धरणेन्द्र कुमार जैन ने अरनोद कुमार शुक्ला प्रभारी प्राचार्य माता शबरी कन्या शिक्षा परिसर उमरिया को आगामी आदेश पर्यन्त अपने कार्य के साथ साथ प्राचार्य माता शबरी शिक्षा परिसर मानपुर का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है।

विदित हो कि कमिश्नर शहडोल को कलेकटर उमरिया द्वारा अवगत कराया गया कि 20 फरवरी 2026 को माता शबरी कन्या शिक्षा परिसर मानपुर की करीब 200 छात्राओं द्वारा रोड पर प्रदर्शन करने का वीडियो संज्ञान में आया हुआ है। उक्त प्रदर्शन में छात्राएं काफी आक्रोशित दिखी। घटना की जांच सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग, जिला उमरिया द्वारा दल गठित कर 20 फरवरी 2026 को करायी गयी। जांच दल द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन में लेख किया गया कि माता शबरी कन्या शिक्षा परिसर मानपुर की छात्राएं प्रभारी प्राचार्य अमरजीत द्विवेदी (उच्च माध्यमिक शिक्षक) के अनैतिक व्यवहार एवं क्रियाकलापों से शुब्द्ध होकर आन्दोलन कर रही थी।

छात्राओं द्वारा बताया गया कि प्राचार्य के देखने व छूने का तरीका बहुत गलत है। छात्राओं द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि प्राचार्य रात्रि में छात्रावास में किसी भी समय आ जाते हैं और सीधे उनके कमरे में चले जाते है। छात्रावास की महिला कर्मचारियों द्वारा प्राचार्य पर शारीरिक शोषण हेतु दबाव बनाने का आरोप भी लगाये जाने का लेख प्रतिवेदन में किया गया है। कलेक्टर जिला उमरिया द्वारा श्री अमरजीत द्विवेदी (उच्च माध्यमिक शिक्षक) माता शबरी कन्या शिक्षा परिसर मानपुर, जिला उमरिया (म.प्र.) को निलंबित करने का प्रस्ताव प्रेषित किया गया। प्रस्ताव के आधार पर कमिश्नर शहडोल संभाग ने निलंबन की कार्यवाही की है।

राजस्थान में दहाड़ेगी बांधवगढ़ की बाघिन दूसरी बार हुई बाघों की अंतर्राज्यीय शिफ्टिंग

उमरिया (स्वतंत्र मत)।

जिले के विश्वप्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से शुक्रवार 27 फरवरी को एक बाघिन का रेस्क्यू कर मुकुंदरा हिल टाइगर रिजर्व के लिए रवाना किया गया है। बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व प्रबंधन द्वारा बीट जगुआ,परिक्षेत्र पनपथा बफर से लगभग तीन से चार वर्ष आयु की एक बाघिन का सुरक्षित एवं सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया गया, जिसके बाद विशेषज्ञ वन्यजीव चिकित्सकों द्वारा बाघिन का विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। परीक्षण के दौरान बाघिन पूर्णतः स्वस्थ पाई गई।

आवश्यक चिकित्सीय प्रक्रिया पूर्ण करते हुए उसे सुरक्षित रूप से रेडियो कॉलर पहनाया गया तथा निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार आवश्यक जैविक सैंपल भी संकलित किए गए। बता दें बाघिन को वन्यजीव संरक्षण एवं प्रबंधन की दृष्टि से राजस्थान के मुकुंदरा हिल टाइगर रिज़र्व भेजा जाना निर्धारित है।

निर्धारित दिशा-निर्देशों एवं सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए बाघिन को बांधवगढ़ से सुरक्षित रूप से रवाना कर दिया गया है। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से पहली बार एक बाघ और बाघिन इसी बाघ पुनर्स्थापना परियोजना के तहत उड़ीसा राज्य के सतकोशिया अभ्यारण्य भेजे गए थे जहां एक बाघ की मौत हो गई थी एवं दूसरे बाघ के शिकार होने की आशंका के मद्देनजर उसे वापस एमपी में शिफ्ट करा दिया गया था।

जिला पंचायत के ई दक्ष केंद्र में साइबर सिक्योरिटी पर कार्यशाला संपन्न

उमरिया (स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक रवींद्र शुक्ला के मार्गदर्शन में जिला पंचायत के ई दक्ष केंद्र में साइबर सिक्योरिटी पर कार्यशाला के तहत शुक्रवार 27 फरवरी को जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें सीएमसीएलडीपी के छात्र छात्राओं को साइबर सिक्योरिटी के बारे में जानकारी दी गई। ई दक्ष केंद्र के वरिष्ठ प्रशिक्षक अनुपम त्रिपाठी ने बताया कि ऑनलाइन फाइनेंशियल फ्रॉड से कैसे बचा जाए एवं वर्तमान में प्रचलित साइबर अरेस्ट से संबंधित जानकारी दी गई। इस दौरान नेटवर्क सुरक्षा नेटवर्क को घुसपैठियों से बचना, एप्लिकेशन सुरक्षा सॉफ्टवेयर और ऐप्स को सुरक्षित रखना,सूचना/डेटा सुरक्षा डेटा की गोपनीयता और अखंडता की रक्षा करना, क्लाउड सुरक्षा क्लाउड इन्फ्रास्ट्रक्चर को सुरक्षित करना,एंडपॉइंट सुरक्षा अंतिम-उपयोगकर्ता उपकरणों की सुरक्षा की जानकारी दी गई। कार्यशाला में जन अभियान के छात्र-छात्राएं व सेक्टर 3 की परामर्शदाता श्रीमती जयभारती साहू उपस्थित रहे।

चंदिया में मवेशियों पर कुल्हाड़ी से हमला, घायल हुई गाय

उमरिया (स्वतंत्रमत)। जिले के चंदिया क्षेत्र में मवेशियों पर कुल्हाड़ी से हमला किया गया है। एक अज्ञात व्यक्ति ने खेत में घुसे पशुओं को गंभीर रूप से घायल कर दिया। यह पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। चंदिया थाना क्षेत्र के बाइपास के पास खेतों में कुछ मवेशी घुस गए थे। इसी दौरान एक व्यक्ति ने उन्हें खेत से खदेड़ते हुए कुल्हाड़ी से कई वार किए, जिससे कई पशु घायल हो गए।घटना की सूचना मिलने पर विश्व हिन्दू परिषद के पदाधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायल मवेशियों का उपचार कराया और गंभीर रूप से घायल पशुओं को उमरिया स्थित राधे गोविन्दम गौ सेवा संस्थान भेजा। इस मामले में विश्व हिन्दू परिषद ने चंदिया थाना में शिकायत पत्र देकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। एसडीओपी पीएल परस्ते ने गुरुवार को बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आसपास के लोगों से पूछताछ कर आरोपी की पहचान की जा रही है। आरोपी के चिन्हित होते ही नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा का प्रशिक्षण महाभियान संपन्न

उमरिया (स्वतंत्र मत)।

शुक्रवार 27 फरवरी को भारतीय जनता पार्टी के द्वारा जिला भाजपा कार्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान का कार्यक्रम रखा गया। कार्यक्रम दोपहर 12 बजे से प्रारंभ हुआ जिसका समापन शाम 5.30 बजे किया गया। कार्यक्रम में जिला संगठन प्रभारी राजेंद्र पांडे नेता, संभागीय प्रभारी मिथिलेश पयासी, भाजपा जिला अध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल, पूर्व जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा, मनीष सिंह, दिलीप पांडे, प्रशिक्षण कार्यक्रम के संयोजक दीपक छतवानी, सहसंयोजक सुमित गौतम, पूजा बैगा, महामंत्री हरीश विश्वकर्मा राधेलाल कोल मंचासीन रहे।

प्रशिक्षण महाभियान को संबोधित करते हुए जिला संगठन प्रभारी श्री राजेन्द्र पाण्डेय ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है। इस नाते हम सभी कार्यकर्ताओं की समाज और राष्ट्र के प्रति जिम्मेवारी भी बड़ी बनती है। प्रशिक्षण कार्यकर्ताओं के व्यक्तित्व एवं कला कौशल को निखारने का साधन है। हमारा संगठन, कार्यकर्ता, हमारी विचारधारा और हमारी कार्य पद्धति दुनिया के अन्य राजनीतिक दलों से हमें अलग रखती है। हम भारतीय संस्कृति और राष्ट्रवाद की संकल्पना पर कार्य करते हैं। भाजपा ही आगे आने वाले समय में दुनिया का नेतृत्व करते हुए मानव जीवन की अद्भुत संकल्पना की राह दिखाएगा। उन्होंने कहा कि अपने व्यक्तिगत हितों को त्याग कर राष्ट्रीय हितो के मद्देनजर भारत माता को परम वैभव पर पहुंचने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए कार्य करना चाहिए। पार्टी द्वारा दी गई जिम्मेवारियों का निष्ठा पूर्वक निर्वाण करते हुए अपने दायित्व का निर्वहन करें।

भाजपा जिला अध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल ने प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता भाजपा की रीति और नीति से परिपूर्ण है। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों प्रदेश स्तर पर कार्यशाला की गई थी जिसमें जाने का मौका मिला था। प्रशिक्षण से कार्यकर्ताओं का नैतिक और बौद्धिक विकास तो होता ही है, साथ ही विचारधारा और कार्यशैली का भी ज्ञान प्राप्त होता है।

पार्टी के द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय के नाम से प्रशिक्षण महा अभियान का नाम रखने से दीनदयाल जी के व्यक्तित्व की तस्वीर दिखाई देती है और उनके जीवन चरित्र और एकात्मक मानव वाद के दर्शन का बोध होता है। आज हमारा कार्यकर्ता अन्य राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं की अपेक्षा अनुशासित रहता है। श्री अग्रवाल ने आगामी समय में जिले के प्रत्येक मंडलों में प्रशिक्षण वर्ग के बारे में रूपरेखा तैयार करने विस्तृत जानकारी दी है।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट संपन्न

युवा संसद में लोकतंत्र के मुद्दों पर छात्रों ने रखे सशक्त विचार

उमरिया (स्वतंत्रमत)।

शुक्रवार 27 फरवरी को प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय आर.व्ही.पी.एस. महाविद्यालय उमरिया के सभागार में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार तथा राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के संयुक्त तत्वावधान में विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट 2026 का जिला स्तरीय आयोजन भव्य रूप से संपन्न हुआ। ऑनलाइन पंजीकृत प्रतिभागियों ने विषय इमरजेंसी के 50 वर्ष भारतीय लोकतंत्र के लिए एक सबक पर अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रत्येक प्रतिभागी को 3 मिनट का समय दिया गया। प्रतिभागियों ने लोकतांत्रिक मूल्यों, नागरिक अधिकारों और संवैधानिक व्यवस्था पर अपने दृष्टिकोण रखे। कार्यक्रम की सभी गतिविधियों की ऑडियो एवं वीडियो रिकॉर्डिंग की गई। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. विमला मरावी ने अध्यक्षता करते हुए कहा कि युवा संसद का उद्देश्य केवल विचार-विमर्श तक सीमित नहीं है,बल्कि यह युवाओं को लोकतंत्र की गहराई समझने और उसकी चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करता है। आज जब हम 'इमरजेंसी के 50 वर्ष' पर चर्चा कर रहे हैं, तो यह हमें यह सोचने का अवसर देता है कि लोकतंत्र की रक्षा केवल संविधान या संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है,बल्कि हर नागरिक की सजगता और सक्रियता से ही लोकतंत्र जीवित रहता है। इस आयोजन से विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, संवाद कौशल और सामाजिक जिम्मेदारी का विकास होता है।

मुख्य अतिथि डॉ.ज्ञानेन्द्र गहरवार ने अपने उद्बोधन में कहा कि युवा संसद लोकतंत्र की जीवंत प्रयोगशाला है। यहाँ विद्यार्थी न केवल अपने विचार रखते हैं,बल्कि वे सीखते हैं कि असहमति को कैसे सहमति में बदला जा सकता है और कैसे विविध विचारों को एक साझा समाधान में परिवर्तित किया जा सकता है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी बहुलता है और युवाओं को यह समझना होगा कि विचारों की विविधता ही राष्ट्र को मजबूत बनाती है। इमरजेंसी का इतिहास हमें यह सिखाता है कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए सतत जागरूकता और साहस आवश्यक है। इस प्रकार के आयोजन युवाओं को न केवल संवैधानिक मूल्यों से जोड़ते हैं, बल्कि उन्हें भविष्य के जिम्मेदार नागरिक और नेता बनने की दिशा में प्रेरित भी करते हैं। कार्यक्रम के सह संयोजक डॉ. रमेश प्रसाद ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन युवाओं को संवैधानिक मूल्यों की समझ और नागरिक अधिकारों के प्रति जागरूकता प्रदान करते हैं। कार्यक्रम के संयोजक एवं रासेयो कार्यक्रम अधिकारी डॉ.अरविंद शाह बरकड़े ने संचालन करते हुए कहा कि युवा ही लोकतंत्र की सच्ची शक्ति हैं और उन्हें सही दिशा देना आवश्यक है।

सब्जी मंडी में स्व सहायता समूहो की महिलाओ व्दारा लगाई जाएगी हर्बल के गुलाल की दुकाने

उमरिया (स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश ग्रामीण आजीविका परियोजना के माध्यम से दो दिवसीय आजीविका होली मेला का आयोजन 28 फरवरी एवं 1 मार्च को सब्जी मंडी उमरिया में हर्बल की दुकाने स्व सहायता समूह की महिलाओं व्दारा लगाई जाएगी। इसके साथ ही कुछ स्वा सहायता समूह की महिलाएं भोपाल में आयोजित होली मेले में सम्मिलित होंगी। जिला परियोजना समन्वयक ने बताया कि होली के रंग आजीविका के संग के माध्यम से होली मेले में स्व-सहायता समूहों व्दारा तैयार किए गए हर्बल गुलाल का विक्रय किया जाएगा। नगरवासियो से अपील की गई है कि होली के त्यौहार में शुद्व एवं देशी सामग्री का उपयोग कर स्वास्थ्य की देखभाल करें तथा स्व सहायता समूह की दीदियो द्वारा निर्मित उत्पादों को प्रोत्साहित करें।

धू धू कर जला पिकअप वाहन

उमरिया (स्वतंत्रमत)। शुक्रवार 27 फरवरी को जिला मुख्यालय उमरिया में राष्ट्रीय राजमार्ग 43 पर लालपुर के समीप सड़क के किनारे खड़ी पिकअप वाहन में अचानक आग लग गई। बताया जाता है कि आग के कारण करीब पूरी गाड़ी जलकर खाक हो गई है। घटना की जानकारी के बाद फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई जिस पर मौके पर पहुंची फायर बिग्रेडर ने आग को बुझा दिया। बताया जाता है कि पिकअप के जलने से किसी भी कोई जनहानि नही हुई है।

सीएमपीएफ एवं सीएमपीएस विषय पर किया कार्यशाला का आयोजन

सिंगरौला। गुरुवार को कोल इंडिया लिमिटेड की सिंगरौली स्थित प्रमुख अनुषंगी कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) ने सतर्कता विभाग के तत्वावधान में मुख्यालय में सीएमपीएफ अधिनियम एवं कोल माइंस पेंशन योजना (सीएमपीएस) पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। निवारक एवं सहभागी सतर्कता के तहत आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य सीएमपीएफ अधिनियम एवं कोल माइंस पेंशन योजना के अनुपालन और क्रियान्वयन के दौरान आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों का समाधान करना, प्रक्रियाओं में स्पष्टता लाना तथा संचालन स्तर पर सरलीकरण को बढ़ावा देना था।

कार्यशाला को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए एनसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक बी. साईराम ने रचनात्मक सतर्कता की दिशा में आयोजित इस सार्थक पहल के लिए मुख्य सतर्कता अधिकारी, एनसीएल तथा सतर्कता विभाग की सराहना की। उन्होंने कहा कि सामाजिक सुरक्षा उपायों को निरंतर सरल एवं उन्नत बनाना अपरिहार्य है। अपने उद्बोधन में उन्होंने सीएमपीएफ एवं सीएमपीएस प्रकरणों से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मियों से मानवीय दृष्टिकोण और संवेदनशीलता के साथ गंभीरतापूर्वक अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का आह्वान किया।

इस वर्ष को एनसीएल सहित कोल इंडिया लिमिटेड के लिए 卐सुधारों का वर्ष卐 बताते हुए साईराम ने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में कंपनी के सामाजिक सुरक्षा ढांचे में भी व्यापक परिवर्तन देखने को मिलेंगे।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय आयुक्त-द्ध्द्ध (सतर्कता), कोल माइंस प्रोविडेंट फंड ऑर्गनाइजेशन (सीएमपीएफओ), धनबाद, भरत कुमार ए.वाई. ने सीएमपीएफ अधिनियम के विकास, उसके विभिन्न चरणों, बीओटी के गठन तथा अधिनियम के अन्य महत्वपूर्ण प्रावधानों पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में निदेशक (वित्त) रजनीश नारायण, निदेशक (तकनीकी) आशुतोष द्विवेदी, मुख्य सतर्कता अधिकारी अजय कुमार जायसवाल तथा नवीन निश्चल, क्षेत्रीय आयुक्त, सीएमपीएफओ, सिंगरौली सहित सभी क्षेत्रीय महाप्रबंधक, मुख्यालय के विभागाध्यक्ष, स्टाफ अधिकारी (एचआर) तथा सभी क्षेत्रों एवं इकाइयों के सीएमपीएफ से संबंधित अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

कार्यशाला को निदेशक (तकनीकी), एनसीएल, आशुतोष द्विवेदी तथा महाप्रबंधक (सतर्कता) उमाकांत यादव ने भी संबोधित किया। सत्र के दौरान सीएमपीएफ एवं सीएमपीएस से संबंधित विषयों पर मानव संसाधन/सीएमपीएफ विभाग द्वारा एक प्रस्तुतीकरण दिया गया। इसके अंतर्गत 'सी-केयर्स' पोर्टल के प्रदर्शन के साथ सीएमपीएफ सेटलमेंट, पेंशन, नामांकन, सीएमपीएफ कंट्रीब्यूशन , डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट तथा शिकायत निवारण की प्रक्रियाओं पर विस्तृत जानकारी दी गई।

समाज की बड़ी विसंगति को हास्यबोध से दर्शाता नाटक गुड़िया की शादी

दमोह (स्वतंत्र मत)। संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से युवा नाट्य मंच द्वारा नगर के अस्पताल चौक स्थित मानस भवन में 21वें पांच दिवसीय राष्ट्रीय नाट्य समारोह का आयोजन किया जा रहा है। समारोह के द्वितीय दिवस शुक्रवार को मप्र नाट्य विद्यालय की रंग प्रयोगशाला द्वारा बुंदेली हास्य नाटक गुड़िया की शादी का मंचन किया गया। बुंदेली परिवेश, बुंदेली शैली और कहानी पर आधारित इस हास्य नाटक को देख दर्शक जहां खुद को मुस्कुराने से नहीं रोक सके, वहीं नाटक ने समाज में फैली एक बड़ी विसंगती को भी अत्यंत गंभीरता से उठाया जो नाटक के उद्देश्य को सार्थक करता है।

नारी शक्ति के गुणों पर भारी रंगरूप -नाटक की कहानी बुंदेलखंडी कस्बे के एक ऐसे निम्न मध्यम वर्गीय परिवार की कहानी है जिसमें कहानी की पात्र गुड़िया बिटिया अपने रंग-रूप की वजह से उपेक्षा का शिकार होती है। वह घर हो या बाहर हर जगह सबके ताने सुनती रहती है, पर इसके बाद भी उसकी सोच इतनी सकारात्मक है कि उसके ऊपर नकारात्मक बातों का कोई असर नही होता।

सकौर के जगनिक महोत्सव के दूसरे दिन धार्मिक-सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की धूम

छात्र की आल्हा गायन ने मोहा मन

हटा (स्वतंत्र मत)।

हटा ब्लाक की ग्राम पंचायत सकोर के स्टेडियम परिसर में मध्यप्रदेश संस्कृति विभाग एवं जिला प्रशासन दमोह द्वारा आयोजित तीन दिवसीय जगनिक महोत्सव के दूसरे दिन मंच पर विविध धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुतियां दी गईं। पूरे दिन श्रद्धा, इतिहास और लोक संस्कृति का समागम देखने को मिला। कार्यक्रम का शुभारंभ योगीराज देवरहा बाबा सिद्ध आश्रम रनेह के स्वामी अनंताचार्य अमृत महाराज द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। आयोजन संरक्षक डॉ.रामकृष्ण कुसमरिया एवं युवराज कुसमरिया ने स्वामी जी का स्वागत कर अभिनंदन किया। स्वामी अनंताचार्य अमृत महाराज ने अपने संबोधन में सकोर ग्राम की महिमा और ऐतिहासिक महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि समय.समय पर कई स्थान जागृत होते हैं। जो इमारतें कभी राजाओं के वैभव का प्रतीक थीं, वे आज खंडहर बन चुकी हैं लेकिन उनका ऐतिहासिक महत्व शेष है। उन्होंने बताया कि सकोर के ऐतिहासिक महत्व का संकेत उस समय मिला जब डॉ. कुसमरिया को मात्र 12 वर्ष की आयु में स्वर्ण मुद्राएं प्राप्त हुई थीं जिन्हें उन्होंने व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर उठकर सरकारी कोष में जमा करा दिया। वे मुद्राएं आज नागपुर में सुरक्षित हैं। यदि उस समय लालच आ जाता तो संभवतः इस क्षेत्र की ऐतिहासिक पहचान सामने नहीं आ पाती। किसी भी स्थान का प्राचीन महत्व वहां मिले शिलालेखोंए प्रमाणों और अवशेषों से ही स्पष्ट होता है। स्वामी जी ने अयोध्या में बने राम मंदिर का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां भी प्राचीन साक्ष्यों और शिलालेखों के आधार पर ही न्यायालय का निर्णय संभव हुआ और भव्य मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ।

आल्हा-ऊदल की वीरगाथा का स्मरण

स्वामी जी ने बुंदेलखंड की शौर्य परंपरा का उल्लेख करते हुए आल्हा ऊदल के कई प्रसंगों का वर्णन किया और महाकवि जगनिक की ओजस्वी रचनाओं व इतिहास में उनके योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि इतिहास को खोजने और सहेजने का कार्य हर किसी के बस की बात नहीं है और भविष्य में भी ऐसे प्रयास जारी रहने चाहिए ताकि हमारी विरासत अजर अमर बनी रहे।

कार्यक्रम में गूढ़ा स्कूल के कक्षा तीसरी के छात्र भागवत पटेल ने आल्हा खंड की प्रभावशाली प्रस्तुति देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी सराहनीय प्रस्तुति पर उन्हें मंच से सम्मानित किया गया। इसके अलावा ग्राम पंचायत वर्धा की ऐतिहासिक रामलीला एवं संगीत मंडली ने भी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर वातावरण को भक्तिमय और उत्साहपूर्ण बना दिया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत निवास के सरपंच सावन सिंह राजपूत, युवराज कुसमरिया, जयराज कुसमरिया सहित आयोजन समिति के सदस्य एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

श्रद्धा को मिला प्रभार

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जनपद पंचायत नारायणगंज के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के प्रभार में आंशिक संशोधन किया गया है। वर्तमान मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती दीप्ति यादव 5 जनवरी से प्रसूति अवकाश पर हैं। इससे पहले यह अतिरिक्त प्रभार नैनपुर जनपद सीईओ विनोद मरावी को सौंपा गया था कलेक्टर द्वारा जारी नए आदेश के अनुसार अब नारायणगंज जनपद पंचायत का समस्त प्रशासनिक एवं वित्तीय प्रभार निवास जनपद सीईओ सुश्री श्रृद्धा सोनी को सौंप दिया गया है।

एसडीएम ने किया औचक निरीक्षण

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कलेक्टर द्वारा विकास कार्यों की गुणवत्ता और समय-सीमा सुनिश्चित करने के दिए गए निर्देशों के पालन में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्रीमती सोनल सिडाम ने बुधवार को ग्राम मालीमोहगांव का सघन दौरा किया। यह निरीक्षण ग्रामवासियों द्वारा प्राप्त शिकायतों के त्वरित निराकरण और जमीनी हकीकत जानने के उद्देश्य से किया गया निरीक्षण के दौरान एसडीएम श्रीमती सिडाम ने ग्राम में निर्माणाधीन और लंबित विभिन्न शासकीय परियोजनाओं का जायजा लिया। इस दौरान अधूरे पड़े आंगनवाड़ी केंद्र और अटल सेवा सदन के निर्माण कार्य का बारीकी से निरीक्षण करते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कार्य में विलंब के कारणों को स्पष्ट करने और निर्माण को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। ई-पंचायत भवन और उचित मूल्य दुकान के निर्माण कार्य का अवलोकन भी किया एसडीएम सिडाम ने उचित मूल्य दुकान निरीक्षण के दौरान स्टॉक रजिस्टर और वितरण पंजी का मिलान किया गया। मौके पर मौजूद हितग्राहियों से राशन मिलने की पात्रता और समयबद्धता के संबंध में चर्चा की।

संकल्प से समाधान शिविर

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शाश्वत सिंह मीना के मार्गदर्शन में जिले में संकल्प से समाधान अभियान निरंतर जारी है। इस अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न ग्रामों में शिविर आयोजित कर ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर ही निराकरण किया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को जनपद पंचायत घुघरी के ग्राम भैंसवाही, जनपद पंचायत निवास के ग्राम पिपरिया और जनपद पंचायत मवई के ग्राम घुटास में शिविर का आयोजन किया गया। शिविरों में नामांतरण, बंटवारा और सीमांकन जैसे लंबित राजस्व प्रकरणों पर त्वरित कार्यवाही की गई। प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की समीक्षा की गई तथा पात्र वंचित हितग्राहियों के आवेदन लिए गए।

नशा मुक्ति पर जनसंवाद

मण्डला(स्वतंत्रमत)। पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के मार्गदर्शन में जिले के विभिन्न थाना एवं चौकी क्षेत्रों में माइक्रो बीट पुलिस चौपाल आयोजित कर ग्रामीण नागरिकों महिलाओं एवं युवाओं को सुरक्षा एवं जागरूकता से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी प्रदान की गई। अभियान के अंतर्गत थाना महाराजपुर बुढार, थाना टिकरिया सहजनी थाना निवास बसनिया, चौकी मनेरी बिलनगरी, चौकी पिंडरई सालीवाड़ा, पिपरिया, चौकी पांडीवारा सिलवानी क्षेत्रों में पुलिस अधिकारियों द्वारा चौपाल लगाकर ग्रामीणों को जागरूक किया गया।

दादा की स्मृति में होगा मैच

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिले में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आगामी 25 मार्च से 3 अप्रैल तक आयोजित होने वाले दादा हीरा सिंह मरकाम स्मृति कप के सफल आयोजन को लेकर 28 फरवरी की दोपहर 2 बजे होटल बिट्टुल इन कटरा रोड में एक बैठक एवं प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई है। इस बैठक में जिले के वरिष्ठ खेलप्रेमी, खिलाड़ी एवं आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित रहेंगे कार्यक्रम के दौरान प्रतियोगिता की रूपरेखा, व्यवस्थाओं, कार्यक्रम की तैयारियों एवं अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की जाएगी।

वर्षों से आंदोलन और ज्ञापन के बावजूद नहीं मिला संतोषजनक जवाब, रेल विस्तारीकरण को लेकर जनता में आक्रोश

मण्डला(स्वतंत्रमत)

जिले की जनता वर्षों से बेहतर रेल सुविधाओं की प्रतीक्षा कर रही है मंडला और आसपास के क्षेत्रों के लिए रेल संपर्क केवल परिवहन का साधन नहीं बल्कि शिक्षा रोजगार स्वास्थ्य और व्यापार से जुड़ी जीवनरेखा है। ऐसे में गोंदिया-जबलपुर रेल लाइन के बहुप्रतीक्षित दोहरीकरण को स्वीकृति और गति मिलना निश्चित रूप से एक बड़ी उपलब्धि माना गया लेकिन जिस उम्मीद के साथ मंडला क्षेत्र की जनता इस परियोजना को देख रही थी वह आज भी अधूरी दिखाई दे रही है। चर्चा थी कि दोहरीकरण का लाभ मंडला फोर्ट रेलवे स्टेशन को भी मिलेगा यहां चार नए प्लेटफॉर्म बनेंगे स्टेशन का व्यापक विस्तार होगा और आधुनिक सुविधाओं से युक्त परिसर तैयार किया जाएगा। परंतु जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। मंडला फोर्ट स्टेशन को केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी भारतीय रेल की अमृत भारत श्रेणी में शामिल किए जाने की खबर ने क्षेत्र में उत्साह जगाया था। उम्मीद थी कि स्टेशन का कायाकल्प होगा नए प्लेटफॉर्म बेहतर प्रतीक्षालय स्वच्छ शौचालय दिव्यांगजन के लिए रैंप डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड पार्किंग और यात्री सुविधाओं का विस्तार स्थानीय नागरिकों के अनुसार जो कार्य नवंबर 2025 तक पूर्ण होना था वह अब तक अधूरा है। स्टेशन परिसर में निर्माण कार्य बेहद धीमी गति से चल रहा है। प्लेटफॉर्म विस्तार शेड निर्माण और ट्रैक व्यवस्था में अपेक्षित तेजी दिखाई नहीं दे रही यात्रियों का कहना है कि जब दोहरीकरण को प्राथमिकता दी जा सकती है, तो मंडला फोर्ट के विस्तार को क्यों नहीं? क्या यह क्षेत्र केवल घोषणा तक सीमित है? मंडला फोर्ट स्टेशन पर चार प्लेटफॉर्म निर्माण की चर्चा लंबे समय से हो रही थी। भविष्य की यात्री संख्या और संभावित नई ट्रेनों को देखते हुए यह विस्तार आवश्यक भी माना गया लेकिन वर्तमान स्थिति यह है कि दो प्लेटफॉर्म ही क्रियाशील हैं और शेष निर्माण की स्पष्ट समय-सीमा सामने नहीं है। इससे यात्रियों में असंतोष बढ़ रहा है रेल विशेषज्ञों का मानना है कि यदि दोहरीकरण पूर्ण हो जाता है और ट्रेनों की संख्या बढ़ती है तो वर्तमान संरचना दबाव झेलने में सक्षम नहीं होगी। ऐसे में पहले से ही अधूरी तैयारियां भविष्य में और अव्यवस्था को जन्म दे सकती हैं सबसे चिंताजनक स्थिति पेंचवेली एक्सप्रेस को लेकर सामने आ रही है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार पिछले लगभग आठ महीनों से यह ट्रेन नैनपुर से मंडला फोर्ट तक खाली चलाई जा रही है और वापसी में भी लगभग खाली लौट रही है यदि ऐसा है तो यह न केवल प्रशासनिक विफलता का संकेत है बल्कि संभावित राजस्व हानि का भी प्रश्न खड़ा करता है। यात्रियों का आरोप है कि पेंचवेली का दरवाजा बंद कर संचालन किया जा रहा है अर्थात स्थानीय यात्रियों के लिए इसे प्रभावी रूप से उपयोगी नहीं बनाया गया यदि ट्रेन का समुचित उपयोग नहीं हो रहा तो फिर इसे नियमित रूप से क्यों नहीं जोड़ा जा रहा समय-सारणी में सुधार क्यों नहीं किया जा रहा क्या यात्री मांग का आंकलन हुआ है जनता के सवाल जवाब अब भी अधूरे मंडला की जनता अब सीधे सवाल पूछ रही है मंडला फोर्ट का विकास कब पूरा होगा दोहरीकरण का वास्तविक लाभ मंडला को कब मिलेगा अधूरे कार्यों की जिम्मेदारी कौन तय करेगा, पेंचवेली एक्सप्रेस का नियमित और प्रभावी संचालन कब शुरू होगा, स्थानीय व्यापारी बताते हैं कि यदि ट्रेन सेवा बेहतर हो, तो कृषि उत्पाद, वनोपज और स्थानीय व्यवसायों को बड़ा बाजार मिल सकता है। छात्रों और मरीजों को जबलपुर व अन्य शहरों तक आवागमन में सुविधा होगी। लेकिन वर्तमान स्थिति में लाभ सीमित दिखाई दे रहा है रेलवे संघर्ष समिति ने सर्व समाज के साथ मिलकर दो बार धरना प्रदर्शन किया। ज्ञापन सौंपे गए मांगों को विस्तार से रखा गया समिति की प्रमुख मांगें हैं पेंचवेली ट्रेन का नियमित संचालन मंडला फोर्ट से सुनिश्चित किया जाए मंडला फोर्ट में कोचिंग डिपो व पिट लाइन का निर्माण हो पर्याप्त खाली जमीन उपलब्ध है पंडरिया (छत्तीसगढ़)-मंडला-जबलपुर नवीन रेलमार्ग को शीघ्र स्वीकृति मिले पेंड्रा-अमरकंटक-डिंडोरी-मंडला-घंसौर-गोटेगांव नवीन रेलमार्ग प्रस्तावित हो मंडला फोर्ट से आमला जंक्शन तक डबल लाइन का प्रस्ताव आगे बढ़े समिति का आरोप है कि वर्षों से आंदोलन और ज्ञापन के बावजूद संतोषजनक उत्तर नहीं मिला। इससे जनता में उपेक्षा की भावना गहराती जा रही है दोहरीकरण का अधूरा लाभ गोंदिया-जबलपुर दोहरीकरण परियोजना का उद्देश्य ट्रेनों की आवृत्ति बढ़ाना माल परिवहन को गति देना और समय की बचत करना है। यह क्षेत्रीय विकास की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है परंतु यदि मंडला फोर्ट स्टेशन की आधारभूत संरचना मजबूत नहीं होगी तो दोहरीकरण का लाभ यहां पूर्ण रूप से नहीं पहुंच पाएगा रेल विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी लाइन विस्तार के साथ स्टेशन अपग्रेडेशन अनिवार्य है। अन्यथा नई ट्रेनों के संचालन में बाधाएं आएंगी और यात्री असुविधा झेलेंगे मंडला आदिवासी बहुल जिला है जहां बड़ी संख्या में युवा उच्च शिक्षा और रोजगार के लिए बाहर जाते हैं। बेहतर रेल सुविधा से छात्र-छात्राओं को आवागमन में सहूलियत मिलेगी मरीजों को बड़े अस्पतालों तक पहुंच आसान होगी स्थानीय उत्पादों का विपणन बढ़ेगा पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा कान्हा क्षेत्र की निकटता को देखते हुए यदि रेल ढांचा मजबूत होता है तो यह पूरे जिले की अर्थव्यवस्था को गति दे सकता है जनता की मांग है कि रेलवे मंडला फोर्ट स्टेशन निर्माण की स्पष्ट समय-सीमा सार्वजनिक करें कार्य प्रगति की नियमित रिपोर्ट जारी की जाए पेंचवेली एक्सप्रेस के संचालन की समीक्षा कर व्यावहारिक निर्णय लिया जाए लंबित रेलमार्ग प्रस्तावों पर केंद्र और राज्य स्तर पर समन्वय बढ़ाया जाए कोचिंग डिपो और पिट लाइन निर्माण को प्राथमिकता दी जाए निष्कर्ष अब घोषणा नहीं परिणाम चाहिए मंडला की जनता वर्षों से बेहतर रेल सुविधा की प्रतीक्षा कर रही है। दोहरीकरण की स्वीकृति ने आशा जगाई थी लेकिन अधूरा स्टेशन धीमा निर्माण और निष्क्रिय ट्रेन संचालन ने निराशा भी बढ़ाई है। अब समय है कि वादे हकीकत में बदलें रेल सुविधा केवल शिलान्यास और घोषणाओं तक सीमित न रहे, बल्कि धरातल पर दिखाई दे। यदि प्रशासन पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ कार्य करे, तो मंडला भी विकास की मुख्यधारा में मजबूती से जुड़ सकता है जनता का धैर्य अब जवाब मांग रहा है और यह जवाब केवल शब्दों में नहीं बल्कि पूर्ण हुए प्लेटफॉर्म नियमित चलती ट्रेनों और बेहतर सुविधाओं के रूप में चाहिए।

पूर्व मुख्यमंत्री के बरी होने पर मनाया जश्न

मण्डला(स्वतंत्रमत)

शुक्रवार को चिलमन चौंक में आम आदमी पार्टी ने जश्न मनाया। आम आदमी पार्टी जिला अध्यक्ष पंकज सोनी ने बताया कि आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन, संजय सिंह सहित समस्त नेताओं को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने बा-इज्जत बरी कर दिया और साथ ही सीबीआई पर केस चलाने अनुशंसा भी की। इसी खुशी में आम आदमी पार्टी जिला ईकाई मंडला के द्वारा मुख्य चौराहा चिलमन चौक पर ढोल नगाड़ों के साथ गुलाल उड़ाकर मिठाई खिलाकर जश्न मनाया। आम आदमी पार्टी के कार्यकारी जिला अध्यक्ष पंकज सोनी ने कहा कि यह सत्य की जीत है भारतीय जनता पार्टी दिल्ली और पंजाब के साथ साथ पूरे देश में आम आदमी पार्टी की बढ़ती हुई लोकप्रियता से डरी हुई है। भारतीय जनता पार्टी को अगर किसी पार्टी से भय लगता है तो वो केवल आम आदमी पार्टी है इसीलिए भाजपा सरकारी संस्थाओं का इस्तेमाल करके। आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल जो कि छवि को नुकसान पहुंचाने के लिए कट्टर ईमानदार से कट्टर बेईमान साबित करने में लग गई और इसमें वो कहीं न कहीं दिल्ली के चुनाव में सफल भी हुए। परंतु बीजेपी के 1 साल के कार्यकाल में ही जनता को केजरीवाल याद आ गए। बीजेपी ने जिस कथित शराब कांड को आधार बना कर चुनाव लड़ा और इनकी मीडिया सेल ने जनता को भ्रमित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। इस दौरान आनंद प्रकाश तिवारी, हितेंद्र सिंह, शिशु सिंधु भलावी, नितिन झरिया, मुकेश तुमराली, धीरज पनरिया, पंकज पनरिया, राजेश महोबिया एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ई टोकन से मिलेगी खाद मिलेगी राहत

मण्डला(स्वतंत्रमत)

मध्यप्रदेश सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने एवं किसानों को आवश्यक संसाधनों की समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु ई-टोकन एवं उर्वरक वितरण प्रणाली की शुरुआत की गई है। यह एक डिजिटल प्रणाली है जिसका उद्देश्य किसानों को उर्वरक प्राप्ति में होने वाली समस्याओं जैसी लंबी कतारें कालाबाजारी अनियमित वितरण एवं बिचौलियों की भूमिका को समाप्त करता है। इस प्रणाली के तहत किसान को पंजीयन के उपरांत उर्वरक प्राप्ति के लिए एक ई-टोकन जारी किया जाता है। इस टोकन में किसान का नाम पंजीयन क्रमांक उर्वरक का प्रकार एवं मात्रा वितरण केंद्र निर्धारित तिथि और समय अंकित होता है। किसान निर्धारित समय पर संबंधित केंद्र से उर्वरक प्राप्त कर सकता है। किसानों को ई-टोकन प्रणाली से ही खाद उपलब्ध कराई जाएगी जिसके लिए किसानों की फॉर्मर आईडी होना अनिवार्य होगा। किसानों को अपना आधार नंबर एग्री स्टेक पोर्टल पर पंजीकृत करवाना होगा ताकि फॉर्मर आईडी पर रकबा एवं फसल की जानकारी अपडेट हो सके किसान ई विकास प्रणाली की वेबसाइट या एमपी किसान ऐप के माध्यम से पंजीयन कर सकते हैं। पंजीयन के दौरान आधार नंबर डालने पर आधार लिंक्ड मोबाइल नंबर पर ओटीपी प्राप्त होगी जिसके सत्यापन उपरांत किसान की भूमि और रकबे की जानकारी प्रदर्शित होने लगेगी। किसान द्वारा भूमि, रकबा, खसरा, फसल और उर्वरक चयन करने के उपरांत वैज्ञानिक आधार पर उर्वरक की मात्रा पोर्टल पर प्रदर्शित होने लगेगी। किसान रिटेलर का चयन करके टोकन कूपन प्राप्त कर सकेगा और 3 दिवस के अंदर चयनित विक्रेता से खाद प्राप्त कर सकेगा यदि किसान समय सीमा के अंदर खाद नहीं लेते हैं तो टोकन स्वत: निरस्त हो जाएगा। यह व्यवस्था पूरे प्रदेश भर में लागू की गई है ताकि उर्वरक वितरण प्रक्रिया में पारदर्शिता, समयबद्धता और सुगमता प्रदान किया जा सके।

आपसी भाईचारे के साथ मनाएं त्यौहार

मण्डला(स्वतंत्रमत)

जिले में आगामी त्यौहारों होली चैटीचंड चैत्र नवरात्रि ईद-उल-फितर, रामनवमी, हनुमान जयंती एवं अन्य पर्वों को शांति, सौहार्द और आपसी भाईचारे के साथ मनाने के उद्देश्य से शांति समिति की बैठक कलेक्टर सोमेश मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा की उपस्थिति में जिला योजना भवन में आयोजित की गई। बैठक में आगामी त्यौहारों के संबंध में समिति सदस्यों से विस्तृत सुझाव लिए गए और सभी ने मिलकर सामाजिक समरसता बनाए रखने पर सहमति जताई बैठक में नगरपालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, एडिशनल एसपी शिवकुमार वर्मा, संयुक्त कलेक्टर हुनेन्द्र घोरमारे, एसडीओपी पीयूष मिश्रा, एसडीएम श्रीमती सोनल सिडाम सहित अन्य संबंधित अधिकारी, मीडियाकर्मी तथा शांति समिति के सदस्य उपस्थित रहे बैठक में बताया गया कि 2 मार्च को होलिका दहन किया जाएगा। तिथि के अनुसार 3 एवं 4 मार्च को धुलेड़ी पर्व मनाया जायेगा। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि होलिका दहन बिजली के तारों के नीचे न किया जाए। होलिका दहन मुख्य मार्गों पर अथवा सार्वजनिक चौराहों के बीच में न करें। अंजान व्यक्ति पर जबरन रंग या गुलाल न डालें। केमिकल युक्त रंगों से बचते हुए हर्बल गुलाल और प्राकृतिक रंगों के उपयोग को प्रोत्साहित करें। होलिका दहन में कंडे एवं गौ-काष्ठ के उपयोग की सलाह दी गई नगरपालिका द्वारा धुलेड़ी के दिन प्रात: 7 बजे निर्धारित समय पर जल प्रदाय किया जाएगा। समिति सदस्यों के सुझाव पर शाम 4 बजे की जाने वाली जल आपूर्ति को धुलेड़ी पर्व पर दोपहर 3 बजे करने पर सहमति बनी। चूंकि इन दिनों बोर्ड परीक्षाओं का संचालन भी जारी है, इसलिए देर रात तक डीजे या तेज ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर प्रतिबंध रहेगा तथा सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन किया जाएगा। इस संबंध में डीजे संचालकों के साथ बैठक एसडीएम स्तर पर आयोजित कर पृथक से निर्देशित करने के निर्देश दिए।

मानव अधिकार परिषद के जिला सचिव मनोनीत हुए गणेश कोकड़िया

नैनपुर (स्वतंत्र मत)

नगर के सामाज सेवी गणेश कुमार कोकड़िया को मानवधिकार परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष एंव संस्थापक प्रशांत गिरी के द्वारा मंडला जिले का जिला संयुक्त सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है। आपके द्वारा कहा गया कि आप सरकार और पुलिस प्रशासन को अपराध और भ्रष्टाचार मुक्त भारत बनाने में एंव संगठन की प्रगति और समाज के हित में हमेशा योगदान देकर कार्य करेंगे। मानव अधिकार परिषद के राष्ट्रीय चेयरमैन डां. बी एल द्विवेदी एंव प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष गोपाल सिंह बघेल अधिवक्ता उच्च न्यायालय जबलपुर ने शुभकामनाएं देकर उनकी उज्जवल भविष्य की कामना करते अपेक्षा जताया है कि अपने कर्तव्य, दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा पूर्वक निभाते जनसहयोग से आम जनता के समस्याओं का निष्पक्ष भावनाओं से निराकरण कराते रहेगे। अधिवक्ता सत्यनंद राय, अधिवक्ता निहारिका पूरी श्रीमती पुष्पांजलि एडवोकेट ने शुभकामनाएं बधाई दी। आपकी नियुक्ति के बाद नगर क्षेत्र में लोगों के द्वारा प्रशंसा जाहिर की जा रही है।

सबमिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन कृत संगोष्ठी

किसानों को जहर मुक्त खेती करने हेतु किया गया प्रेरित

नैनपुर (स्वतंत्र मत)

सबमिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन के अंतर्गत ग्राम पंचायत खुर्सीपार के पोषक ग्राम बंजारा टोला, विकासखंड नैनपुर में एक दिवसीय कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कृषकों ने भाग लेकर प्राकृतिक एवं जैविक खेती की तकनीकों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष श्रीमती ओमवती उइके, कृषि समिति सदस्य बीरबल परते, सहायक संचालक कृषि मंडला अरविंद वर्मा, सहायक संचालक श्रीमती अंजू कुडापे सहित कृषि, पशुपालन एवं संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, ए.एफ.सी. इंडिया के प्रतिनिधि एवं क्षेत्रीय कृषक उपस्थित रहे। संगोष्ठी में उपस्थित विशेषज्ञों ने किसानों को कम लागत में जीरो बजट प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया। बताया गया कि रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अधिक उपयोग से भूमि की उर्वरता कम हो रही है तथा मानव स्वास्थ्य पर भी विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। ऐसे में प्राकृतिक खेती ही भविष्य का सुरक्षित विकल्प है।अधिकारियों ने किसानों को जीवामृत, बीजामृत, नीमास्त्र, ब्रह्मास्त्र एवं दशपर्णी अर्क जैसे प्राकृतिक जैविक घोल स्वयं तैयार करने की विधि समझाई। बताया गया कि जीवामृत मिट्टी में सूक्ष्म जीवों की संख्या बढ़ाकर भूमि को उपजाऊ बनाता है। बीजामृत बीजों को रोगमुक्त कर अंकुरण क्षमता बढ़ाता है। नीमास्त्र और ब्रह्मास्त्र प्राकृतिक कीट नियंत्रण में सहायक हैं। दशपर्णी अर्क विभिन्न पत्तियों से तैयार जैविक कीटनाशक है, जो फसलों को हानिकारक कीटों से बचाता है। इस अवसर पर भूमि सुधार एवं पर्यावरण संतुलन पर भी चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने बताया कि जैविक एवं प्राकृतिक खेती से मिट्टी की संरचना सुधरती है, जल धारण क्षमता बढ़ती है तथा पर्यावरण संतुलन बना रहता है। रासायनिक लागत कम होने से किसानों की आय में वृद्धि संभव है। साथ ही प्राकृतिक उत्पादों की बाजार में मांग भी बढ़ रही है, जिससे किसानों को बेहतर मूल्य प्राप्त हो सकता है। किसानों ने भी अपनी रुचि जताई । कार्यक्रम के दौरान किसानों ने खेती से जुड़ी समस्याओं पर प्रश्न पूछे, जिनका समाधान विशेषज्ञों द्वारा विस्तार से दिया गया। कई किसानों ने आगामी सीजन से प्राकृतिक खेती अपनाने का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम के अंत में अधिकारियों ने कहा कि शासन की मंशा किसानों को आत्मनिर्भर बनाना है और प्राकृतिक खेती के माध्यम से कम लागत, अधिक लाभ एवं स्वस्थ्य समाज की दिशा में कार्य किया जा रहा है। यह संगोष्ठी न केवल किसानों के लिए ज्ञानवर्धक रही, बल्कि क्षेत्र में जैविक एवं जहर मुक्त खेती को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताई गई।

संपादकीय

आतंकवाद के मायने

भारत 1980 के दशक से बहुस्तरीय, बहुचेहरी आतंकवाद झेलता आया है। इसमें पाकपरस्त इस्लामी, जेहादी आतंकवाद है और पूर्वोत्तर के उग्रवाद भी हैं। खालिस्तानी आतंकवाद का सफाया हो चुका है। उसके बचे-खुचे आतंकी पाकिस्तान, कनाडा, अमरीका, जर्मनी आदि देशों में हैं और वे भारत-विरोधी प्रदर्शन करते रहते हैं। देश में नक्सली आतंकवाद ने भी असंख्य लाशें बिछाई हैं, लेकिन आज उसका अस्तित्व भी समाप्ति के कगार पर है। आतंकवाद ने 40-50 हजार जिंदगियां छीनी हैं। दूसरा आंकड़ा 70-80 हजार का है। जो भी हो, ये आंकड़े बेहद भयानक और खौफजदा हैं। यह तो सेना, अर्द्धसैन्य बलों और स्थानीय पुलिस की रणनीति का ही कमाल है कि आज भारत में इस्लामी अलगाववाद के अवशेष भी नहीं हैं। जो आतंकी हमले हाल ही में किए गए हैं, वे पाकिस्तानी आतंकियों ने किए हैं। अब जिन साजिशों के सुराग मिल रहे हैं और संदिग्ध आतंकियों की धरपकड़ की जा रही है, वे भी पाकिस्तान के लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मुहम्मद सरीखे आतंकी संगठनों के कथित 'जेहादी' हैं। आज पंजाब और पूर्वोत्तर में आतंकवाद नहीं है, कुछ स्थानीय जातीय हिंसक विवाद जरूर हैं, लेकिन आतंकवाद के हत्यारे खतरे जरूर मंडरा रहे हैं, लिहाजा प्रधानमंत्री मोदी प्रत्येक वैश्विक मंच पर आतंकवाद का जिक्र करते हैं और देशों के साथ समझौते करते हैं कि आतंकवाद एक साझा लड़ाई है। मानवता के लिए साझा खतरा है, आओ मिल कर आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ें। बहरहाल इस संदर्भ में भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने देश की सर्वप्रथम आतंकवाद-रोधी राष्ट्रीय नीति की घोषणा की है। नाम दिया गया है- 'प्रहार।' अर्थात् प्रिवेंशन, रिस्पांस एंड हेल्थिंग अप्रोच टू एंटी टेररिज्म। पहली बार डिजिटल खतरे को भी 'आतंकवाद' माना गया है। इन खतरों में भारत को निशाना बनाते हुए किए गए साइबर हमले, आपराधिक हैकिंग, डार्क वेब, क्रिप्टो वॉलेट आदि नई तकनीकों के जरिए किए जाने वाले आतंकी वित्तपोषण भी शामिल हैं। इनसे निपटने की रणनीति बनाई जा रही है। 'प्रहार' में साफ किया गया है कि भारत आतंकवाद को किसी विशेष संप्रदाय, जातीयता, राष्ट्रीयता अथवा सभ्यता से नहीं जोड़ता। इसका बुनियादी मकसद आतंकवाद के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति को अधिक प्रभावी ढंग से लागू करना है। दरअसल ये शब्द सरकार की तरफ से असंख्य बार बोले जा चुके हैं। खासतौर पर आतंकी हमले के बाद ऐसे वक्तव्य सामने आते रहे हैं। 'प्रहार' की घोषणा के बावजूद बुनियादी और मौजूदा सवाल यह है कि आतंकवाद की परिभाषा क्या है? संयुक्त राष्ट्र भी आज तक यह परिभाषा स्पष्ट नहीं कर सका है। यदि भारत सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ राष्ट्रीय नीति की घोषणा की है, तो आतंकवाद की परिभाषा भी स्पष्टत: बतानी चाहिए, क्योंकि देश को एक निश्चित 'सुरक्षा सिद्धांत' की जरूरत है। परिभाषा के अभाव में 'प्रहार' महज एक नीतिगत वक्तव्य से अधिक कुछ नहीं लगता। सवाल राष्ट्रीय नीति और उसकी स्वीकार्यता का है। देशवासी भी जानना चाहेंगे कि आतंकवाद का खतरा बाहर और भीतर से कितना है और सरकारी एजेंसियां किस तरह इन खतरों से निपट रही हैं?

शिक्षा में न्यायपालिका: संवाद की जरूरत या विवाद की राजनीति

ललित गर्ग

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

एक बार फिर शिक्षा से जुड़ा एक प्रश्न राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में है। शिक्षा मंत्रालय और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा प्रकाशित आठवीं कक्षा की सामाजिक विज्ञान की पुस्तक में हमारे समाज में न्यायपालिका की भूमिका शीर्षक अध्याय में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार और लंबित मुकदमों का उल्लेख किए जाने पर भारत का सर्वोच्च न्यायालय ने नाराजगी प्रकट की। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की यह टिप्पणी कि किसी को भी न्यायपालिका को बदनाम करने नहीं दिया जाएगा केवल एक भावनात्मक प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि संस्थागत गरिमा की रक्षा का संकेत है। इसके बाद संबंधित अध्याय को हटाने और बाजार में उपलब्ध पुस्तकों को वापस लेने का निर्णय लिया गया। प्रश्न यह है कि क्या यह केवल एक संपादकीय चूक थी या हमारे शैक्षिक ढांचे में कहीं गहरी संरचनात्मक कमी है? प्रश्न है कि स्कूली बच्चों को 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' के बारे में जानकारी देने से किस हित की पूर्ति होने वाली है? लेकिन इसमें दो मत नहीं है कि न्यायिक तंत्र के साथ हर क्षेत्र में फैली भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के ठोस उपाय होने ही चाहिए। सबसे पहले यह भी स्वीकार करना होगा कि न्यायपालिका में लंबित मामलों और भ्रष्टाचार जैसे प्रश्न पूरी तरह काल्पनिक नहीं हैं। न्यायालयों में लंबित मुकदमों की संख्या करोड़ों में है, यह एक सार्वजनिक तथ्य है। कुछ मामलों में न्यायिक आचरण पर भी प्रश्न उठे हैं। परंतु उतना ही सत्य यह भी है कि भारतीय न्यायपालिका ने समय-समय पर अपनी स्वतंत्रता, पारदर्शिता और सक्रियता से लोकतंत्र की रक्षा की है। पिछले वर्षों में शीर्ष न्यायाधीशों द्वारा अपनी संपत्तियों का सार्वजनिक विवरण देने की सहमति जैसे कदमों ने संस्थागत पारदर्शिता को सुदृढ़ किया है। ऐसे में प्रश्न यह नहीं है कि समस्या है या नहीं, प्रश्न यह है कि उसे किस भाषा, किस संतुलन और किस शैक्षिक दृष्टि से प्रस्तुत किया जाए।

शिक्षा का उद्देश्य केवल तथ्य देना नहीं, दृष्टि देना है। यदि हम बच्चों को यह सिखाते हैं कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार है, तो साथ ही यह भी सिखाना होगा कि न्यायपालिका ने भ्रष्टाचार से लड़ने में कैसी भूमिका निभाई है, उसने प्रशासनिक दुरुपयोग पर कैसे अंकुश लगाया है, नागरिक अधिकारों की रक्षा में कैसे ऐतिहासिक निर्णय दिए हैं। शिक्षा में आलोचना हो, पर निराशा नहीं, तथ्य हों, पर संतुलन भी हो। यदि किसी अध्याय में केवल संस्थागत विकृतियों का उल्लेख हो और सुधारात्मक प्रयासों, आदर्श उदाहरणों और संवैधानिक मूल्यों का समुचित विवेचन न हो, तो वह शिक्षा में मूल्यों एवं आदर्शों के बजाय अविश्वास का बीजारोपण बन सकता है। यह विवाद एक बड़े प्रश्न को भी जन्म देता है-पाठ्य पुस्तकों की निर्माण प्रक्रिया में

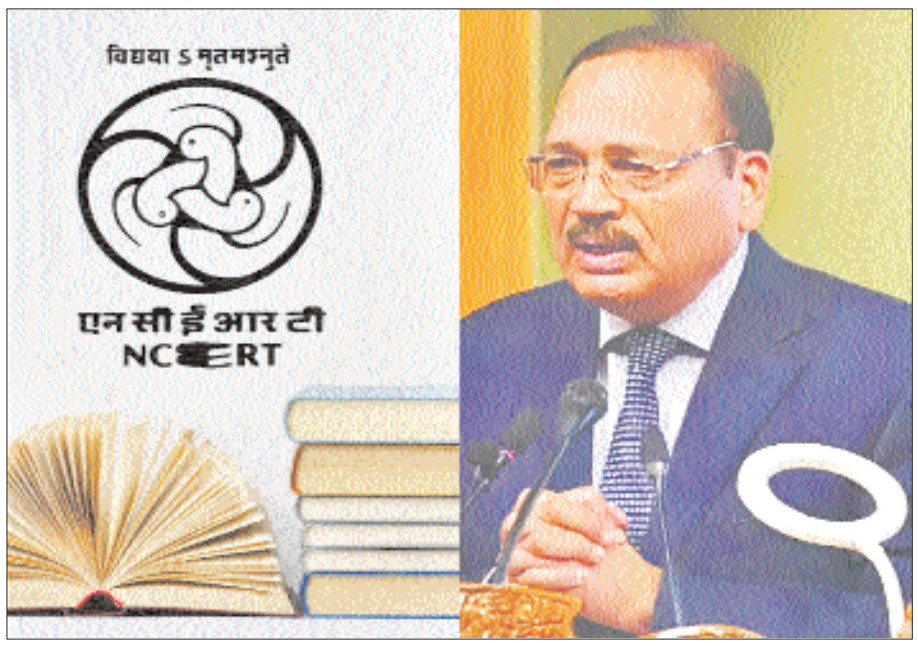

बहुस्तरीय समीक्षा के बावजूद ऐसी सामग्री कैसे प्रकाशित हो जाती है? क्या संपादकीय बोर्ड में विविध दृष्टिकोणों का अभाव है? क्या विधि विशेषज्ञों, शिक्षाशास्त्रियों और मनोवैज्ञानिकों के बीच समन्वय पर्याप्त नहीं है? एक लोकतांत्रिक समाज में संस्थाओं की आलोचना वर्जित नहीं हो सकती, पर आलोचना और अवमूल्यन के बीच महीन रेखा होती है। शिक्षा मंत्रालय और एनसीईआरटी जैसी संस्थाओं का दायित्व है कि वे इस रेखा को पहचानें।

यह भी स्मरणीय है कि भ्रष्टाचार केवल न्यायपालिका तक सीमित समस्या नहीं है। हाल ही में ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की इसी महीने जारी रिपोर्ट के मुताबिक करप्शन परसेप्शन इंडेक्स में 182 देशों के बीच भारत की रैंक 91 है। पिछले साल के मुकाबले भारत ने 5 स्थान का सुधार किया है, यह स्थिति सुधार के बावजूद मध्य स्तर पर बनी हुई बताई गई है। इसका अर्थ है कि भ्रष्टाचार एक संरचनात्मक, सामाजिक और प्रशासनिक चुनौती है। यदि हम बच्चों को इसके बारे में पढ़ाते हैं तो उसे एक समग्र सामाजिक संदर्भ में पढ़ाया जाना चाहिए कि यह समस्या क्यों उत्पन्न होती है, इसे रोकने के लिए क्या संवैधानिक तंत्र हैं, नागरिकों की क्या भूमिका है और सुधार की संभावनाएं क्या हैं। केवल किसी एक संस्था को केंद्र में रखकर समस्या का चित्रण करना न तो शैक्षिक रूप से न्यायोचित है और न ही संवैधानिक संतुलन के अनुरूप।

न्यायपालिका की गरिमा का प्रश्न भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र तीन स्तंभों-विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका पर आधारित है। यदि किसी एक स्तंभ के प्रति बच्चों के मन में अविश्वास की भावना बिना सम्यक् विश्लेषण के उत्पन्न हो जाए, तो यह दीर्घकाल में लोकतांत्रिक संस्कृति के लिए हानिकारक हो सकता है। परंतु गरिमा की रक्षा का अर्थ यह भी नहीं कि समस्याओं पर मौन साध लिया जाए। गरिमा और पारदर्शिता परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। न्यायपालिका की वास्तविक प्रतिष्ठा उसकी आलोचना सहने की क्षमता, आत्मसुधार की तत्परता और नैतिक दृढ़ता से बढ़ती है। इस संदर्भ में एक नई शैक्षिक संरचना की आवश्यकता अनुभव होती है। पाठ्य पुस्तकों में संस्थागत अध्ययन का प्रारूप इस प्रकार विकसित किया जा सकता है जिसमें तीन आयाम हों-संविधान द्वारा प्रदत्त भूमिका, वास्तविक चुनौतियां और सुधार की पहल। उदाहरण के लिए, न्यायपालिका पर अध्याय में उसके ऐतिहासिक निर्णय, जनहित याचिका की परंपरा, मौलिक अधिकारों की रक्षा, साथ ही लंबित मामलों की समस्या और न्यायिक सुधार आयोगों की सिफारिशों का संतुलित उल्लेख किया जाए। इससे छात्र न तो अंधभक्त बनेंगे और न ही निंदक, वे सजग नागरिक बनेंगे।

शिक्षा मंत्रालय को भी इस अवसर को आत्ममंथन के रूप में लेना चाहिए। विवाद के बाद अध्याय हटाना तात्कालिक समाधान हो सकता है, पर स्थायी समाधान नहीं। आवश्यकता है एक स्वतंत्र, बहुविषयी समीक्षा तंत्र की, जिसमें विधि विशेषज्ञ, पूर्व न्यायाधीश, शिक्षाशास्त्री, समाजशास्त्री और बाल मनोविज्ञान के जानकार शामिल हों। साथ ही, सार्वजनिक परामर्श की परंपरा विकसित की जा सकती है ताकि पाठ्य पुस्तकें केवल सरकारी दस्तावेज न रहकर सामाजिक सहमति का दस्तावेज बनें। न्यायपालिका भी इस प्रसंग में रचनात्मक पहल कर सकती है। यदि वह स्वयं विद्यालयों और विश्वविद्यालयों के लिए न्यायिक साक्षरता कार्यक्रम आरंभ करे, न्यायालयों के कार्यप्रणाली पर सरल और संतुलित अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराए, तो इससे भ्रांतियों का निवारण होगा। न्यायपालिका की पारदर्शिता और संवादशीलता उसकी गरिमा को और सुदृढ़ करेगी।

अंतत: यह विवाद हमें यह सोचने को विवश करता है कि हम अपने बच्चों को कैसी नागरिकता का संस्कार देना चाहते हैं। क्या हम उन्हें केवल समस्याओं का बोध देंगे या समाधान की प्रेरणा भी देंगे? क्या हम उन्हें संस्थाओं पर अविश्वास करना सिखाएँगे, या सुधार में सहभागी बनने की चेतना से सम्पन्न बनायेंगे? लोकतंत्र का भविष्य पाठ्य पुस्तकों की पंक्तियों में ही आकार लेता है। इसलिए आवश्यक है कि शिक्षा में सत्य हो-पर संतुलित, आलोचना हो-पर रचनात्मक और संस्थाओं की गरिमा अक्षुण्ण रखते हुए सुधार की राह भी खुली रहे। भ्रष्टाचार एक गंभीर राष्ट्रीय चुनौती है, पर उसका समाधान संस्थाओं को कटघरे में खड़ा कर देने से नहीं, बल्कि उन्हें अधिक उत्तरदायी और पारदर्शी बनाकर ही निकलेगा। शिक्षा का कार्य इसी संतुलन को साधना है। यदि यह विवाद हमें अधिक परिपक्व, संवादशील और उत्तरदायी शैक्षिक व्यवस्था की ओर ले जाए, तो यह एक नई दिशा, नई दृष्टि और नई संरचना के प्रादुर्भाव का अवसर सिद्ध हो सकता है। लोकतंत्र की सच्ची शक्ति आलोचना और आत्मसुधार के समन्वय में ही निहित है, और यही संतुलन हमारी पाठ्य पुस्तकों में भी प्रतिबिंबित होना।

भारत-इजराइल रणनीतिक रिश्ते

आदित्य नारायण चौपड़ा

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2014 में सत्ता में आने के बाद इजराइल और भारत के संबंधों को पूरी तरह से बदल कर रख दिया है। इजराइल के मामले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारतीय विदेशनीति की पुरानी परम्पराओं को तोड़ने वाले साबित हुए। एक तरफ भारत की इजराइल से नजदीकियां बढ़ीं तो दूसरी तरफ भारत के खाड़ी देशों से संबंधों में भी गर्मजोशी आई। भारत की अपनी सुरक्षा चिंताएं हैं और इजराइल एक महत्वपूर्ण साझेदार के रूप में उभरा है। 2017 में प्रधानमंत्री मोदी ने इजराइल का दौरा किया था तो ये आशंकाएं व्यक्त की गई थीं कि इससे भारत के करोड़ों मुसलमान अलग-थलग पड़ सकते हैं लेकिन सत्तारूढ़ भाजपा नीत एनडीए घरेलू राजनीतिक प्रभावों से पूरी तरह से मुक्त हो चुका है। भारत ने जहां फिलिस्तीन के साथ संबंधों में संतुलन बनाए रखा तो दूसरी तरफ इजराइल से भी अपने रिश्तों का विस्तार किया।

आतंकवाद को लेकर दोनों देशों की साझा चिंताओं ने दोनों देशों के बीच खुफिया सहयोग को बढ़ावा दिया। हाईटेक हथियारों की भारत की मांग और उन्हें बेचने की इजराइल की उदारता ने मजबूत रक्षा व्यापार संबंधों को जन्म दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इजराइली संसद नेसेटको सम्बोधित करते हुएइजराइल पर 7 अक्तूबर 2023 को हुएहमास के हमले की स्पष्ट शब्दों में निन्दा की और कहा कि नागरिकों की हत्या को किसी भी तरह से तर्कसंगत नहीं ठहराया जा सकता। साथ ही उन्होंने गाजा में शांति स्थापना की पहल को दृढ़ समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि हम शांति के पेरोकार हैं। क्षेत्र के सभी लोगों के लिएन्यायपूर्ण और स्थायी शांति बहुत जरूरी है। जिसमें फिलिस्तीन मुद्दे का समाधान शामिल है। इस तरह प्रधानमंत्री ने फिलिस्तीन मुद्दे पर भारत के स्टैंड को नहीं छोड़ा साथ ही आतंकवाद पर चोट भी की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को स्पीकर ऑफ द नेसेट मैडल से नवाजा भी गया। यह पदक प्रधानमंत्री के व्यक्तिगत नेतृत्व के माध्यम से भारत और इजराइल के बीच रणनीतिक संबंध मज़बूत करने में उनके असाधारण योगदान को मान्यता प्रदान करता है। अब यह तथ्य पूरी तरह से सार्वजनिक हो चुका है कि इजराइल ने 1962 में चीन से, 1965, 1971 में पाकिस्तान से युद्ध के दौरान भारत की गुपचुप ढंग से सैन्य मदद की थी और कारगिल युद्ध में इजराइली मदद से ही हमने पाकिस्तान के घुसपैठियों को खदेड़ने में सफलता प्राप्त की थी तब इजराइल ने भारत को लेजर गाइडेड बम किट और मिसाइलें दी थीं। उस के बाद से ही दोनों देशों के रक्षा संबंधों की शुरुआत हुई।

लोकतान्त्रिक देश भारत की विदेश नीति 90 के दशक तक इजराइल के प्रति भेदभाव की रही और हमने फिलिस्तीन के मुक्ति संग्राम का खुलकर समर्थन किया मगर इसमें भी कोई दोष नहीं था क्योंकि स्व. यासर अराफात के नेतृत्व में फिलिस्तीन के लोग भी अपने जायज हकों के लिए लड़ रहे थे और वह स्वतन्त्र देश का दर्जा चाहते थे। भारत ने इस संघर्ष में कूटनीतिक स्तर पर उनका साथ दिया। फिलिस्तीन के अस्तित्व में आने के बाद विश्व परिस्थितियों में अन्तर आया है और इजराइल ने अरब देशों के साथ अन्तर्राष्ट्रीय निगरानी में कई बार शान्ति प्रयास किये हैं जिनमें 'कैम्प डेविड' समझौता सबसे महत्वपूर्ण कहा जा सकता है। बदलती दुनिया में इजराइल की स्थिति में परिवर्तन आना लाजिमी था और इस माहौल में भारत के राष्ट्रहितों में परिवर्तन आना भी लाजिमी था। अत: 90 के दशक में तत्कालीन प्रधानमन्त्री स्व. पी.वी. नरसिम्हा राव के शासनकाल में हमने इजराइल के साथ कूटनीतिक सम्बन्धों की शुरूआत की। आज इजराइल दुनिया का सामरिक उद्योग क्षेत्र का महारथी माना जाता है और आतंकवाद के विरुद्ध युद्ध लड़ने का माहिर भी माना जाता है। कृषि व विज्ञान के क्षेत्र में इस छोटे से देश ने जबर्दस्त तरक्की तब की है जब यह चारों तरफ से अरब देशों जैसे सीरिया, जोर्डन, मिस्र, लेबनान और फिलिस्तीन से घिरा हुआ है।

90 के दशक से लेकर अब तक भारत की तरफ से राजनयिक स्तर की यात्राएं तो होती रही हैं मगर उच्चस्थ स्तर पर राजनयिक यात्राएं नहीं हुईं। 90 के दशक से लेकर अब तक भारत की तरफ से राजनयिक स्तर की यात्राएं तो होती रही हैं मगर उच्चस्थ स्तर पर राजनयिक यात्राएं नहीं हुईं। पहली बार भारत के राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी को मोदी सरकार ने इजराइल यात्रा पर भेजा था। याद कीजिए जब केन्द्र में 1977 में पहली गैर कांग्रेस जनता पार्टी की मोरारजी देसाई सरकार बनीं थी और श्री अटल बिहारी वाजपेयी विदेश मंत्री थे तो इजराइल के तत्कालीन रक्षा मंत्री 'मोशे दायां' दिल्ली के हवाई अड्डे पर आकर ही वापस स्वदेश चले गए थे।

इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू की हेक्सागन समूह की स्थापना करने की घोषणा वर्ल्ड आर्डर में नया आयाम स्थापित कर सकती है। हेक्सागन का अर्थ ऐसा षटकोण जिसमें इजराइल, भारत, अमेरिका, खाड़ी देश और अफ्रीकी देश शामिल होंगे। अगर पहल सिरे चढ़ती है तो यह पाकिस्तान और चीन को बड़ा झटका होगा। दोनों देशों में रक्षा, एआई, साइबर सुरक्षा, क्वांटम, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, दुर्लभ खनिज, कृषि, डिजिटल भुगतान समेत अन्य महत्वपूर्ण समझौते हुए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि शीघ्र ही दोनों देश मुक्त व्यापार समझौता को मूर्त रूप देंगे।

कूटनीति: युद्धाभ्यास का वैश्विक संदेश

अरुणेन्द्र नाथ वर्मा

21वीं सदी में समुद्र केवल जलराशि नहीं, बल्कि शक्ति, समृद्धि व रणनीति का केंद्र बन चुके हैं। इस गंभीर सच की रोशनी में भारतीय नौसेना समय-समय पर मित्र देशों की नौसेनाओं के साथ सम्मिलित युद्धाभ्यास करती आई है। इसी श्रृंखला में विशाखापत्तनम में आयोजित 11 से 25 फरवरी तक चलने वाला बहुराष्ट्रीय नौसैनिक अभ्यास 'मिलन' अब तक का सबसे बड़ा आयोजन बनकर उभरा है। इसमें 74 देशों के लगभग 90 युद्धपोतों ने भाग लिया है। जहां इसका तात्कालिक प्रभाव उन्नत युद्ध कौशल और बेहतर सामरिक क्षमता के रूप में दिखाई देगा, वहीं इसका दीर्घकालिक उद्देश्य सामूहिक सुरक्षा, नियम-आधारित व्यवस्था व आपसी भरोसे को सुदृढ़ करना है। भारत की अगुवाई में उसके पूर्वी प्रवेशद्वार पर आयोजित युद्धाभ्यास संकेत देता है कि यह हिंद व प्रशांत महासागर ही नहीं, बल्कि वैश्विक समुद्री व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति की सुरक्षा से भी जुड़ा हुआ है।

समुद्री मार्गों की सुरक्षा सभी देशों की साझा चिंता है। इसी पृष्ठभूमि में विश्व के सभी देश यह महसूस करने लगे हैं कि समुद्री डकैती, तस्करी, आतंकवाद और प्राकृतिक आपदाओं जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए बहुपक्षीय सहयोग अनिवार्य है। यह आयोजन भारत की बढ़ती समुद्री भूमिका को भी रेखांकित करता है। भारत एक 'विश्वसनीय सुरक्षा भागीदार' के रूप में उभर रहा है, जहां उसकी नौसेना न केवल संचालन क्षमता प्रदर्शित करती है, बल्कि समन्वय, प्रशिक्षण व मानवीय सहायता के क्षेत्रों में भी नेतृत्व पेश करती है।

भारत समुद्री क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग का वर्षों से प्रशंसनीय प्रदर्शन करता आया है, और विशाखापत्तनम का यह 'मिलन' उसी सोच और रणनीति का सशक्त उदाहरण है। दरअसल, ऊर्जा और व्यापार के प्रमुख समुद्री मार्गों पर नियंत्रण का प्रयास क्षेत्रीय संतुलन को प्रभावित कर सकता है। ऐसे में, बहुराष्ट्रीय नौसैनिक अभ्यास यह स्पष्ट संदेश देते हैं कि समुद्र किसी एक शक्ति का क्षेत्र नहीं, बल्कि साझा धरोहर हैं, जहां नियम-आधारित व्यवस्था का सम्मान आवश्यक है। इस संदर्भ में क्षेत्रीय कूटनीति और संपर्क की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत ने हमेशा अपने पड़ोसी देशों के साथ सहयोगपूर्ण व सम्मानजनक संबंध की नीति अपनाई है। यह अभ्यास उसी दृष्टिकोण का प्रतीक है।

विशाखापत्तनम में हुए इस युद्धाभ्यास में क्षेत्रीय स्तर पर कनेक्टिविटी, निवेश और आर्थिक कूटनीति के माध्यम से प्रभाव-निर्माण की प्रवृत्तियां स्पष्ट रूप से दिखाई देती हैं, पर पड़ोसी देशों में बुनियादी ढांचे, बंदरगाहों व संपर्क परियोजनाओं के माध्यम से रणनीतिक उपस्थिति बढ़ाने के प्रयास में कभी-कभी सहयोग की जगह प्रतिस्पर्धा की झलक भी दिखाई पड़ने लगती है। महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों के आसपास चीनी नौसेना की बढ़ती ताक-झांक और सक्रियता भी वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा के संदर्भ में विशेष महत्व रखती है।

इसी दूरदर्शी सोच के साथ विशाखापत्तनम का यह अभ्यास एक संतुलित संदेश भी देता है कि यह न तो टकराव का मंच है, न ही आक्रामक शक्ति-प्रदर्शन का, बल्कि यह साझेदारी, स्थिरता और सहयोग की संस्कृति का प्रतीक है। यहां विभिन्न देशों की नौसेनाएं साथ आकर यह प्रदर्शित करती हैं कि मतभेदों के बावजूद संवाद और सहयोग संभव ही नहीं, बल्कि आवश्यक भी है। इस प्रकार के युद्धाभ्यास यह सिद्ध करते हैं कि 21वीं सदी की चुनौतियों का समाधान एकाकी प्रयासों से नहीं, बल्कि सामूहिक सहयोग से किया जा सकता है। विशाखापत्तनम में आयोजित इस युद्धाभ्यास को 'मिलन' नाम देकर भारत ने इसे केवल सैन्य अभ्यास नहीं, बल्कि वैश्विक सद्भाव और स्थिरता के एक प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया है।

'कृत्रिम बुद्धिमत्ता' उर्फ 'एआई' - मुकाबले में इंसानी अक्ल

राज कुमार सिन्हा

पिछले दिनों दिल्ली में आयोजित 'एआई इम्पैक्ट समिट 2026' का समापन 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता' (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के क्षेत्र में वैश्विक सहयोग के लिए उसके प्रभाव पर ऐतिहासिक 'नई दिल्ली घोषणापत्र' को स्वीकार किए जाने के साथ समाप्त हुआ। करीब 91 देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने इस घोषणापत्र से सहमति जाहिर की। घोषणापत्र जोर देता है कि 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' में निहित सिद्धान्त की तर्ज पर 'एआई' के लाभों को मानवता के बीच समान रूप से साझा किया जाना चाहिए। 'वसुधैव कुटुम्बकम्' से प्रेरित यह घोषणा 'एआई' संसाधनों तक न्यायसंगत पहुंच पर बल देती है, ताकि सभी देश सार्वजनिक लाभ के लिये उसे विकसित कर सकें।

इस शिखर सम्मेलन से दीर्घकालिक अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों को बढ़ावा मिलने और 'एआई' को आर्थिक विकास के एक प्रमुख चालक के रूप में स्थापित करने की उम्मीद है। आयोजकों का कहना है कि शिखर सम्मेलन से दीर्घकालिक साझेदारियों को मजबूती मिलने और देशों को साझा सिद्धांतों को व्यावहारिक रूप में बदलने के लिए प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। विकसित अर्थव्यवस्थाओं और उभरते बाजारों दोनों की भागीदारी के साथ, 'नई दिल्ली घोषणा' 'एआई' विकास पर आम सहमति बनाने और तकनीकी सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक व्यापक वैश्विक प्रयास का प्रतीक है।

तेजी से बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों में दुनिया भर में अभी सबसे ज्यादा जोर आधुनिक तकनीकों के विकास और नवाचार के प्रयोग पर दिया जा रहा है। सभी देश अपनी विकास नीतियों में अद्यतन तकनीकों को अपना रहे हैं और पारंपरिक तरीके से होने वाले बहुत सारे कामों का स्वरूप बदल रहा है। खासतौर पर 'एआई' के फैलते दायरे ने वैश्विक स्तर पर कामकाज के तौर-तरीकों और उसमें इंसानी भूमिका पर व्यापक असर डाला है। जानकारों का कहना है कि 'एआई' आज केवल तकनीक का विषय नहीं रह गई है, बल्कि यह समाज, अर्थव्यवस्था, राजनीति और मानव जीवन के हर पहलू को प्रभावित करने वाली शक्ति बन चुकी है। स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, उद्योग, संचार, सुरक्षा और शासन-हर क्षेत्र में 'एआई' के उपयोग ने नई संभावनाएं खोली हैं, वहीं कई गहरी और जटिल चुनौतियां भी हमारे

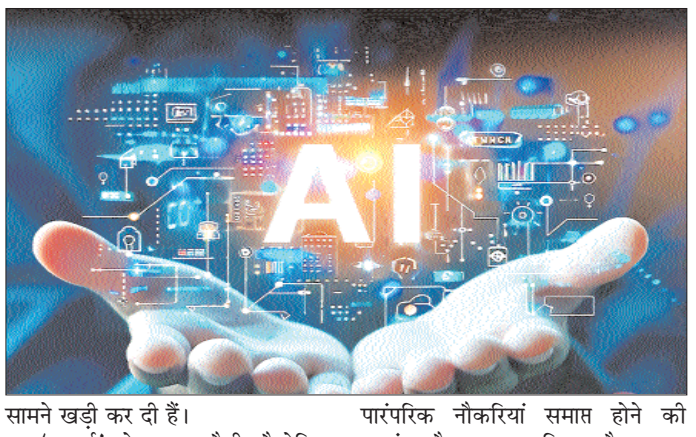

सामने खड़ी कर दी हैं।

'एआई' को अक्सर चौथी औद्योगिक क्रांति का केंद्र माना जाता है। मशीन लर्निंग, डेटा एनालिटिक्स और स्वचालन ने उत्पादन की गति बढ़ाई है और निर्णय प्रक्रिया को तेज किया है। अस्पतालों में रोगों की पहचान, किसानों के लिए मौसम और फसल की सलाह तथा प्रशासन में सेवाओं का डिजिटलीकरण 'एआई' की सकारात्मक उपलब्धियां हैं, लेकिन यह तकनीकी बदलाव केवल औजारों का नहीं, बल्कि सामाजिक संरचनाओं का भी पुनर्गठन कर रहा है। 'एआई' आधारित स्वचालन से कई पारंपरिक नौकरियां समाप्त होने की आशंका है। खासकर निम्न और मध्यम कौशल वाले काम सबसे अधिक प्रभावित हो सकते हैं। दूसरी ओर, उच्च तकनीकी कौशल वाली नौकरियों की मांग बढ़ रही है। इससे सामाजिक असमानता गहराने का खतरा है। यदि पुन: कौशल (रिस्किलिंग) और शिक्षा पर गंभीर निवेश नहीं हुआ, तो तकनीक लाभ के बजाय विभाजन का कारण बन सकती है।

'एआई' का आधार 'डेटा' है और यही सबसे बड़ा जोखिम भी है। नागरिकों के व्यक्तिगत 'डेटा' का अंधाधुंध संग्रह, उसका व्यावसायिक उपयोग और राज्य द्वारा निगरानी, निजता के अधिकार को कमजोर कर रहे हैं। 'फेस रिकग्नीशन' जैसी तकनीकें सुरक्षा के नाम पर लोकतांत्रिक स्वतंत्रताओं के लिए खतरा बन सकती हैं। सवाल यह है कि तकनीक का नियंत्रण किसके हाथ में होगा-जनता के या सत्ता और कॉरपोरेट के? 'एआई' 'तटस्थ' नहीं होता, वह उसी 'डेटा' और सोच को दोहराता है जिस पर उसे प्रशिक्षित किया गया है। यदि 'डेटा' में जाति, लिंग, वर्ग या नस्ल का पक्षपात है, तो 'एआई' के फैसले भी भेदभावपूर्ण होंगे। न्याय व्यवस्था, भर्ती प्रक्रियाओं और ऋण वितरण जैसे क्षेत्रों में इसका असर गंभीर हो सकता है। इसलिए 'एआई' की नैतिकता और जवाबदेही अत्यंत महत्वपूर्ण है।

'एआई' तकनीक पर फिलहाल कुछ गिने-चुने देशों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों का वर्चस्व है। इससे एक नया डिजिटल उपनिवेशवाद उभरने का खतरा है, जहां विकासशील देश केवल उपभोक्ता बनकर रह जाएंगे। भारत जैसे देशों के लिए यह जरूरी है कि वे 'एआई' को केवल बाजार नहीं, बल्कि सार्वजनिक हित के औजार के रूप में विकसित करें। कृत्रिम बुद्धिमत्ता को न तो अंधी प्रशंसा की जरूरत है और न ही भयभीत होकर खारिज करने की। आवश्यकता है, लोकतांत्रिक नियंत्रण, मजबूत कानूनी ढांचा, नैतिक मानक और जनहित केंद्रित नीति की। शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण और सामाजिक न्याय के लिए 'एआई' का उपयोग तभी सार्थक होगा, जब मानव गरिमा, समानता और अधिकारों को प्राथमिकता दी जाए। अंतत: सवाल तकनीक का नहीं, हमारे सामाजिक दृष्टिकोण का है।

'एआई' भविष्य तय करेगा या भविष्य में 'एआई' को कैसे इस्तेमाल किया जाए, यह फैसला हमें ही करना होगा। भारत में 'एआई' की संभावनाओं का उपयोग करने के लिये सुदृढ़ कौशल-विकास, पुन: कौशल विकास तथा 'एआई' साक्षरता संबंधी पहल आवश्यक हैं। प्रतिस्पर्द्धी 'एआई' विकास के लिये आवश्यक उन्नत कंप्यूटिंग अवसंरचना, सेमीकंडक्टर विनिर्माण और हाइपरस्केल 'डेटा' केंद्रों की भारत में कमी है। इधर, बड़ी कंपनियां खर्च घटाने के लिए 'एआई' टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर रही हैं और नौकरियां कम कर रही हैं। इसी बीच, 'अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष' (आईएमएफ) की चीफ क्रिस्टलीना जॉर्जीवा ने नौकरियों पर 'एआई' के बढ़ते खतरे को लेकर एक बड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि दुनियाभर में करीब 40 प्रतिशत एंट्री-लेवल नौकरियों पर 'एआई' का खतरा मंडरा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि यह आंकड़ा बढ़कर 60 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। हालांकि भारत के लिए यह 26 फीसदी हो सकता है।

'एआई' भविष्य में मानव सभ्यता के लिए खतरा बनने की संभावना एक वैश्विक बहस का विषय है। कई विशेषज्ञ, शोधकर्ता और तकनीकी दिग्गज इस बात पर चिंता व्यक्त कर चुके हैं कि अनियंत्रित 'एआई' विकास मानवता के लिए अस्तित्व का संकट पैदा कर सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि 'एआई' का विकास और उसे लागू करने की गति, उसके सुरक्षा मानकों से तेज रही, तो यह मानवता के लिए अस्तित्व के लिए खतरा बन सकता है। लेखक और पत्रकार प्रियदर्शन कहते हैं कि इंटरनेट ने हमारी स्मृति छीनी थी, 'एआई' कल्पनाशीलता न छीन ले। इस चुनौती को ध्यान में रखते हुए भविष्य की योजना बनाई जाने की आवश्यकता है।

90 साल का रिकॉर्ड टूटा

आखिर अमेरिका से लाखों की संख्या में क्यों पलायन कर रहे हैं लोग

नई दिल्ली

अमेरिका से बड़ी संख्या में लोग पलायन कर रहे हैं। इन लोगों की संख्या इतनी ज्यादा है कि बीते 90 सालों का रिकॉर्ड टूट गया है। 1935 की महामंदी के बाद पहली बार ऐसा हो रहा है कि अमेरिका से पलायन करने वाले लोगों का सिलसिला नहीं थम रहा। फाइनेंशियल डेली की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल 2025 में अमेरिका से करीब डेढ़ लाख लोगों ने पलायन किया। वहीं इस साल 2026 में पलायन करने वाले लोगों की संख्या में इजाफा हो सकता है।

अमेरिका से जहां लोग भारी संख्या में पलायन कर रहे हैं, वहीं यूएस जाकर बसने वाले लोगों की संख्या में भी कमी आई है। अमेरिका में जाकर बसने वाले विदेशियों की संख्या आधे से भी कम रह गई है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, दूसरे देशों से अमेरिका में जाकर करीब 26-27 लाख लोग जाकर बसे, वहीं 2023 में ऐसे लोगों की संख्या 60 लाख के करीब थी।

वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, 15 देशों के 2025 के पूरे या आंशिक डाटा का विश्लेषण करके पता लगा कि कम से कम एक लाख 80 हजार अमेरिकी नागरिकों ने दूसरे देशों की तरफ रुख किया।

अमेरिका से व्हाइट हाउस के एक प्रवक्ता ने बताया, अमेरिकी अर्थव्यवस्था दूसरे विकसित देशों से बेहतर प्रदर्शन कर रही है और सरकार

लाखों गैरकानूनी इमिग्रेंट्स को डिपोर्ट कर रही है। बहुत से अल्ट्रा-हाई नेट वर्थ विदेशियों को भी टारगेट किया जा रहा है। व्हाइट हाउस का कहना है कि इनमें से कई तो अमेरिका में बसने के लिए गोल्ड कार्ड के एक मिलियन डॉलर का भी भुगतान कर रहे हैं। अमेरिका के गृह सुरक्षा विभाग ने पिछले साल 6.75 लाख डिपोर्टेशन और 22 लाख सेल्फ डिपोर्टेशन की जानकारी दी थी। रिलोकेशन कंपनियों का भी दावा है कि अमेरिका से बाहर जाने वाले लोगों की संख्या बढ़ रही है. एक्सपैट्सी की फाउंडर जेन बार्नेट के मुताबिक पहले जो अमेरिकी देश छोड़कर जाते थे, वो सुपर एडवेंचरस और अच्छे क्रेडेंशियल वाले होते थे, लेकिन अब आम लोग भी बाहर जा रहे हैं।

जेन बार्नेट का कहना है कि उनकी कंपनी का टारगेट 10 लाख अमेरिकियों को बाहर मूव कराना है। एक्सपैट्सी की फाउंडर का दावा है कि अमेरिका में भले ही सैलरी ज्यादा मिलती हो, लेकिन यूरोप में क्वालिटी लाइफ देता है।

अमेरिका में अब से करीब 90 साल पहले 1935 में ऐसी ही स्थिति देखने को मिली थी। उस समय अमेरिका छोड़कर जाने वालों की संख्या वहां विदेश से आने वालों से कहीं ज्यादा थी। 1935 में महामंदी के दौरान अमेरिका में रहने वाले कई लोग काम की तलाश में सोवियत संघ चले गए थे। अमेरिका से फिर एक बार लोग दूसरे देशों की तरफ जा रहे हैं।

चीन ने पाकिस्तान-अफगानिस्तान से युद्धविराम की अपील की

बीजिंग, (वार्ता)। चीन पाकिस्तान और अफगानिस्तान के हिंसक झड़पों को लेकर बहुत चिंतित है और उसने दोनों पक्षों से युद्धविराम के लिए बातचीत की है। गौरतलब है कि इन झड़पों में 133 अफगान तालिबान लड़ाके और पाकिस्तान के दो जवान मारे गये हैं। विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि पाकिस्तान द्वारा राजधानी काबुल सहित अफगानिस्तान के बड़े शहरों पर बमबारी के बाद चीन संघर्ष के बढ़ने पर बहुत चिंतित है। चीन ने दोनों पक्षों से शांत रहने और संयम बरतने की अपील करते हुए कहा है कि जितनी जल्दी हो सके युद्धविराम और खून-खराबा से बचा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, चीन पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच संघर्ष में लगातार मध्यस्थता की है और आगे भी तनाव कम करने में एक रचनात्मक भूमिका निभाना जारी रखने को वह तैयार है। उन्होंने कहा कि मंत्रालय और पाकिस्तान तथा अफगानिस्तान में चीन के दूतावास इस मामले पर दोनों देशों में संबंधित पार्टियों के साथ काम कर रहे हैं। इस बीच पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार का कहना है कि 133 अफगान तालिबान लड़ाके मारे गए और 200 से अधिक घायल हुए। जबकि पाकिस्तान का कहना है कि चल रही झड़पों में उसके दो जवान मारे गए।

ट्रंप के खिलाफ जांच करने वाले 10 एफबीआई एजेंट बर्खास्त

व्हाइट हाउस चीफ ऑफ स्टाफ के फोन रिकॉर्ड खंगालने का भी आरोप

नई दिल्ली। एफबीआई ने अपने 10 कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया है, जिन्होंने डोनल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल के बाद गोपनीय दस्तावेजों के रख-रखाव की जांच की थी। एफबीआई निदेशक काश पटेल ने बुधवार को बताया कि वर्तमान व्हाइट हाउस चीफ ऑफ स्टाफ सूसी विल्स के फोन रिकॉर्ड भी जांच के हिस्से के रूप में तब मांगे गए थे जब वह एक आम नागरिक थीं। पटेल ने बर्खास्त किए गए एफबीआई कर्मचारियों द्वारा किसी भी गलत काम का कोई सबूत पेश नहीं किया।

2021 में ट्रंप के व्हाइट हाउस छोड़ने के बाद, विशेष वकील जैक स्मिथ ने अब राष्ट्रपति बन चुके ट्रंप के खिलाफ दो संघीय जांचों का नेतृत्व किया था। एक मामला इस पर केंद्रित था कि क्या ट्रंप ने 2020 के चुनाव परिणामों को पलटने की कोशिश की थी। दूसरा मामला उन गोपनीय दस्तावेजों से संबंधित था जिन्हें ट्रंप फ्लोरिडा में अपने मार-ए-लागो आवास पर वापस ले गए थे और बाद में उन्हें वापस लेने से अमेरिकी न्याय विभाग को रोकने के उनके कथित प्रयासों से जुड़ा था।

बुधवार को जिन एफबीआई कर्मियों को निकाला गया, वे सभी गोपनीय दस्तावेजों वाले मामले में शामिल थे। बीबीसी ने इस पर टिप्पणी के लिए एफबीआई से संपर्क किया है। वर्तमान और पूर्व एफबीआई कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक वकालत समूह ने इन बर्खास्तगी की निंदा की है।

क्लासिफाइड दस्तावेजों की स्मिथ की जांच के बाद 2023 में ट्रंप और उनके दो सहयोगियों को आरोपी बनाया गया था। 2024 में, फ्लोरिडा के एक संघीय न्यायाधीश ने ट्रंप के खिलाफ मामला यह पाते हुए खारिज कर दिया कि स्मिथ की नियुक्ति अवैध थी। इस साल, जॉर्जिया की एक फेडरल अपील अदालत ने ट्रंप के न्याय विभाग के अनुरोध पर अंतिम दो प्रतिवादियों के खिलाफ मामला हटा दिया था। जनवरी में ट्रंप की व्हाइट हाउस में वापसी के बाद से न्याय विभाग और एफबीआई ने उन कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया है जिन्होंने उनके खिलाफ संघीय जांच में हिस्सा लिया था। न्याय विभाग ने पूर्व एफबीआई निदेशक जेम्स कोमी, जिन्हें ट्रंप ने 2017 में अपने पहले कार्यकाल के दौरान बर्खास्त किया था, और न्यूयॉर्क की अटॉर्नी जनरल लेटिटिया जेम्स ने ट्रंप के खिलाफ एक नागरिक धोखाधड़ी का मुकदमा चलाया था, उनके खिलाफ भी आरोप तय करने की कोशिश की।

जिनेवा में परमाणु मुद्दे पर अमेरिका और ईरान के बीत तीसरे दौर के बातचीत समाप्त

जिनेवा,(वार्ता)। अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु हथियारों के मुद्दे पर तीसरे दौर की बातचीत यहां समाप्त हो गयी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दोनों देश अगले हफ्ते वियना में तकनीकी स्तर की बातचीत कर सकते हैं। अमेरिका इस बात को लेकर सोच रहा है कि क्या नयी कूटनीति से ईरान के परमाणु हथियारों के इरादों पर रोक लग सकती है या आखिरकार सैन्य बलों का ही सहारा लेना पड़ सकता है। बातचीत से जुड़े सूत्रों के मुताबिक अमेरिकी अधिकारियों ने ईरान पर फोर्डो, नतांज़ और इस्फ़ाहान में अपने परमाणु केंद्रों को खत्म करने और यूरेनियम के बचे हुए भंडार को देश से बाहर भेजने का दबाव डाला है। सूत्रों के अनुसार ईरान के अपने परमाणु केंद्रों को खत्म करने, काफी यूरेनियम को अमेरिका को भेजने और एक स्थायी समझौते के लिए अमेरिका की ओर से रखी गयी शर्तों मानने की उम्मीद कम है।

केजरीवाल के साथ सत्य और न्याय दोनों खड़े : अखिलेश

लखनऊ (वार्ता)

शराब घोटाला केस में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को सीबीआई केस में बरी किये जाने पर समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष ने भाजपा को आड़े हाथ लिया है।

उन्होंने इसे भाजपा के लिए 'नैतिक मृत्युदंड' बताते हुए कहा कि आज दिल्ली के लोकप्रिय पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के साथ सत्य और न्याय दोनों खड़े हैं। शुक्रवार को सोशल मीडिया के जरिये प्रतिक्रिया देते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि आरोप कभी इतना बड़ा नहीं हो सकता कि वो सच को आच्छादित कर ले। आज हर ईमानदार आशा भरी सांस लेगा और भाजपा के समर्थक शर्म के मारे घोर आत्म-लज्जित हो रहे होंगे। भाजपा ने दिल्ली के

निवासियों से विश्वासघात किया है।

उन्होंने कहा कि जो कपटजीवी सनातनी शंकराचार्य, साधु, संतों, संन्यासियों तक पर झूठे आरोप लगाने का महापाप करते हैं। वो भला किसी सरकार, दल या किसी व्यक्ति को बदनाम करने के लिए किस हद तक जा सकते हैं। इसकी कल्पना कोई शरीफ़ आदमी कर ही नहीं सकता है। अखिलेश यादव ने कहा कि आज़ादी से पहले, वर्तमान सत्ता के जो 'संगी-साथी' देश के दुश्मनों से मिले हुए थे और स्वतंत्रता सेनानियों को फाँसी के फंदों तक पहुँचाने के लिए, आज़ादी के दीवानों के ख़िलाफ़ मुख़बिरी जिनका काम रहा है। जो देश को गुलाम बनानेवाले साम्राज्यवादियों के माफ़ी-वज़ीफ़े पर रहकर अपनी भूमिगत भूमिका निभाते रहे हैं, छल-छलावे के वो विचारवंशी भाजपाई, आज किसी को मुँह दिखाने लायक नहीं बचे हैं।

तमिलनाडु विस चुनाव दुनिया के लिए एक मिसाल बनेंगे : ज्ञानेश कुमार

चेन्नई, (वार्ता)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने शुक्रवार को कहा कि आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनाव इस तरह से कराए जाएंगे जो दुनिया के लिए एक मिसाल बनेंगे। राज्य चुनाव अधिकारियों के साथ चुनावी तैयारियों की समीक्षा करने और मान्यता प्राप्त राजनीतिक पार्टियों की राय जानने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और तमिलनाडु के चुनाव देश की चुनाव प्रणाली की मजबूती, पारदर्शिता और दक्षता को दिखाएंगे।उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में अभी 5.67 करोड़ पंजीकृत मतदाता हैं, जिनमें 2.87 करोड़ महिला मतदाता शामिल हैं। उन्होंने कहा कि कुल मतदाताओं में से लगभग एक करोड़ युवा मतदाता है जिनकी उम्र 22 से 29 साल के बीच थी, इसके अलावा लगभग 12.5 लाख पहली बार मतदाता बने हैं और ये 18 से 19 वर्ष के थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने होली से पहले वेतन भुगतान के दिए सख्त निर्देश

लखनऊ,(वार्ता)। होली पर्व को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि नियमित कर्मचारियों सहित आउटसोर्सिंग, संविदा और सफाईकर्मियों का वेतन होली से पूर्व हर हाल में जारी किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि भुगतान में किसी प्रकार की लापरवाही या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि सभी विभाग अपने स्तर से वेतन वितरण की प्रक्रिया तत्काल पूरी करें, ताकि कर्मचारियों को त्योहार के दौरान किसी प्रकार की आर्थिक असुविधा का सामना न करना पड़े। शासन ने शनिवार, 28 फरवरी 2026 को कार्यदिवस घोषित किया है। वहीं कर्मचारियों को 3 मार्च 2026 का अतिरिक्त अवकाश दिया जाएगा। होली पर्व के अवसर पर 2, 3 और 4 मार्च को सार्वजनिक अवकाश रहेगा। सरकार के इस निर्णय को कर्मचारियों के हित में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिससे त्योहार से पहले उन्हें समय पर वेतन मिल सकेगा।

एपस्टीन के साथ संबंधों को लेकर सांसदों को करना चाहिए ट्रम्प से सवाल: क्लिंटन

वाशिंगटन, (वार्ता)

अमेरिका की पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन ने सांसदों से अपील की है कि उन्हें यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के संबंधों को लेकर उनसे सवाल करने चाहिये। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार सुश्री क्लिंटन इस मामले को लेकर कांग्रेस (संसद) की समिति के समक्ष उपस्थित हुईं। उन्होंने कहा कि उन्हें एपस्टीन के अपराधों के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। इस दौरान उन्होंने सांसदों से आग्रह किया कि उन्हें श्री ट्रंप से एपस्टीन के साथ उनके संबंधों के बारे में पूछताछ करनी चाहिए, क्योंकि उन्होंने संविधान की शपथ ली है।

सुश्री क्लिंटन ने कांग्रेस समिति के समक्ष घंटों गवाही देने के बाद कहा, मैं सच सामने आते देखना चाहती हूं। इस मामले में सुश्री क्लिंटन के पति एवं अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन शुक्रवार को गवाही देंगे। हालांकि दोनों ने समिति की ओर से तलब किये जाने का विरोध किया है और इसे इसे राजनीति से प्रेरित बताया है। बाद में ये दोनों फिर गवाही देने के लिए सहमत हो गए क्योंकि उनके खिलाफ कांग्रेस की अवमानना की संभावित कार्रवाई की आशंका थी। श्री क्लिंटन और श्री ट्रंप ने एपस्टीन के साथ संबंधों को लेकर कुछ भी गलत करने से इनकार किया है। कांग्रेस की समिति के समक्ष गुरुवार को छह घंटे तक गवाही देने के बाद

सुश्री क्लिंटन ने संवाददाताओं से कहा, वह निराश हैं कि गवाही सार्वजनिक नहीं की गयी। गवाही सार्वजनिक की गयी होती, तो मुझे यहां आकर आपके इस बारे में बात नहीं करनी पड़ती। इस दौरान उन्होंने समिति के अध्यक्ष जेम्स कॉमर की भी तारीफ़ की कि उन्होंने जांच के तरीके के बारे में कई ज़रूरी सवाल उठाए और उन विषयों के बारे में उनकी बात सुनी जिन पर उन्हें लगता है कि जांच की ज़रूरत है। उन्होंने कहा, मैंने उनकी तारीफ़ करती हूं। मैं सच सामने आते देखना चाहती हूं, इसलिए यह एक बहुत लंबे, बार-बार होने वाले बयान को खत्म करने का एक भरोसा दिलाने वाला तरीका था। सुश्री क्लिंटन ने कहा कि उन्होंने समिति के रिपब्लिकन सदस्यों की इस बात के लिए आलोचना की कि उन्होंने एपस्टीन या उनकी दोषी साथी, घिसलेन मैक्सवेल के बारे में किसी और से नहीं पूछताछ नहीं की।

उन्होंने कहा कि वह एपस्टीन को नहीं जानती थीं। वहीं, श्री क्लिंटन ने कहा है कि उन्हें एपस्टीन के अपराधों के बारे में कोई जानकारी नहीं थी और उन्होंने दो दशक पहले उससे संबंध तोड़ लिए थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति पद छोड़ने के बाद चैरिटी के काम के सिलसिले में उनका संपर्क हुआ था और उन्होंने इस बात पर अफ़सोस जताया है कि वह कभी भी उस वित्तपोषक से जुड़े थे, जिसकी 2019 में न्यूयॉर्क शहर की जेल में मौत हो गई थी।

भारतीय नौसेना ने अपनी पनडुब्बी-रोधी युद्ध क्षमताओं को बढ़ाया

चेन्नई,(वार्ता)। भारतीय नौसेना ने अपनी पनडुब्बी-रोधी युद्ध (एएसडब्ल्यू) क्षमताओं को मजबूत करने के हिस्से के तौर पर चेन्नई बंदरगाह पर %डॉल्फिन हंटर% आईएनएस अंजदीप को औपचारिक तौर पर शामिल किया। इस युद्धपोत का उद्देश्य भारतीय नौसेना की पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमताओं और तटीय निगरानी को बढ़ाना है। आठ-पनडुब्बी रोधी युद्ध जलपोत परियोजना का तीसरा युद्धपोत है। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने इस युद्धपोत को चेन्नई बंदरगाह पर पूर्वी नौसेना कमान में आधिकारिक तौर पर शामिल किया। भारतीय नौसेना ने इसके साथ अपनी स्वदेशी पनडुब्बी-रोधी युद्ध क्षमताओं को बढ़ाया। इस उन्नत युद्धपोत को नौसेना में शामिल कर भारत ने आत्मनिर्भर भारत और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया है। एएसडब्ल्यू-एसडब्ल्यूसी ने स्वदेशी युद्धपोत डिजाइन और निर्माण का शानदार उदाहरण पेश किया है।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

मर्दानी 3 की सफलता दर्शकों के जबरदस्त प्यार के साथ एक शांत लेकिन बेहद मजबूत संदेश दे रही है : रानी मुखर्जी

बॉलीवुड अभिनेत्री रानी मुखर्जी का मानना है कि मर्दानी 3 की सफलता दर्शकों के जबरदस्त प्यार के साथ एक शांत लेकिन बेहद मजबूत संदेश दे रही है। मर्दानी 3 अब तक की मर्दानी फ्रेंचाइज़ी की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन चुकी है और आज इसने एक और अहम मुकाम हासिल करते हुए भारत में 50 करोड़ रुपये और विश्व स्तर पर 75 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। रानी मुखर्जी का मानना है कि मर्दानी 3 की सफलता दर्शकों के जबरदस्त प्यार के साथ एक शांत लेकिन बेहद मजबूत संदेश दे रही है। रानी मुखर्जी ने कहा,मैं दिल से आभारी हूं कि मर्दानी 3 ने दर्शकों से इतना गहरा जुड़ाव बनाया है। ऐसे समय में जब बॉक्स ऑफिस की चर्चा मुख्य रूप से 'अल्फा मेल' किरदारों के इर्द-गिर्द घूम रही है, यह सफलता एक बहुत ही ताकतवर बात साबित करती है कि महिला प्रधान फिल्मों का भी दर्शक वर्ग है। मुझे उम्मीद है कि इंडस्ट्री ने इस संकेत को समझा होगा, जिससे आगे ऐसी और फिल्में बनें। रानी मुखर्जी ने कहा, शिवानी शिवाजी रॉय को किसी की 'फीमेल वर्ज़न' के तौर पर नहीं लिखा गया है। वह सिर्फ एक हीरो है ईमानदारी, साहस और संवेदनशीलता से परिभाषित। वह अपने पुरुष समकक्षों के बराबर है। दर्शकों द्वारा उनकी कहानी को इतने मजबूती से अपनाया जाना यह दिखाता है कि लोग ऐसी कहानियों के लिए तैयार हैं, जहां महिला सिर्फ भावनात्मक ही नहीं, बल्कि व्यावसायिक रूप से भी फिल्म का नेतृत्व करे। रानी मुखर्जी ने कहा, यह उपलब्धि सिर्फ आंकड़ों से कहीं बड़ी है। यह इंडस्ट्री को यह संदेश देती है कि उद्देश्यपूर्ण कंटेंट, जो एक मजबूत महिला किरदार पर आधारित हो, वह भी हीरो-ड्रिवन फिल्मों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा हो सकता है।

जिंदगी के अनजाने सफर से बेहद प्यार करते थे गीतकार इंदीवर

जिंदगी से बहुत प्यार हमने किया, मौत से भी मोहब्बत निभाएंगे हम, रोते रोते जमाने में आए...मगर हंसते हंसते जमाने से जाएंगे हम। जिंदगी के अनजाने सफर से बेहद प्यार करने वाले हिन्दी सिने जगत के मशहूर शायर और गीतकार इंदीवर का जीवन से प्यार उनकी लिखी हुई इन पंक्तियों में समाया हुआ है। श्यामलाल बाबू राय उर्फ इंदीवर का जन्म उत्तर प्रदेश के झांसी में 1924 में हुआ था। बचपन से ही वह गीतकार बनने का सपना देखा करते थे और अपने इसी सपने को पूरा करने के लिए वह मुंबई आ गए। बतौर गीतकार सबसे पहले 1946 में प्रदर्शित फिल्म डबल क्रॉस में उन्हें काम करने का मौका मिला, लेकिन फिल्म की असफलता से वह कुछ खास पहचान नहीं बना पाए। अपने वजूद को तलाशते इंदीवर को गीतकार के रूप में पहचान बनाने के लिए लगभग पांच वर्ष तक फिल्म इंडस्ट्री में संघर्ष करना पड़ा। इस दौरान उन्होंने कई बी और सी ग्रेड की फिल्मे भी की।

वर्ष 1951 मे प्रदर्शित फिल्म मल्हार की कामयाबी से वह गीतकार के रूप में कुछ हद तक वह अपनी पहचान बनाने में सफल हो गए। इस फिल्म का गीत बड़े अरमानो से रखा है बलम तेरी कसम श्रोताओं के बीच आज भी लोकप्रिय है। वर्ष 1963 में बाबूभाई मिस्त्री की संगीतमय फिल्म पारसमणि की सफलता के बाद इंदीवर शोहरत की बुंलदियो पर जा पहुंचे।

इंदीवर की जोड़ी निर्माता-निर्देशक मनोज कुमार के साथ बहुत जमी। मनोज कुमार ने सबसे पहले उनसे फिल्म उपकार के लिढ गीत लिखने की पेशकश की। कल्याणजी आनंद जी के संगीत निर्देशन में उपकार के लिए इंदीवर ने

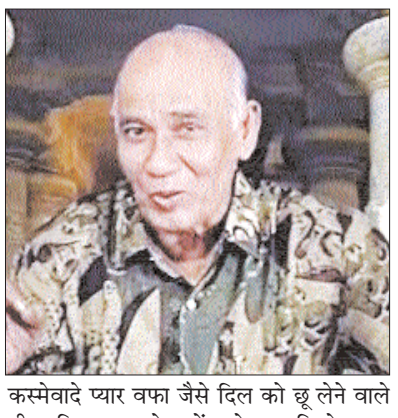

कस्मेवादे प्यार वफा जैसे दिल को छू लेने वाले गीत लिखकर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया।इसके अलावा मनोज कुमार की फिल्म पूरब और पश्चिम के लिए भी उन्होंने दुल्हन चली वो पहन चली और कोई जब तुम्हारा हृदय तोड़ दे जैसे सदाबहार गीत लिखकर अलग ही समां बांधा। वर्ष 1970 मे विजय आनंद निर्देशित फिल्म जॉनी मेरा नाम में नफरत करने वालो के सीने में प्यार भर दूं, पल भर के लिए कोई मुझे प्यार कर ले जैसे रूमानी गीत लिखकर इंदीवर ने श्रोताओ का दिल जीत लिया।

मनमोहन देसाई के निर्देशन में फिल्म सचा-झूठा के लिए इंदीवर का लिखा एक गीत मेरी प्यारी बहनिया बनेगी दुल्हनिया को आज भी शादी के मौके पर सुना जा सकता है। इसके अलावा फिल्म राजेश खन्ना अभिनीत फिल्म सफर के लिए उन्होंने जीवन से भरी तेरी आंखे और जो तुमको हो पसंद' जैसे गीत लिखकर श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। जाने माने फिल्मकार राकेश रोशन की फिल्मों के लिए इंदीवर ने सदाबहार गीत लिखकर उनकी फिल्मो को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके सदाबहार गीतों के कारण ही राकेश रोशन की यादातार फिल्मे आज भी याद की जाती हैं। इन फिल्मों में खासकर कामचोर, खुदगर्ज, खून भरी मांग, कालाबाजार, किशन कन्हैया, किंग अंकल, करण अर्जुन, कोयला जैसी फिल्में शामिल हैं।

राकेश रौशन के अलावा इंदीवर के पसंदीदा निर्मात-निर्देशको में मनोज कुमार, फिरोज खान आदि प्रमुख रहे हैं। इंदीवर के पसंदीदा संगीतकार के तौर पर कल्याण जी आनंदजी का नाम सबसे ऊपर आता है। कल्याणजी-आनंदजी के संगीत निर्देशन में उनके गीतों को नई पहचान मिली। शायद कल्याणजी-आनंद जी इंदीवर के दिल के काफी करीब थे। सबसे पहले इस जोड़ी का गीत संगीत 1965 में प्रदर्शित फिल्म हिमालय की गोद में पसंद किया गया।

इसके बाद इंदीवर द्वारा रचित फिल्मी गीतों में कल्याणजी-आनंदजी का ही संगीत हुआ करता था। ऐसी फिल्मो में उपकार, दिल ने पुकारा, सरस्वती चंद्र, यादगार, सफर, सचा झूठा, पूरब और पश्चिम, जॉनी मेरा नाम, पारस, उपासना, कसौटी, धर्मात्मा, हेराफेरी, डॉन, कुर्बानी, कलाकार आदि शामिल हैं। वर्ष 1975 मे प्रदर्शित फिल्म अमानुष के लिए इंदीवर को सर्वश्रेष्ठ गीतकार का फिल्म फेयर पुरस्कार दिया गया। इंदीवर ने अपने सिने कैरियर में लगभग 300 फिल्मों के लिए गीत लिखे। लगभग तीन दशक तक अपने रचित गीतों से श्रोताओं को भावविभोर करने वाले इंदीवर 27 फरवरी 1997 को इस दुनिया को अलविदा कह गये।

तापसी पन्नू ने दर्शकों से फिल्म अस्सी देखने की अपील की

अभिनेत्री तापसी पन्नू ने दर्शकों से अपनी फिल्म अस्सी देखने की अपील की है। फिल्म थप्पड़ के जरिए घरेलू हिंसा पर देशभर में बहस छेड़ने के छह साल बाद, तापसी पन्नू ने एक बार फिर वही जोश जगा दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक दिल छू लेने वाला वीडियो शेयर किया है, जिसमें वो दर्शकों से अपनी नई फिल्म अस्सी देखने की अपील कर रही हैं। अपनी पिछली कामयाबी और इस नए प्रोजेक्ट को एक साथ जोड़ते हुए, तापसी ने इस इमोशनल वीडियो के कैप्शन में लिखा है- थप्पड़ से अस्सी तक वीडियो में तापसी उन फिल्मों के बारे में बात करती हैं जो दिल को छू जाती हैं। उन्होंने कहा, हाय! कुछ फिल्में होती हैं जिनके लिए मैसेज आते हैं कि, क्या कहानी है! कुछ फिल्में होती हैं जिनके लिए मैसेज आते हैं कि क्या गजब का किरदार निभाया है! और कुछ फिल्में ऐसी होती हैं जिनके लिए मैसेज आते हैं कि यह फिल्म करने के लिए आपका शुक्रिया! कुछ फिल्मों के रिव्यूज में लिखा होता है कि क्या एंटरटेनिंग फिल्म है, जरूर देखें!

और कुछ फिल्में ऐसी होती हैं जिनके रिव्यूज में लगातार एक ही बात लिखी होती है कि बहुत अनकंफर्टेबल है ,देखकर गुस्सा आया, पर देखनी जरूर चाहिए! तापसी ने कहा, ऐसी ही एक फिल्म छह साल पहले आई थी थप्पड़ और उसी डायरेक्टर की खुशकिस्मती से मेरे साथ एक और पिक्चर एक हफ्ते पहले आई है अस्सी। इतने प्यारे-प्यारे मैसेज, इतने शानदार रिव्यूज, पर सबसे जरूरी बात यह है कि कितने सारे लोगों ने इस मुद्दे को पर्सनली लिया है। मैंने वो खूबसूरत आर्टिकल्स और वीडियो सब देखे और पढ़े हैं, शायद आपने भी पढ़े और देखे होंगे। यदि इतने सारे लोग इसे देख और पढ़ रहे हैं, तो कुछ तो बात होगी ही। तो अगर आपको लगे कि देखना तो बनता है, कि आखिर कैसी पिक्चर है जिसके लिए लोग इतनी शिद्दत, इतने प्यार और इतने जबे से लिख रहे हैं, तो एक बार जरूर देखें।

कर वसूली का सख्त अभियान कार्रवाई में 8 नल कनेक्शन काटे

वित्तीय वर्ष समाप्ति पर वार्ड वार्ड पहुंच रही राजस्व टीम

करेली (स्वतंत्र मत)।

नगर पालिका परिषद करेली द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 की समाप्ति से पूर्व राजस्व वसूली को लेकर विशेष अभियान तेज कर दिया गया है। संपत्ति कर, जलकर, दुकान किराया एवं अन्य करों की बकाया राशि की वसूली के लिए नगर के प्रत्येक वार्ड में अधिकारी-कर्मचारी सक्रिय रूप से अभियान चला रहे हैं। मुख्य नगर पालिका अधिकारी के निर्देशानुसार प्रतिदिन सघन कर वसूली अभियान संचालित किया जा रहा है। वित्तीय वर्ष के समापन को देखते हुए निकाय की टीम लक्ष्य पूर्ति के लिए निरंतर प्रयासरत है और घर-घर पहुंचकर बकायादारों से संपर्क कर रही है।

बकायादारों में बढ़ी हलचल

नगर पालिका द्वारा लंबे समय से कर जमा न करने वाले बड़े बकायादारों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। बकाया राशि जमा न करने पर नल कनेक्शन विच्छेद किए जा रहे हैं। इसी क्रम में नगर के विभिन्न वार्डों में अब तक 8 नल कनेक्शन काटे जा चुके हैं। इस कार्रवाई के बाद बकायादारों में हलचल का माहौल देखा जा रहा है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कर अदायगी में लापरवाही बरतने वालों के विरुद्ध आगे भी नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी। साथ ही नागरिकों से अपील की गई है कि वे स्वेच्छा से अपना बकाया कर जमा कर नगर विकास में सहभागी बनें।

विशेष अभियान में राजस्व अमला सक्रिय

नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सुशीला ममार एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीकांत पाटर के मार्गदर्शन में राजस्व विभाग का अमला पूरी तत्परता से अभियान में जुटा हुआ है। राजस्व शाखा प्रभारी रामकुमार जाटव के नेतृत्व में शंकर ठाकुर, हेमराज त्रिपाठी, अखिलेश चंदोलिया, आशिक अली, बृजेश जाटव, गौतम रजक, संतोष कहार, आनंद चौधरी, राजेंद्र यादव, धनीराम कहार, रामसिंह ठाकुर, राजेश रघुवंशी, राघवेंद्र राजपूत, देवेंद्र नेमा, थान सिंह यादव, खूबचंद चौधरी, ज्ञानेंद्र राजपूत, राधेश्याम साहू, दुर्गेश ठाकुर, रजनीकांत यादव, डालचंद पटेल सहित अन्य कर्मचारी अभियान में शामिल हैं। नगर के समुचित विकास, साफ-सफाई, अन्य मूलभूत सुविधाओं के सुचारू संचालन के लिए कर वसूली आवश्यक है। इसलिए आगामी दिनों में अभियान और अधिक सख्ती के साथ जारी रहेगा।

उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला से की मुलाकात सिविल अस्पताल उन्नयन का मुद्दा उठाया

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

क्षेत्र की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने की मांग को लेकर भाजपा नेता पवन पटेल ने मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला से सौजन्य भेंट कर लिखित मांग पत्र सौपा। मुलाकात के दौरान गाडरवारा शासकीय सिविल अस्पताल को 300 बिस्तरों में उन्नयन, विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति तथा 108 एम्बुलेंस सेवा में वृद्धि जैसे महत्वपूर्ण विषय प्रमुखता से रखे गए।

पवन पटेल ने बताया कि वर्ष 2023 में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के द्वारा गाडरवारा कार्यक्रम के दौरान गाडरवारा सिविल अस्पताल को 300 बिस्तरों के अस्पताल में उन्नत करने की घोषणा की गई थी, किंतु अब तक इस दिशा में ठोस प्रगति नहीं हो सकी है। वर्तमान में अस्पताल में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी के कारण मरीजों को नरसिंहपुर, जबलपुर एवं अन्य शहरों के लिए रेफर किया जा रहा है, जिससे आमजन को आर्थिक एवं मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

मुलाकात के दौरान जिला अस्पताल नरसिंहपुर एवं अन्य अस्पतालों में हृदय रोग विशेषज्ञ, न्यूरोलॉजिस्ट,नेत्र रोग विशेषज्ञ, एम डी मेडिसिन विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ सहित अन्य आवश्यक विशेषज्ञों की शीघ्र नियुक्ति की मांग रखी गई। साथ ही अस्पताल में आवश्यक उपकरण, जांच मशीनें, आईसीयू सुविधा एवं पर्याप्त स्टाफ की व्यवस्था सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया। इलाज के अभाव में मरीज अपनी जान तक गवा रहे हैं।

यह भी अवगत कराया कि गाडरवारा, तेंदूखेड़ा तहसील ग्रामीण क्षेत्र अधिक होने के कारण आपातकालीन परिस्थितियों में 108 एम्बुलेंस की संख्या बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है, ताकि समय पर मरीजों को उपचार मिल सके। अस्पताल रायसेन नर्मदापुरम और छिंदवाड़ा तीन जिलों की सीमा से लगी हुई है।

उपमुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ला ने विषय को गंभीरता से सुनते हुए आवश्यक परीक्षण एवं उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार और सुदृढ़ीकरण के लिए प्रतिबद्ध है तथा क्षेत्रीय आवश्यकताओं के अनुरूप निर्णय लिए जाएंगे। आसपास के क्षेत्रवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिलेगा।

रमजान के दूसरे जुम्मे पर मस्जिदों में हजारों लोगों ने नमाज अदा की

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

मुस्लिम समुदाय का रमज़ान का त्योहार खुशनुमा अंदाज में मनाया जा रहा है । रोजेदार रोजा रखकर अल्लाह की इबादत कर रहे हैं । रमजान के दूसरे जुम्मे पर मस्जिदों में हजारों लोगों ने नमाज अदा की । जामा मस्जिद में पेश इमाम हाफिज व कारी जुबेर आलम साहब ने जुम्मे की नमाज के पहले तकरीर में बताया कि रमजान में रहमतों की बारिश होती है । अल्लाह अपने बंदों की दुआ कुबूल करता है रमजान में रोजा इफ्तार कराना लोगो से मोहब्बत के साथ पेश आना गरीबो की मदद करना चाहिए वतन से मोहब्बत के साथ एकता भाईचारे का पैगाम देना चाहिए । जुमे के दिन मस्जिदों में रोजा इफ्तार में भारी संख्या में रोजेदारों ने सामूहिक रूप से रोजा खोलकर अल्लाह का शुक्र अदा किया । जामा मस्जिद , छोटी मस्जिद , मदीना मस्जिद में तरावीह की नमाज पढ़ी जा रही है सभी मस्जिदों में इबादत का दौर जारी है । मुस्लिम समाज के लोग एक दूसरे के घर रोजा इफ्तार के लिए अलग अलग पकवान, फल आदि अफ्तारी के रूप में भेज रहे है । सुबह शहरी से लेकर रोजा इफ्तार व तरावीह तक एक अलग ही मंजर नजर आ रहा है मुस्लिम समुदाय के लोग इबादत में मशगूल दिखाई दे रहे है। जामा मस्जिद कमेटी के अध्यक्ष अबरार खान ने सभी को रमजान की मुबारक बाद देते हुए सभी लोगो से मोहब्बत का संदेश देते सांप्रदायिक सौहार्द के साथ सभी पर्व मनाने की अपील की है ।

नौरादेही अभयारण्य विस्थापन प्रकरणों पर ग्राम मलकुही व ढाना में चौपाल आयोजित

कलेक्टर ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने नौरादेही अभयारण अंतर्गत प्रस्तावित विस्थापन के संबंध में विकासखंड नरसिंहपुर के ग्राम मलकुही एवं ढाना में चौपाल लगाकर दावा-आपत्तियों की सुनवाई की। ग्राम मलकुही में आयोजित चौपाल के दौरान 12 प्रकरणों को मौके पर ही पात्र घोषित किया गया, जबकि 7 प्रकरण अपात्र पाए गए। शेष प्रकरणों की जांच की कार्यवाही प्रचलित है। इसी प्रकार ग्राम ढाना में आयोजित चौपाल में कलेक्टर ने ग्रामीणों से विस्थापन से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने पात्र परिवारों से आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने का आग्रह करते हुए कहा कि दस्तावेजों के आधार पर प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा।

यहां अवगत कराया गया कि कुल 221 प्रकरणों में 184 पात्र पाए गए, जबकि 37 प्रकरण अपात्र पाए गए हैं।

ग्राम मलकुही व ढाना में चौपाल आयोजित

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने नौरादेही अभयारण अंतर्गत प्रस्तावित विस्थापन के संबंध में विकासखंड नरसिंहपुर के ग्राम मलकुही एवं ढाना में चौपाल लगाकर दावा-आपत्तियों की सुनवाई की। ग्राम मलकुही में आयोजित चौपाल के दौरान 12 प्रकरणों को मौके पर ही पात्र घोषित किया गया, जबकि 7 प्रकरण अपात्र पाए गए। शेष प्रकरणों की जांच की कार्यवाही प्रचलित है। इसी प्रकार ग्राम ढाना में आयोजित चौपाल में कलेक्टर ने ग्रामीणों से विस्थापन से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने पात्र परिवारों से आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने का आग्रह करते हुए कहा कि दस्तावेजों के आधार पर प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा।

स्वीकृत ऋण आवेदनों का शीघ्र वितरण सुनिश्चित करें : कलेक्टर

डीएलसीसी/डीएलआरसी की बैठक में योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने निर्देश दिए कि बैंकों में लंबित स्वीकृत ऋण आवेदनों का अविलंब वितरण किया जाए। यदि किसी कारणवश वितरण संभव न हो तो आवेदन कारण सहित संबंधित विभाग को वापस किए जाएं, ताकि पुन: आवश्यक कार्यवाही कर लक्ष्य के अनुरूप प्रकरण बैंकों को प्रेषित किए जा सकें। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2025- 26 में योजनाओं की शत-प्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित की जाए। उक्त निर्देश कलेक्टर ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जिला स्तरीय समन्वय समिति/ जिला स्तरीय समीक्षा बैठक (डीएलसीसी/ डीएलआरसी) में दिए। बैठक में एलडीओ आरबीआई श्री मयंक सेमवाल, डीडीएम नाबार्ड श्री उज्वलकांत, अग्रणी जिला प्रबंधक श्री अरुण कुमार सिंह, जिला समन्वयक बैंकर्स, शाखा प्रबंधक एवं संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय फेस की राशि, आजीविका मिशन, पशु पालन विभाग, मत्स्य विभाग, एससी विभाग सेंट आरसेटी से संबंधित स्वरोजगार योजनाओं की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने स्वीकृत, लंबित एवं वितरण प्रकरणों की विभागवार समीक्षा कर बैंकों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना एवं उद्यानिकी विभाग अंतर्गत पीएमएफएमई/ए सटी के लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति पर संबंधित विभागों एवं बैंकर्स को बधाई दी तथा अन्य योजनाओं में भी लक्ष्यपूर्ति के लिए समन्वित प्रयास करने के निर्देश दिए।

निर्धारित गेहूं पंजीयन केन्द्रों में नोडल के रूप में लगाई गई अधिकारी/ कर्मचारियों की ड्यूटी

नरसिंहपुर। राज्य शासन के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के निर्देशानुसार रबी विपणन वर्ष 2026- 27 में समर्थन मूल्य पर गेहूं के उपार्जन के लिए केन्द्रवार किसान पंजीयन के पर्यवेक्षण के लिए नोडल टीम का गठन करने का प्रावधान किया गया है। उक्त नोडल टीम में कृषि, सहकारिता, खाद्य, राजस्व विभाग के अधिकारी- कर्मचारियों को शामिल करते हुए प्रत्येक पंजीयन केन्द्र में एक- एक अधिकारी की ड्यूटी लगाई जाना है। इन्हीं निर्देशों के परिपालन में जिला आपूर्ति अधिकारी नरसिंहपुर ने जिले में निर्धारित गेहूं पंजीयन केन्द्रों में नोडल अधिकारी- कर्मचारियों की ड्यूटी लगाने का आदेश जारी किया है। जारी आदेश में कहा गया है कि उक्त अधिकारी- कर्मचारी आवंटित पंजीयन केन्द्रों का सतत निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण करेंगे। साथ ही नियमानुसार समय सीमा में पंजीयन का कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करेंगे।

ग्राम बौछार स्थित शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाकर ग्राम पंचायत को सौंपी

नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में राजस्व एवं पुलिस विभाग द्वारा गोटेगांव तहसील के ग्राम बौछार स्थित शमशान घाट की 126/1 शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई। कार्यवाही के दौरान संबंधित भूमि को तारबाड़ी कर सुरक्षित किया गया तथा विधिवत कब्जा ग्राम पंचायत को सौंपा गया। इस दौरान तहसीलदार श्री नीरज तखरया, राजस्व एवं पुलिस विभाग का अमला मौजूद था।

नि:शुल्क एंटी रेबीज टीकाकरण अभियान के तहत प्रथम दिवस नरसिंहपुर शहर के 243 श्वानों का हुआ टीकाकरण

शहर को रेबीज मुक्त बनाने नगरपालिका एवं पशुपालन विभाग की संयुक्त टीम द्वारा चलाया जा रहा अभियान

नरसिंहपुर। नगरपालिका एवं पशुपालन विभाग नरसिंहपुर की संयुक्त टीम द्वारा नरसिंहपुर शहर को रेबीज मुक्त बनाने और पशुपालकों को जागरूक करने के उद्देश्य से 27 एवं 28 फरवरी दो दिवसीय निःशुल्क एंटी रेबीज टीकाकरण एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के प्रथम दिवस शहर के विभिन्न हिस्सों में कुल 243 श्वानों को एंटी रेबीज वैक्सीन लगाई गई। मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं जिला शहरी विकास अभिकरण प्रभारी श्री नीलम चौहान, उप संचालक पशुपालन विभाग डॉ. सुनील बृजपुरिया और टीकाकरण नोडल अधिकारी डॉ. संजय मांझी ने दोनों विभागों की संयुक्त टीमों को नरसिंहपुर शहर के लिए रवाना किया। एंटी रेबीज टीकाकरण अभियान को सफल बनाने के लिए शहर में चार विशेष दल गठित किए गए हैं। इन टीमों को सुरक्षित टीकाकरण के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं, ताकि आवारा एवं पालतू श्वानों का टीकाकरण सुगमता के साथ किया जा सके। इस दौरान उपसंचालक पशुपालन विभाग डॉ. बृजपुरिया ने वार्ड निवासियों को रेबीज के प्रति जागरूक किया। शुक्रवार को अभियान के पहले दिन शहर के रेलवे स्टेशन, धनारे कॉलोनी, हाउसिंग बोर्ड, बेलापुरकर वार्ड, यादव कॉलोनी, रेवा नगर, इतवारा बाजार, पुराना बस स्टेंड, बजरंग वार्ड, गुरूद्वारा रोड, सुनका चौराहा, सुभाष वार्ड, मुशरान वार्ड, सांकल रोड और पुलिस लाइन में अभियान चलाकर श्वानों का टीकाकरण किया गया। अभियान के दूसरे दिन 28 फरवरी को यशोदा मैरिज गार्डन, झिरना रोड, गिरिराज स्कूल, गांधी चौराहा, किसानी वार्ड, तलापार, नरसिंह मंदिर व गणेश मंदिर, गुलाब चौराहा, पराडकर अस्पताल, एसएनपीएस स्कूल, संजय वार्ड, सिंहपुर चौराहा व बरगी कॉलोनी क्षेत्र में श्वानों को एंटी रेबीज का टीकाकरण किया जाएगा।

विभाग ने शहर के नागरिकों और पशुपालकों से अपील की है कि वे इस अभियान में सहयोग करें और अपने पालतू श्वानों को अनिवार्य रूप से टीका लगवाएं ताकि शहर को रेबीज जैसी घातक बीमारी से सुरक्षित रखा जा सके।

रजिस्ट्री की रजिस्टर्ड कॉपी के लिए अब नहीं करना पड़ेगा इंतजार

1960 से 2015 तक के रिकार्ड का किया जा रहा डिजिटाईजेशन

संपदा 2.0 पोर्टल पर आसानी से मिलेगी रजिस्ट्री की कॉपी

कटनी (स्वतंत्रमत)

रजिस्ट्री की रजिस्टर्ड कॉपी के लिए अब लोगों को ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। संपदा 2.0 पर कुछ ही समय में रजिस्ट्री की रजिस्टर्ड कॉपी ऑनलाइन मिलने लगेगी, इसके लिए प्रदेश के सभी जिला पंजीयक कार्यालयों में 1960 से 2015 तक के रिकार्ड का डिजिटाईजेशन किया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक जिला पंजीयक कार्यालय में वर्ष 2015 से पहले ऑफलाइन हुई पुरानी रजिस्ट्रियों का रिकॉर्ड को पिछले एक साल से स्कैन कर अपलोड किया जा रहा है। इस कार्य को पूरा करने का लक्ष्य सरकार ने 1 अप्रैल रखा है। इसके बाद संपदा 2.0 पोर्टल पर लोगों को निर्धारित प्रक्रिया कर रजिस्ट्री

उपलब्ध कराई जा सकेंगी। लोगों को दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। उन्हें आवश्यकता पड़ने पर रजिस्ट्री की रजिस्टर्ड कॉपी ऑनलाइन जल्दी मिल जाएगी, इससे लोगों की समय की बचत होगी। वर्ष 2015 से रजिस्ट्री प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन हो गई थी। समस्या वर्ष 2015 से पहले हुई रजिस्ट्रियों की नकल निकालने में हो रही थी, जसके चलते पुरानी रजिस्ट्रियों को भी संपदा 2.0 पर अपलोड कर लोगों की मुश्किले कम की जा रही है। अभी लंबी प्रक्रिया में लगता है समय- अप्रैल 2015 से पहले हुई रजिस्ट्री की रजिस्टर्ड कॉपी लेने के आवेदक को रजिस्ट्री धारक का नाम, रजिस्ट्री क्रमांक सहित दर्ज करते हुए उप पंजीयक के नाम आवेदन करना पड़ता है। इसमें 100 रुपए के स्टाम्प के साथ 200 रुपए नकल शुल्क भी लगता है, जिसमें 3 दिन से सप्ताह भर तक समय लग जाता है। अगर रजिस्ट्री ज्यादा पुरानी होती है तो इसे ढूंढना मुश्किल होता है। 300 रुपए देने होंगे - व्यक्ति अपनी रजिस्ट्री की रजिस्टर्ड कॉपी प्राप्त करने के लिए संपदा 2.0 पर ऑनलाइन आवेदन करेगा और 300 रुपए पेमेंट कर 3 सेकंड में रजिस्ट्री की रजिस्टर्ड निकाल सकेगा। यह प्रक्रिया आम लोगों के लिए फायदेमंद है। उन्हें दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे।

लोगों की समस्याएं होगी कम

जिला पंजीयक पंकज कोरी ने बताया कि में पुराने रिकॉर्ड में से बार-बार रजिस्ट्रियां निकालने पर रिकॉर्ड खराब होता है। आवेदन आने पर पुरानी रजिस्ट्रियों को सर्च करना मुश्किल होता था, इससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसलिए अब पुराने रिकॉर्ड को स्कैन कर ऑनलाइन किया जा रहा है। उन्हें रजिस्ट्री हासिल करने में लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

लमतरा औद्योगिक क्षेत्र की फैक्ट्री में आग

समय रहते आग पर पाया काबू

कटनी (स्वतंत्रमत)। लमतरा औद्योगिक क्षेत्र स्थित रीम फैक्ट्री में गत दिवस आग लगने की सूचना पुलिस कंट्रोल रूम के माध्यम से मिलते ही नगर पालिक निगम का फायर अमला तुरंत हरकत में आ गया। बस स्टैंड जोन कार्यालय से फायर वाहन टीम सहित मौके के लिए रवाना किया गया और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किए गए। सहायक फायर इंचार्ज शैलेन्द्र कुमार दुबे ने बताया कि कर्मचारियों ने सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए काफी मशक्कत के बाद आग पर

काबू पा लिया। आग बुझाने के लिए बस स्टैंड और खिरहनी जोन कार्यालय से दो-दो राउंड फायर वाहन भेजे गए। समय रहते की गई कार्रवाई से संभावित बड़े नुकसान को टाल दिया गया। निगम प्रशासन ने बताया कि सिविल लाइन मुख्य कार्यालय सहित सभी जोन कार्यालयों का फायर अमला 24 घंटे अलर्ट मोड पर तैनात रहता है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई की जा सके।

संकल्प से समाधान शिविर का जनपद पंचायत के सीईओ ने किया औचक निरीक्षण

आवेदनों पर तत्परता पूर्वक कार्यवाही करने के दिए निर्देश

कटनी (स्वतंत्रमत)

कलेक्टर आशीष तिवारी एवं जिला पंचायत की सीईओ हरसिमरनप्रीत कौर के निर्देश पर संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत आयोजित शिविरों में ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण किया जा रहा है। इसी अनुक्रम में जनपद पंचायत ढीमरखेड़ा की ग्राम पंचायत कछारगांव छोटा में आयोजित संकल्प से समाधान शिविर का निरीक्षण जनपद पंचायत के सीईओ यजुवेंद्र कोरी ने किया। शिविर में ग्राम पंचायत बरहटा, अतरसुमा, घाना, गूडा, इटली, कछारगांव बड़ा शामिल हुई। शिविर में विभिन्न विभागों के 379 आवेदन पत्र प्राप्त हुए जिनमें से 307 आवेदन पत्रों का मौके पर ही निराकरण किया गया। 49 आवेदन पत्र अस्वीकृत एवं 20 आवेदन पत्र लंबित रहे। जनपद पंचायत

के सीईओ ने लंबित आवेदन पत्रों पर तत्परता पूरक कार्यवाही करते हुए यथोचित निराकरण करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। शिविर के दौरान समस्त कर्मचारी एवं ग्रामीणों को पालीथीन का उपयोग ना करने की शपथ जनाभियान परिषद के द्वारा दिलाई गई। इस दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

डाइट कटनी ने की प्राथमिक शालाओं का आकलन

कटनी (स्वतंत्रमत)। कलेक्टर के निर्देशानुसार डाइट कटनी की टीम द्वारा प्राथमिक शाला जुहली, देवरा खुर्द, जुहला एवं जुगियाकाप की प्राथमिक कक्षाओं 1-2-3 के विद्यार्थियों का आकलन किया गया। जुहली और देवरा खुर्द में शिक्षिकाओं अंजी गुप्ता वंदना दुबे एवं नीति खरे का कार्य अत्यंत सराहनीय पाया गया। जुहला में विद्यार्थियों का स्तर सामान्य एवं जुगियाकाप में सामान्य से नीचे पाया गया। सभी टीचर्स को स्तर सुधार हेतु सुझाव दिये गये। 15 दिवस बाद फॉलो अप किया जायेगा। कई बार निर्देशित करने के बाद भी कुछ प्राथमिक शालाओं में निपुण भारत लक्ष्य प्रदर्शित नहीं किया जाना घोर अवहेलना का द्योतक है। सभी सीएसी ऐसे स्कूलों के विरुद्ध कार्रवाई हेतु प्रस्ताव भेजें जो निपुण भारत के लक्ष्य प्राप्त करने हेतु निरंतर निर्देशों की अवहेलना कर रहे हैं और बच्चों की एट ग्रेड कॉपियां/अभ्यास पुस्तिकाएं ठीक से चेक नहीं कर रहे हैं। साथ ही सराहनीय कार्य करने वाले शिक्षकों को सराहना पत्र आवश्यक रूप से जारी करने के निर्देश जन शिक्षा केन्द्रों को दिए गए।

आधा सैकड़ा से अधिक शराब विक्रेताओं पर कार्रवाई

ऑपरेशन शिकंजा : 128 लीटर देशी-विदेशी शराब जत

कटनी (स्वतंत्रमत)। जिले में अवैध शराब के निर्माण, परिवहन एवं विक्रय पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से कटनी पुलिस द्वारा संचालित विशेष अभियान ऑपरेशन शिकंजा के अंतर्गत बड़ी कार्रवाई की गई है। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन एवं अतिरित पुलिस अधीक्षक संतोष डेहरिया के मार्गदर्शन में जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में सघन अभियान चलाते हुए 69 प्रकरणों में कुल 69 अवैध शराब विक्रेताओं के विरुद्ध कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान आरोपियों के कब्जे से लगभग 86 हजार रुपये मूल्य की 128 लीटर अवैध देशी विदेशी शराब एवं 49 लीटर कच्ची शराब को जप्त किया गया है। कार्रवाई में संलिप्त आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। कटनी

पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि यदि कहीं भी अवैध शराब के निर्माण या विक्रय की सूचना होए तो तत्काल पुलिस कंट्रोल रूम नंबर 7587615946 पर सूचित करें। सूचना देने वाले का नाम पूर्णत: गोपनीय रखा जाएगा।

छात्रों की मानसिक स्थिति पर साईनाथ इंस्टीट्यूशन में व्याख्यान

कटनी (स्वतंत्रमत)। साईनाथ इंस्टीट्यूशन मुरावल में छात्रों की मानसिक स्थिति विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. संध्या खरे प्राचार्य, नालंदा कॉलेज ने विद्यार्थियों को वर्तमान समय में बढ़ते मानसिक दबाव, तनाव और असमंजस की स्थिति पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया। उन्होंने छात्रों को बताया कि प्रतिस्पर्धा, अपेक्षाओं और सोशल मीडिया के प्रभाव के कारण मानसिक संतुलन प्रभावित हो रहा है। ऐसे में सकारात्मक सोच, समय प्रबंधन, नियमित संवाद और सही मार्गदर्शन से स्थिति में सुधार संभव है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी समस्याएं साझा करने और आवश्यकता पड़ने पर विशेषज्ञ

सलाह लेने की भी सलाह दी। कार्यक्रम में श्री हॉस्पिटल एजुकेशन एंड स्पोर्ट सोसाइटी द्वारा संचालित संस्थान की चेयरपर्सन डॉ. शोभना सक्सेना, प्रेसिडेंट डॉ. दीपक सक्सेना, डायरेक्टर आमोद सर, स्वाति मैम, डॉ. शांभवी सक्सेना एवं कोऑर्डिनेटर प्रदीप पटेल सहित महाविद्यालय के जॉइंट डायरेक्टर दीपक माथुर, प्राचार्य डॉ. भारती तिवारी, उपप्राचार्य संजय शर्मा तथा समस्त प्राध्यापकगण उपस्थित रहे। अंत में विद्यार्थियों ने व्याख्यान को अत्यंत उपयोगी बताते हुए आभार व्यत किया।

वन स्टॉप सेंटर बना सुरक्षित घर वापसी का माध्यम

संवाद, काउंसलिंग और समन्वय से युवती सरला सुरक्षित लौटी

कटनी (स्वतंत्रमत)

कलेक्टर आशीष तिवारी की संवेदनशीलता के चलते व वन स्टॉप सेंटर के प्रयासों से अनूपपुर जिले की एक युवती, सरला परिवर्तित नाम सुरक्षित अपने घर पहुंची। सरला ने पारिवारिक कारणों से बिना परिजनों को बताए घर छोड़ दिया और ट्रेन में बैठकर कटनी आ गई। वहीं उसका परिवार उसकी तलाश में परेशान था। कटनी स्टेशन पर अकेली देखी गई सरला के बारे में जानकारी मिलने पर जीआरपी कटनी ने वन स्टॉप सेंटर की टीम से संपर्क किया। स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए, सरला को तत्काल वन स्टॉप सेंटर में आश्रय प्रदान किया गया। प्रारंभ में वह अपने संबंधों के बारे में कोई जानकारी साझा करने में असमंजस में थी। वन स्टॉप सेंटर की प्रभारी प्रशासक शैली तिवारी ने धैर्य और संवेदनशीलता के साथ उसकी काउंसलिंग

की। लगातार संवाद और भरोसा बनाने के बाद सरला ने परिवार से रुष्ट होकर कटनी आने की वजह बताई। इसके बाद टीम ने विभिन्न माध्यमों से सरला के परिवार से संपर्क किया। कई प्रयासों के बाद उसके पिता से संपर्क स्थापित हुआ। सूचना मिलते ही उसके पिता और भाई वन स्टॉप सेंटर पहुंचे। वन स्टॉप सेंटर में सरला और उसके परिजनों को समझाया गया कि संवाद ही अच्छे पारिवारिक संबंधों की रीढ़ है। आवश्यक परामर्श और औपचारिकताओं के बाद सरला को सुरक्षित उसके पिता और भाई के साथ घर भेज दिया गया। सरला की यह कहानी उदाहरण है कि कलेक्टर आशीष तिवारी के नेतृत्व में वन स्टॉप सेंटर कटनी विषम परिस्थितियों में महिलाओं को सुरक्षित आश्रय प्रदान करने और गृह वापसी सुनिश्चित करने का सशक्त माध्यम बन चुका है। समय पर की गई काउंसलिंग, पुलिस और वन स्टॉप सेंटर के समन्वय तथा परिवार के सहयोग से कई युवतियों की सुरक्षित गृह वापसी सुनिश्चित हुई है। साथ ही, हिंसा से पीड़ित महिलाओं को वन स्टॉप सेंटर में एक छत के नीचे विभिन्न सेवाओं का लाभ मिल रहा है।

महिला सशक्तिकरण पर संगोष्ठी का आयोजन

कटनी (स्वतंत्रमत)

शासकीय कन्या महाविद्यालय में राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी महिला सशक्तिकरण आयाम, मुद्दे और प्राथमिकताएं का आयोजन 27 फरवरी को किया गया। यह संगोष्ठी दो दिवसीय थी 27-28 फरवरी जिसका उद्देश्य महिला सशक्तिकरण के विभिन्न पहलुओं, चुनौतियों तथा प्राथमिकताओं पर गहन विचार-विमर्श करना था। संगोष्ठी के प्रथम दिवस 27 फरवरी को कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा जबलपुर संभाग प्रो. पी.आर. चंदलेकर, डॉ. ए.के. सिंह सीईएसडी, महाराजा अग्रसेन विश्वविद्यालय, सोलन, हिमाचल प्रदेश, डॉ. एस.पी. सिंह आईआईएफएम, भोपाल, डॉ. सनत कुमार शर्मा साउथ बिहार सेंट्रल विश्वविद्यालय गया, डॉ. अनुपम गुप्ता ग्वालियर, डॉ. महेश शुक्ला एवं डॉ. संकटा प्रसाद शुक्ला रीवा आदि की उपस्थिति रही। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात एवं संगोष्ठी संयोजक डॉ. सुनील कुमार ने कार्यक्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर संगोष्ठी की स्मारिका पुस्तक का विमोचन किया गया। संगोष्ठी में कुल 85 प्रतिभागियों ने अपनी संक्षेपिकाएँ

प्रेषित कीं। प्रतिभागी के रूप में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश, बिहार सहित विभिन्न राज्यों से तथा कटनी जिले के शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों से आए विषय विशेषज्ञ, विद्वान एवं शोध छात्र-छात्राएँ सक्रिय रूप से शामिल हुए। विशिष्ट अतिथियों में हरसिमरन प्रीत कौर आईएएस सीईओ, जिला पंचायत कटनी, रीजनल मैनेजर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया हरीश रघुवंशी, प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय बरही, प्राचार्य पीएमसीओई शासकीय तिलक स्नातकोत्तर महाविद्यालय कटनी डॉ. सुनील वाजपेयी तथा प्राचार्य नालंदा महाविद्यालय कटनी उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता डॉ. ए.के. सिंह ने अपने उद्बोधन में महिला सशक्तिकरण की आवश्यकता, उद्देश्य एवं महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया तथा समाज में उनकी भूमिका को मजबूत करने की अपील की। विशिष्ट अतिथि हरसिमरन प्रीत कौर आईएएस ने कहा कि महिलाओं को पुरुषों से प्रतिस्पर्धा करने के बजाय उनके साथ मिलकर देश के विकास में योगदान देना चाहिए तथा समान दर्जा प्राप्त करने के लिए प्रयासरत रहना चाहिए। डॉ. सुनील वाजपेयी ने आयोजन के लिए शुभकामनाएँ दीं तथा इसकी उपयोगिता पर बल दिया। हरीश रघुवंशी ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी साझा की, जैसे ऋण सुविधाएँ, स्वरोजगार योजनाएँ आदि। प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के संदर्भ में संगोष्ठी की प्रासंगिकता बताई तथा महिलाओं की वर्तमान स्थिति एवं परिवर्तन की आवश्यकता पर जोर दिया। संगोष्ठी संयोजक डॉ. सुनील कुमार ने विषय के आयाम, मुद्दे जैसे लैंगिक असमानता, आर्थिक निर्भरता, शिक्षा, स्वास्थ्य, हिंसा आदि एवं प्राथमिकताओं शिक्षा, रोजगार, कानूनी सुरक्षा, सामाजिक जागरूकता पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह संगोष्ठी महिला सशक्तिकरण की दिशा में सकारात्मक पहल साबित होगी तथा विचार-मंथन से महिलाओं के सर्वांगीण विकास की ठोस सिफारिशें निकलेंगी। यह संगोष्ठी महिला सशक्तिकरण के बहुआयामी पहलुओं पर राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का महत्वपूर्ण माध्यम बनी, जो शिक्षा, आर्थिक स्वतंत्रता, सामाजिक समानता एवं नीतिगत बदलावों पर केंद्रित रही।

माता शबरी के जीवन से प्रेरणा ले युवा पीढ़ी : अशोक

नशे से दूर रहकर शिक्षा ग्रहण करने पर दें जोर, कोल ट्राइब फाउंडेशन ने जयंती

कटनी (स्वतंत्रमत)

भक्त शिरोमणि माता शबरी जयंती के अवसर पर कोल ट्राइब फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित भंडारा एवं प्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजन ग्राम झुरही टोला स्थित शबरी माता मंदिर में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा की उपस्थिति रही। उन्होंने माता शबरी के मंदिर में पूजा अर्चना की और भगवान भोलेनाथ के प्राचीन मंदिर में मत्था टेककर जिलेवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। उन्होंने सभी सामाजिक बंधुओं को माता शबरी जयंती की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी को एकजुट होकर अपने अधिकारों के प्रति सजग रहना चाहिए। हमे अपने महापुरुषों से प्रेरणा लेकर अपने कर्तव्यों का भी पालन करना चाहिए। राष्ट्र के निर्माण में सभी का सहयोग आवश्यक है और ग्राम, शहर और जिले के विकास के प्रति प्रत्येक व्यक्ति को संकल्पित रहना चाहिए। विश्वकर्मा ने माता शबरी की जीवनी पर भी अपने विचार व्यक्त करते हुए आदिवासी समुदाय को शुभकामनाएं दी। मंच पर अन्य अतिथियों के रूप में भाजपा मंडल अध्यक्ष श्रीराम पटेल, भाजपा नेता विजय दुबे, सरपंच छुट्टू कोल, नीरज पांडे, नरेश बजाज, विनोद बड़गैंया सहित अन्य अतिथियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में सूरज प्रसाद कोल, अजय कोल, घूमनदास कोल, मूलचंद कोल, नरेश कोल, बलराम कोल, रवि कोल, अर्जुन कोल, राकेश कोल, सोनू कोल, अच्छेलाल कोल, रुद्रदत पांडे, शिवप्रकाश चक्रवर्ती सहित बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के

वेस्टइंडीज के खिलाफ रविवार का मैच जबरदस्त होगा : गावस्कर

नयी दिल्ली (वार्ता)।

भारत ने टी 20 वर्ल्ड कप 2026 के मैच में ज़िम्बाब्वे को 72 रन से हराया, जिसमें अभिषेक शर्मा और हार्दिक पांड्या की हाफ-सेंचुरी ने कमाल कर दिया, और वेस्टइंडीज़ के खिलाफ़ एक वर्चुअल क्वार्टर-फ़ाइनल की तैयारी कर ली। स्टार स्पोर्ट्स के अमूल क्रिकेट लाइव पर बात करते हुए, जियो स्टार एक्सपर्ट सुनील गावस्कर ने प्लेइंग 11 में भारत के बदलावों की तारीफ़ की, संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा की पारियों की तारीफ़ की, और वेस्टइंडीज़ की ज़बरदस्त बैटिंग के खतरे के बारे में चेतावनी दी।

गावस्कर ने भारत की वापसी की तारीफ़ की

गावस्कर ने ज़िम्बाब्वे के खिलाफ भारत की वापसी की तारीफ़ की, भारत ने दक्षिण अफ्रीका से मिली हार के बाद ज़िम्बाब्वे पर शानदार जीत के साथ ज़बरदस्त वापसी की। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ़ उस हार के अंतर ने खिलाड़ियों को हिला दिया होगा, लेकिन उन्होंने सिकंदर रज़ा की टीम के खिलाफ़ इसका पॉज़िटिव इस्तेमाल किया और ज़बरदस्त वापसी की। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ़ मैच के बाद, इस बात पर बहस हुई कि भारत को प्लेइंग 11 में बदलाव करने चाहिए या नहीं और उन्होंने दो बदलाव किए और दोनों ही काफी अच्छे रहे। संजू सैमसन ने फिफ्टी नहीं बनाई, लेकिन भारत को ज़बरदस्त शुरुआत दी। इससे पहले, ओपनर डक पर आउट हो रहे थे, अभिषेक शर्मा तीन मैचों में ज़ीरो रन पर आउट हो गए, जबकि ईशान किशन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ़ बिना रन बनाए आउट हो गए। ज़िम्बाब्वे के खिलाफ़, सैमसन ने तेज़ी से 24 रन बनाए। उन्होंने और अभिषेक ने पावरप्ले में 10 से ज़्यादा रन प्रति ओवर की दर से रन बनाए, जो शानदार था। बॉलिंग में भी सुधार हुआ। अक्षर पटेल ने चीज़ों को संभाला और एक विकेट लिया, जो दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ़ नहीं मिला था। ज़्यादातर बैट्समैन को समय मिलने के साथ 256 रन बनाए। बीच में खेलना बहुत अच्छा है। इससे कॉन्फिडेंस बढ़ता है। लेकिन भारत वेस्ट इंडीज को हल्के में नहीं ले सकता। रविवार का मैच तय करेगा कि वे सेमीफाइनल में जाएंगे या 2028 टी-20 वर्ल्ड कप का इंतज़ार करेंगे।

संजू सैमसन ने इंडिया को शानदार शुरुआत दिलाइ

संजू सैमसन के तेज रनों ने इंडिया के लिए कैसे टोन सेट किया , गावस्कर ने कहा,वह छक्का जो संजू सैमसन ने बैकफुट से सीधे लॉन्ग ऑफ के ऊपर मारा था, वह कमाल का था। बैकफुट से खेलना आसान शॉट नहीं है। आप आमतौर पर मिड-विकेट या उसके आसपास खेलते हैं। फिर उसने लॉन्ग ऑन के ऊपर से एक और छक्का मारा। शानदार शॉट। इससे आपको उस आदमी की क्लास पता चलती है। टीम के फायदे के लिए, उसने एक बड़ा हिट मारा और आउट हो गया। यह ठीक है क्योंकि उसने इंडिया को शानदार शुरुआत दिलाई। टी20 वर्ल्ड कप जैसे टूर्नामेंट में, यह जरूरी है। शानदार शुरुआत दूसरे बैट्समैन को आकर बॉल को चारों ओर मारने का एक अच्छा प्लेटफॉर्म देती है।

अभिषेक शर्मा ने शक करने वालों को चुप करा दिया

गावस्कर ने अभिषेक शर्मा की कमबैक नॉक पर कहा, हम जानते हैं कि अभिषेक शर्मा एक बैटर के तौर पर कितने अच्छे हैं। उन्होंने ज़िम्बाब्वे के खिलाफ़ 55 रन की इस नॉक से शक करने वालों को चुप करा दिया। उन्होंने अपनी इनिंग शुरू करने के लिए एक्स्ट्रा टाइम लिया। उनकी बैटिंग का एक तरीका था। उन्होंने ऑफ स्पिनर की इज्जत की, कोई रिस्क नहीं लिया और शांत और सुलझे हुए तरीके से खेले। इस गेम में, उन्होंने असल में एक डिफेंसिव शॉट खेला। उन्होंने बॉल को डिफेंड किया। मुझे यह देखकर हैरानी हुई क्योंकि हम आमतौर पर अभिषेक को ऐसा करते नहीं देखते। मुझे सच में लगता है कि यह उनके लिए सीखने का एक मौका है। हर क्रिकेटर लगातार दो गेम में रन न बना पाने के बुरे दौर से गुजरता है। यह इस बारे में है कि आप इससे कितना सीखते हैं। मुझे लगता है कि अभिषेक ने बहुत कुछ सीखा है और यह उनके लिए आगे चलकर, अगले कुछ गेम में और कोलकाता में वेस्ट इंडीज़ के खिलाफ़ होने वाले ज़रूरी मैच में अच्छा रहेगा।

दफ्रीका के खिलाफ भारत पूरी तरह से टूट गया था

दक्षिण अफ्रीका से मिली हार से भारत की सीख और वेस्ट इंडीज के खिलाफ आगे की चुनौती पर गावस्कर ने कहा, जैसा कि कहते हैं, अगर चीजें टूटी नहीं हैं तो उन्हें ठीक क्यों करें? लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत पूरी तरह से टूट गया था। उन्हें एहसास हुआ कि उन्हें टॉप पर राइट-लेफ्ट कॉम्बिनेशन की जरूरत है। पिछले गेम से सीखना बहुत जरूरी था। अब वेस्ट इंडीज एक बिल्कुल अलग चुनौती है। उन्हें हल्के में नहीं लिया जा सकता। उनके बैट्समैन टॉप फॉर्म में हैं। उनके बॉलर अच्छा कर रहे हैं। वे विरोधी टीम की गलतियों की सजा देते हैं और सही समय पर स्ट्राइक करते हैं।

किदांबी श्रीकांत बाहर भारत का अभियान खत्म

मुल्हेम एन डेर रूहर (वार्ता)। जर्मन ओपन 2026 में भारत की चुनौती गुरुवार को निराशाजनक तरीके से खत्म हुई, जब किदांबी श्रीकांत पुरुष सिंगल्स के दूसरे राउंड में सीधे गेम में हार गए, और टूर्नामेंट से बाहर हो गए। पूर्व वर्ल्ड चैंपियनशिप सिल्वर मेडलिस्ट और मौजूदा वर्ल्ड नंबर 32 चीनी ताइपे के 11वीं रैंक वाले लिन चुन-यी से सिर्फ़ 32 मिनट में 21-14, 21-9 से हार गए। ताइवानी शटलर के खिलाफ़ इतने ही हेड-टू-हेड मुकाबलों में श्रीकांत की यह दूसरी हार थी। जनवरी में इंडिया ओपन 2026 का टाइटल जीतने वाले लिन ने इससे पहले स्विस ओपन 2024 के सेमीफाइनल में श्रीकांत को तीन गेम में हराया था। श्रीकांत ने शानदार शुरुआत की, पहले गेम में 9-5 की बढ़त बना ली। हालांकि, लिन ने धीरे-धीरे वापसी की, कमी को दूर करते हुए 12-10 से आगे हो गए और फिर आराम से पहला गेम जीत लिया। इंटरवल के बाद ताइवानी शटलर का मोमेंटम मज़बूत रहा, उन्होंने दूसरे गेम में 7-1 की बढ़त बना ली और पूरे गेम में कंट्रोल बनाए रखा।

वॉल का शतक, ऑस्ट्रेलिया महिला टीम ने भारत को पांच विकेट से हराया

होबार्ट (वार्ता)। गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद जॉर्जिया वॉल (नाबाद 101) और फीबी लिचफील्ड (88) की आतिशी बल्लेबाजी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने शुक्रवार को भारत को 83 गेंदे शेष रहते पांच विकेट से शिकस्त दी। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली है। भारत के 251 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया को काश्वी गौतम ने पांचवें ओवर में एलिसा हीली (नौ) को बोल्ड कर पहला विकेट झटका। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी जॉर्जिया वॉल ने फीबी लिचफील्ड के साथ दूसरे विकेट के लिये 119 रन जोड़कर अपनी टीम के लिये जीत की नींव रखी। 20वें ओवर में क्रांति गौड़ ने शतक की ओर बढ़ रही फीबी लिचफील्ड को आउट कर भारत को दूसरी सफलता दिलाई। फीबी लिचफील्ड ने 62 गेंदों में 11 चौके और एक छक्का उड़ाते हुए 88 रन बनाये। 31वें ओवर में काश्वी गौतम ने शतक बना चुकी जॉर्जिया वॉल को श्री चरणी के हाथों कैच आउट करा दिया।

जम्मू-कश्मीर का पहली बार रणजी चैंपियन बनना पक्का

हुबली (वार्ता)। जम्मू-कश्मीर ने कर्नाटक से फॉलोऑन न करा कर दूसरी पारी में खेलने का फैसला किया और रणजी फाइनल के चौथे दिन शुक्रवार को स्टंप्स तक अपनी दूसरी पारी में चार विकेट पर 186 रन बना लिये हैं। जम्मू-कश्मीर ने इस तरह अपनी कुल बढ़त 477 रन पहुंचा कर खिताब पर पहली बार कब्जा करना पक्का कर लिया है। जम्मू-कश्मीर ने कर्नाटक को पहली पारी में 293 रन पर समेटने के बाद फॉलोऑन नहीं कराया और दूसरी पारी में खेलने का फैसला किया। जम्मू-कश्मीर की दूसरी पारी में सलामी बल्लेबाज कामरान इकबाल ने नाबाद 94 रन बनाये, जबकि अब्दुल समद ने 32, कप्तान पारस डोगरा ने 16 और साहिल लूथरा ने नाबाद 16 रन बनाये।

आईपीएल 28 मार्च से शुरू होगा, फाइनल 31 मई को होगा

मुंबई (वार्ता)। आईपीएल ने पिछली नीलामी से एक दिन पहले, 15 दिसंबर 2025 को फ्रेंचाइजी को बताया था कि 2026 एडिशन 26 मार्च से शुरू होगा, लेकिन ईएसपीएन क्रिकइंफो को पता चला है कि आईपीएल ने अंदरूनी तौर पर शुरू होने की तारीख बदलकर 28 मार्च करने और फाइनल 31 मई को कराने का फैसला किया है। माना जा रहा है कि आईपीएल गवर्निंग काउंसिल अगले हफ्ते शेड्यूल जारी करने के प्लान को फाइनल करने के लिए मीटिंग करेगी, जिसमें देरी हुई है क्योंकि असम, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में विधानसभा चुनावों की तारीखों की घोषणा अभी तक नहीं हुई है। कोलकाता (पश्चिम बंगाल में) और चेन्नई (तमिलनाडु में) क्रमश: कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के होम बेस हैं, जबकि असम की राजधानी गुवाहाटी राजस्थान रॉयल्स (आरआर) का दूसरा वेन्यू है। जब से आईपीएल 2008 में शुरू हुआ है, जब देश में आम चुनाव हुए हैं - 2009, 2014, 2019 और 2024 में - या किसी राज्य में विधानसभा चुनाव हुए हैं, शेड्यूल दो हिस्सों में अनाउंस किया गया है। उम्मीद है कि जीसी यह तय करेगा कि इस बार भी वही प्लान रखा जाए, या पहले तीन राज्यों के लिए चुनाव की तारीखों की घोषणा करने के लिए इलेक्शन कमीशन ऑफ़ इंडिया का इंतज़ार किया जाए। आईपीएल गवर्निंग काउंसिल इस बात पर भी चर्चा कर सकती है कि टूर्नामेंट का ओपनिंग मैच कहाँ खेला जाएगा, क्योंकि इसमें डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) शामिल होगी। पिछले जून में बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में आरसीबी के जीत के जश्न के दौरान भगदड़ मचने के बाद, जिसमें 11 फैंस की मौत हो गई थी, आरसीबी कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के साथ इस बात पर चर्चा कर रहा है कि टीम के सात होम मैच उसी जगह पर खेले जाएंगे या कहीं और शिफ्ट किए जाएंगे। आरसीबी ने नवी मुंबई, रायपुर और पुणे सहित कुछ दूसरे वेन्यू शॉर्टलिस्ट किए थे।

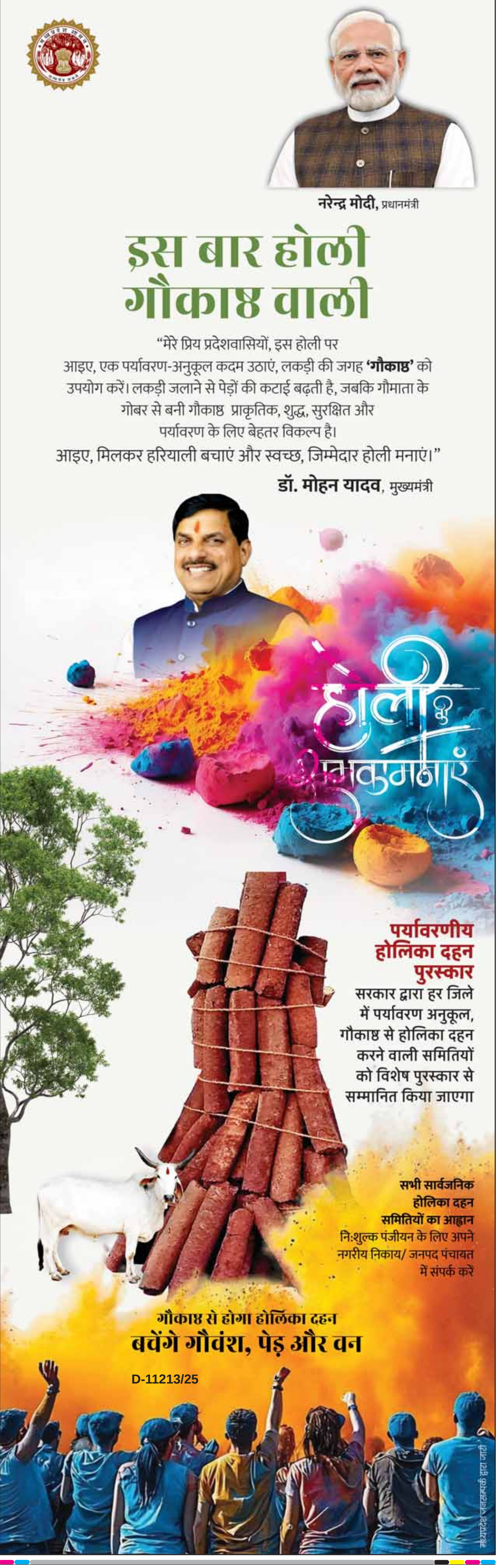

सदैव स्मरणीय रहेगा अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद का बलिदान

मुख्यमंत्री ने आजाद कुटिया पहुँचकर अमर शहीद की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

अमर क्रांतिकारी चंद्रशेखर आज़ाद की 95वीं पुण्य तिथि पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार को उनकी जन्मस्थली चंद्रशेखर आज़ाद नगर स्थित ऐतिहासिक आज़ाद कुटिया पहुँचे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अमर शहीद चंद्रशेखर आज़ाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर राष्ट्र के लिए उनके सर्वोच्च बलिदान को नमन किया। अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री नागर सिंह चौहान, सांसद अनीता चौहान, संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाडे, आईजी अनुराग, कलेक्टर नीतू माथुर, पुलिस अधीक्षक रघुवंश सिंह भदौरिया सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आजाद कुटिया में क्रांतिकारी अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद के स्वतंत्रता संग्राम में अविस्मरणीय योगदान पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने आज़ाद कुटिया परिसर में ही स्थापित संग्रहालय का भी अवलोकन किया, जहां उनके जीवन, संघर्ष और क्रांतिकारी गतिविधियों से जुड़े दस्तावेज, चित्र और स्मृति चिह्न संजोए गए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अमर शहीद चंद्रशेखर आज़ाद की शहादत पर स्मरण कर कहा कि भारत के सभी क्रांतिकारी नायकों

का स्वतंत्रता संग्राम में अतुलनीय योगदान रहा है। शहीद चंद्रशेखर आज़ाद जैसे वीर क्रांतिकारी ने अनेक कठिनाइयों के बावजूद अपने अदम्य साहस और त्याग से तत्कालीन समय में स्वतंत्रता की अलख को रौशन रखा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आदिवासी अंचलों के नायकों के संघर्ष को भी याद किया और कहा कि उन्होंने अंग्रेजों के विरुद्ध युद्ध कर स्वतंत्रता आंदोलन को मजबूत किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनजातीय नायक शहीद छीतू किराड़ के बलिदान को भी नमन करते हुए उनके योगदान को स्मरण किया।

आलीराजपुर जिले में 23 जुलाई 1906 को जन्मे चंद्रशेखर आज़ाद का प्रारंभिक जीवन तत्कालीन भाबरा वर्तमान चन्द्रशेखर आजाद नगर की पावन भूमि पर बीता। बचपन में उन्होंने भील बालकों के साथ रहकर धनुष-बाण चलाना और निशानेबाजी की शिक्षा प्राप्त की। आदिवासी अंचल में पले-बढ़े आज़ाद ने यहीं से साहस, स्वाभिमान और संघर्ष की प्रेरणा ली, वहीं से उनके क्रांतिकारी जीवन की आधारशिला बनी। 27 फरवरी 1931 को, इलाहाबाद (वर्तमान प्रयागराज) के अल्फ्रेड पार्क (अब चंद्रशेखर आज़ाद पार्क) में अपने एक साथी के विश्वासघात के कारण पुलिस ने उन्हें घेर लिया। उस दौरान उनके पास सिर्फ एक गोली बची थी, तो उन्होंने अपने संकल्प के अनुसार स्वयं को गोली मारकर देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। पूर्व में भाबरा के नाम से प्रसिद्ध इस तहसील का नाम परिवर्तित कर आधिकारिक तौर पर 2011 में चंद्रशेखर आज़ाद नगर कर दिया गया है। उनकी स्मृतियों से जुड़ा उनके पैतृक घर को आज़ाद कुटिया के रूप में संरक्षित किया गया है। यह अब शहीद स्मारक और पर्यटन केंद्र के रूप में भी विकसित हो चुका है।

प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बस स्टैंड स्थित चन्द्रशेखर उद्यान में अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। इस दौरान अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री नागर सिंह चौहान, क्षेत्रीय सांसद अनीता नागर सिंह चौहान, कलेक्टर नीतू माथुर, पुलिस अधीक्षक रघुवंश सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे।

पर्यावरण बचाने का संदेश देगी मध्य प्रदेश की होली

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव उत्कृष्ट गो-काष्ठ आधारित होलिका दहन करने वाली संस्थाओं एवं पदाधिकारियों को देंगे प्रशस्ति-पत्र

इस वर्ष होली पर्व को पर्यावरण-संरक्षण और सामाजिक सद्भाव के संदेश के साथ मनाया जाए। इसके लिए राज्य शासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे आपसी मतभेद भुलाकर भाईचारे, सामाजिक एकता और उल्लास के साथ होली मनाएं। होलिका दहन में लकड़ी के स्थान पर गो-काष्ठ (उपलों) का अधिकाधिक उपयोग करें। प्रदेश सरकार द्वारा जारी निर्देश अनुसार जनसहयोग एवं सामाजिक सहभागिता के माध्यम से प्रयास किया जाएगा कि होलिका दहन में लकड़ी की जगह गो-काष्ठ का प्रयोग हो। साथ ही, प्राकृतिक एवं हर्बल रंगों से होली खेलने, जल संरक्षण करने तथा पशु-पक्षियों पर रंग न डालने के संकल्प के साथ उत्सव मनाने के लिए नागरिकों को प्रेरित किया जाएगा। जिलों में विभिन्न स्तरों पर आयोजित होने वाले सार्वजनिक होलिका दहन कार्यक्रमों का निःशुल्क पंजीयन कराया जाए। यह पंजीयन जिला मुख्यालय, तहसील, नगरीय निकाय एवं पंचायत स्तर पर किया जाएगा। पंजीयन के दौरान आयोजक संस्था की संक्षिप्त जानकारी, पदाधिकारियों के नाम एवं संपर्क विवरण प्राप्त किए जाएंगे। जिला स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार कर नागरिकों को गो-काष्ठ आधारित होलिका दहन के लिए प्रेरित किया जाएगा। नगरीय निकायों एवं पंचायत राज संस्थाओं को इस अभियान में सक्रिय रूप से शामिल किया गया है। होलिका दहन के दिन मैदानी अमला सार्वजनिक आयोजनों का निरीक्षण कर लकड़ी के स्थान पर गो-काष्ठ के उपयोग को प्रोत्साहित करेगा। जिन आयोजनों में पूर्ण रूप से गो-काष्ठ आधारित होलिका दहन किया जाएगा, उनको संबंधित अधिकारी द्वारा प्रमाणित कर कलेक्टर को प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाएगा। जिलों के कलेक्टर ऐसे आयोजनों का संकलन सुनिश्चित करेंगे। प्रदेश सरकार आगामी दिनों में जिला मुख्यालयों पर जिला स्तरीय सम्मान समारोह आयोजित किए जाएंगे। उत्कृष्ट गो-काष्ठ आधारित होलिका दहन करने वाली संस्थाओं एवं उनके पदाधिकारियों को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की ओर से प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। साथ ही भविष्य में ऐसी संस्थाओं को अन्य प्रकार से प्रोत्साहन अथवा सहयोग दिए जाने पर भी प्राथमिकता दी जाएगी। राज्य सरकार ने सभी कलेक्टर्स को स्वच्छ और स्वस्थ होली अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। संभागायुक्त इस संबंध में की जाने वाली कार्यवाही का पर्यवेक्षण करेंगे।

बैठक में प्राप्त सुझावों पर किया जायेगा अमल : तोमर

भोपाल (स्वतंत्र मत)। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि विभागीय परामर्शदात्री समिति की बैठक में सदस्यों द्वारा दिये गये सुझावों पर अधिकारी 5 दिवस में रिपोर्ट तैयार करें। साथ ही प्राप्त सुझावों पर गंभीरता से विचार कर अमल में लाने के प्रयास किये जायेंगे। श्री तोमर ने कहा मध्यप्रदेश में पर्याप्त बिजली उपलब्ध है। उद्योगों से लेकर किसानों तक सभी को पर्याप्त विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है।

बैठक में समिति के सदस्यों ने महत्वपूर्ण सुझाव दिये। उन्होंने कहा कि वन क्षेत्र में जंगली जानवरों से खतरे के मद्देनजर सिंचाई के लिये दिन में ही विद्युत आपूर्ति करने पर विचार किया जाये। इस दौरान सचिव श्री विशेष गढ़पाले ने

विभाग की 2 वर्ष की उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी की हानियां वर्ष 2024-25 में 2.60 प्रतिशत रहीं, जो न्यूनतम में से एक है।

अमरकंटक विद्युत गृह द्वारा कंपनी के इतिहास में अब तक सर्वाधिक 512 दिन तक लगातार विद्युत उत्पादन किया गया। बिजली कंपनियों की उपभोक्ता सेवाओं में सुधार के लिये लगभग 52 हजार स्थायी पदों का सृजन किया गया है। भर्ती प्रक्रिया चालू कर दी गई है। प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाभियान अंतर्गत जनजातीय समुदाय के 26 हजार 909 घरों को विद्युतीकृत किया गया है। स्मार्ट मीटरिंग के माध्यम से प्री-पेड उपभोक्ताओं को ऊर्जा प्रभार में 25 पैसे प्रति यूनिट की छूट दी जा रही है। उन्होंने विभिन्न नवाचारों के बारे में भी जानकारी दी।

प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन मप्र भोपाल की प्रान्तीय बैठक सम्पन्न

दमोह (स्वतंत्र मत)। पेंशनरों के सबसे बड़े संगठन प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन म.प्र. भोपाल को प्रान्तीय बैठक विगत नरसिंहगढ़, जिला राजगढ़ में आयोजित हुई। जिसमें दमोह से जगदीश चौबे कार्यकारी प्रान्ताध्यक्ष एवं जिलाध्यक्ष दमोह, सत्यनारायण पाण्डये उपाध्यक्ष एवं नरेन्द्र कुमार सेन जिला महामंत्री शामिल हुये। जगदीश चौबे ने जानकारी दी है कि संगठन के प्रान्ताध्यक्ष ओमप्रकाश बुधौलिया ने बताया कि संगठन भी मप्र के सभी 55 जिलो में शाखायें कार्यरत है। बैठक में सभी जिलो के अध्यक्षों एवं प्रतिनिधियों ने अपनी अपनी उपस्थिति दी है। बैठक में आगामी आन्दोलन के संबंध में सभी ने अपने अपने सुझाव दिये है। जिनकी समीक्षा के बाद निर्देश दिये जावेगे।

जरूरतमंदों की आवाज बेअसर

प्रधानमंत्री आवास योजना से गरीब वंचित

पथरिया (स्वतंत्र मत)।

नगर परिषद में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत नगर के गरीब जरूरतमंदों के लिए शासन द्वारा आवास मुहैया कराए जाना थे लेकिन राजनीतिक षड्यंत्र के चलते गरीबों जरूरतमंदों को आवास नहीं दिया गया उच्च अधिकारियों से भी न्याय की गुहार लगाई गई परंतु उसके बाद भी आवास की जांच नहीं कराई गई। वार्ड क्रमांक 3 के निवासी रामसिंग विश्वकर्मा ने एसडीएम को आवेदन दिया आवेदन देकर न्याय की मांग की है। हाथ ठेला चलाकर परिवार का पालन पोषण करने वाले रामसींग विश्वकर्मा का कहना है कि वे कई वर्षों से किराए के मकान में रह रहे हैं और पात्र होने के बावजूद अब तक योजना से वंचित हैं।

जबकि विगत कई वर्षों से लगातार आवेदन दे रहे हैं। ऑनलाइन से लेकर समस्त प्रकार के दस्तावेज जमा किए गए हर बार आवास के नाम पर फोटोकापी जैसे दस्तावेज 100 रूपए से ज्यादा के पड़ जाते हैं। मैं दिन भर मजदूरी करता हूं मुझे 100 रूपये बहुत ज्यादा होते हैं। हर बार जांच होती है फोटो खींचने के लिए अधिकारी कर्मचारी आते हैं। उम्मीद रहती है कि इस बार आवास मिल जाएगा लेकिन जब सूची आती है तो उसमें मेरा कहीं नाम दिखाई नहीं देता। कलेक्टर एवं एसडीएम से मेरा निवेदन है कि निष्पक्ष रूप से जांच कराई जाए ताकि हम जैसे जरूरतमंदों को आवास मिल सके। वहीं भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के ब्लॉक अध्यक्ष खिलान पटेल ने एसडीएम को आवेदन देकर नगर में चल रहे प्रधानमंत्री आवास योजना में गड़बड़ी को लेकर जांच की मांग की शीघ्र निष्पक्ष रूप से जांच कर जरूरतमंदों के लिए आवास स्वीकृत नहीं कराए गए तो शीघ्र ही भगवती मानव कल्याण संगठन द्वारा वृहद रूप से आंदोलन किया जाएगा। अब देखना यह है कि एसडीम जिला कलेक्टर द्वारा पथरिया प्रधानमंत्री आवास की निष्पक्ष जांच कराई जाती है या नहीं।

संजय चौराहे पर खड़े होने वाले भारी भरकम वाहन से चरमराई यातायात व्यवस्था

पथरिया (स्वतंत्र मत)। नगर की ट्रैफिक व्यवस्था पूर्ण रूप से चरमराई हुई है। जिसका मुख्य कारण यहां के जिम्मेदार अधिकारियों की चुप्पी है। इसमें जितनी नगर परिषद की गलती है उतनी ही पथरिया पुलिस की जहां पथरिया पुलिस द्वारा गस्त न करके और मुख्य मार्गों सड़को पर खड़े वाहनों पर मेहरबानी दिखाते हुए उन्हें टस से मस न होने देना है। उसी प्रकार नगर परिषद द्वारा अतिक्रमण कारियों पर दरियादिली का नतीजा है। एक ओर बड़े बड़े टीन शेड लगाकर अतिक्रमण कर नगर के समस्त कोनो पर अतिक्रमणकारियों का कब्जा है तो वहीं दूसरी ओर बची कुछ जगहों पर बड़े बड़े वाहनों और बसों के रुकने से यातायात व्यवस्था पूर्ण रूप से चरमराई हुई है।

बच्चा चोर गिरोह गैंग सक्रिय, पटेरा में किया प्रयास

बच्चों के परिजनों ने अज्ञात लोगों पर बच्चों के अपहरण का लगाया आरोप, पुलिस ने शुरू की जांच

दमोह (स्वतंत्र मत)। दमोह जिले के पटेरा थाना क्षेत्र अंतर्गत कुड़ई गांव में दो नाबालिक बच्चों के अपहरण के प्रयास का मामला सामने आया है। परिजनों ने अज्ञात लोगों पर आरोप लगाया है दोनों बच्चे सुरक्षित हैं। परिजनों को जैसे ही जानकारी लगी उन्होंने तत्काल थाने पहुंचकर घटना की जानकारी दी और एक आवेदन पुलिस को दिया है। थाना प्रभारी का कहना है कि मामले में जांच की जा रही है जल्द ही तथ्यों का खुलासा हो जाएगा।

इस घटना में दो नाबालिक बच्चों के अपहरण की बात परिजनों के द्वारा कही जा रही है। एक बच्चे के परिजन राममिलन अहिरवार ने बताया कि उनका बच्चा गांव के निजी स्कूल में पढ़ाई करता है। बच्चा सुबह स्कूल जा रहा था उसके साथ एक और बच्चा साथ में था। तभी रास्ते में दो अज्ञात व्यक्ति बच्चों को मिले और उन्हें पकड़कर करेरा नाले के पास ले गए। उन्होंने किसी को फोन लगाकर गाड़ी बुलवाई और आगे चलकर वह दोनों लोग टॉयलेट के लिए रुके तभी उनके बच्चे किसी तरह जान बचाकर भागे और घर आकर घटना की जानकारी दी। परिजन ग्रामीणों के साथ पटेरा थाने पहुंचे जहां पुलिस को उन्होंने एक शिकायत आवेदन दिया है। वही पटेरा थाना प्रभारी धर्मेंद्र गुर्जर का कहना है की परिजनों के द्वारा बच्चों के अपहरण की बात कही गई है उन्होंने आवेदन दिया है। मामले में जांच की जा रही है जहां का घटनास्थल बताया जा रहा है। वहां के सीसीटीवी फुटेज भी देखे जाएंगे इसके बाद ही घटना की सही जानकारी पता चलेगी।

चण्डी जी मंदिर में काशी की तर्ज पर हुई गंगा आरती

हटा (स्वतंत्र मत)।

धार्मिक नगरी वाराणसी में प्रतिदिन होने वाली प्रसिद्ध गंगा आरती की तर्ज पर हटा स्थित चण्डी जी मंदिर में भव्य गंगा आरती का आयोजन किया गया। इस विशेष धार्मिक कार्यक्रम ने मंदिर परिसर को आध्यात्मिक ऊर्जा और भक्ति भाव से सराबोर कर दिया। आयोजन के दौरान दो पंडितों ने रिकॉर्डिंग की धुन पर विधिविधान से गंगा आरती संपन्न कराई। मंत्रोच्चार, गंगा स्तुति और दीपों की जगमगाहट ने ऐसा दिव्य वातावरण निर्मित किया कि उपस्थित श्रद्धालु भक्ति में भावविभोर हो उठे। आरती के समय मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। भक्तों ने पूरे श्रद्धाभाव से आरती में भाग लेते हुए मां के जयकारों के साथ दीप अर्पित किए जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। आयोजकों ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य नगर में धार्मिक एवं सांस्कृतिक चेतना को बढ़ावा देना हैए ताकि स्थानीय श्रद्धालुओं को भी काशी जैसी आध्यात्मिक अनुभूति प्राप्त हो सके। कार्यक्रम के अंत में श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया। श्रद्धालुओं ने इस पहल की सराहना करते हुए चण्डी जी मैया की ऐसी संगीतमय आरती को नियमित रूप से आयोजित किए जाने की इच्छा व्यक्त की।

कलेक्टर की पहल से लंबित प्रकरण का मौके पर निराकरण

पीडब्लूडी, पीआईयू, राजस्व व स्कूल शिक्षा विभाग की संयुक्त कार्रवाई सड़क निर्माण हेतु भूमि हुई क्लियर

दमोह (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने बताया कि सांदीपनि स्कूल मारूताल बायपास अतिक्रमण से संबंधित प्रकरण लंबित था। इसके निराकरण के लिए एक दिन पूर्व सभी हितबद्ध पक्षों की बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें यह निर्णय लिया गया कि स्थल निरीक्षण कर वस्तुस्थिति का आकलन किया जाएगा और तत्पश्चात समाधान की दिशा में ठोस कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने बताया निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया गया। इस दौरान पीडब्लूडी, पीआईयू की टीम, राजस्व विभाग के अधिकारी, स्कूल शिक्षा विभाग के प्रतिनिधि तथा आसपास के भूमि स्वामी उपस्थित रहे।

व्यवस्थित नाप के बाद बनी सहमति

उन्होने बताया पीडब्लूडी द्वारा विधिवत एवं व्यवस्थित नाप-जोख की गई, जिसमें राजस्व निरीक्षक एवं अन्य राजस्व अधिकारियों ने सहयोग प्रदान किया। नाप के उपरांत सभी संबंधित पक्षों के बीच सहमति बनी और निर्णयानुसार सड़क निर्माण के लिए आवश्यक भूमि के हिस्से को आज मौके पर ही क्लियर कराने की कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई।

लंबे समय से लंबित विषय का समाधान

कलेक्टर कोचर ने कहा कि यह विषय काफी समय से लंबित था। आज सभी विभागों के समन्वित प्रयास और हितधारकों के सहयोग से इसका निराकरण संभव हो सका है। उन्होंने पीडब्लूडी, राजस्व विभाग और स्कूल शिक्षा विभाग की टीम के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी ने सकारात्मक सहयोग दिया जिससे प्रशासन को प्रभावी कार्रवाई करने में सफलता मिली।

रीवा से रायपुर एवं कोलकाता की उड़ानें शीघ्र

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने की विमानन सेवाओं के विस्तार कार्यों की समीक्षा

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

रीवा में विमानन सेवाओं के विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण कार्यों की उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंत्रालय में विमानन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से जानकारी प्राप्त कर आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि रीवा से रायपुर एवं कोलकाता के लिए नई हवाई सेवाएं प्रारंभ करने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी औपचारिकताएं समयबद्ध रूप से पूर्ण करें, ताकि उड़ान सेवाएं जल्द से जल्द प्रारंभ की जा सकें। साथ ही, रीवा-इंदौर-रीवा एवं रीवा-दिल्ली-रीवा उड़ानों को प्रोत्साहन

एवं संवर्धन के लिए राज्य शासन द्वारा दी जाने वाली सब्सिडी का भुगतान शीघ्र सुनिश्चित करने के निर्देश भी उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने दिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में इन मार्गों पर नियमित और सतत विमानन सेवाओं के संचालन के लिए प्रोत्साहन आवश्यक है। बैठक में बताया गया कि विमानन विभाग द्वारा जारी निविदा के अंतर्गत नवीन हवाई रूट्स के लिए विभिन्न शिड्यूल्ड ऑपरेटर्स द्वारा 20 हवाई मार्गों पर विमानन सेवाएं संचालित करने हेतु अभिरुचि व्यक्त की गई है। प्राप्त बिड्स का तकनीकी एवं वित्तीय परीक्षण वर्तमान में प्रगति पर है, ताकि निर्धारित मानकों के अनुरूप शीघ्र निर्णय लिया जा सके। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रस्तावित हवाई सेवाओं से रीवा सहित पूरे प्रदेश में औद्योगिक, व्यापारिक, शैक्षणिक एवं पर्यटन गतिविधियों को नई गति मिलेगी तथा क्षेत्रीय संपर्क और अधिक सुदृढ़ होगा।

चिकित्सकों के प्रमोशन हेतु सामान्य प्रशासन विभाग में लंबित प्रस्ताव पर शीघ्र कार्यवाही के दिए निर्देश बैठक में चिकित्सकों के प्रमोशन हेतु सामान्य प्रशासन विभाग में लंबित प्रस्ताव पर भी चर्चा की गई। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने इस विषय में शीघ्र निर्णय लेकर प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश दिए, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं में कार्यरत चिकित्सकों को समय पर पदोन्नति का लाभ मिल सके।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-13 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र. संभा. अधि./13/ मुख्यालय/ 2025/ 26/एम/245 दिनांक 23/2/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री विजय कुमार केशरवानी पिता श्री दयालू प्रसाद केसरवानी ने मकान नं. 107/3 वार्ड सुभद्रा कुमारी चौहान भूतल 400 व.फु. प्रथम तल 300 व.फु. विक्रय पत्र लीज डीड के आधार पर नगर निगम द्वारा पदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है । जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर कार्यालय संभाग क्रमांक - 13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें ।

राजस्व निरीक्षक संभाग क्रमांक 13 मुख्यालय नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक 11 नगर निगम, जबलपुर

पत्र क्र. / सं.क्र.11/25-26 दिनांक 27.2.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती अंजना लोधी पति जागेश्वर लोधी (2) श्री जागेश्वर लोधी पिता स्व. श्री श्री रामधनी लोधी ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई के भवन क्रमांक P-222 का भाग सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000380945 से नया पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 750 वर्गफुट पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रयपत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री नवीन कुमार पोद्दार पिता श्री तारणी प्रसाद का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम, जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि शिवनगर दमोहनाका कालोनी जबलपुर में भवन क्रं. एल.आई.जी. 57 श्री प्रकाश चंद नेमा पिता श्री लक्ष्मी चंद नेमा एवं श्रीमती कृष्णा नेमा पति श्री प्रकाश चंद नेमा के नाम आंवटित है। जिसका विक्रय विलेख दिनांक 10.7.1996 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्री प्रकश चंद नेमा पिता श्री लक्ष्मी चंद नेमा एवं श्रीमती कृष्णा नेमा पति श्री प्रकाश चंद नेमा ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 19/2/2026 के माध्यम से श्री सतेन्द्र नाविक पिता श्री इमरत लाल नाविक को विक्रय किया है। अत श्री सतेन्द्र नाविक द्वारा उक्त भवन उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज / आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये है। यदि किसी व्यक्ति संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन / भूखण्ड) वातत आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपति सह प्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात लीज हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जायेगी जिस पर किसी की कोई आपति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल द्वारा निर्मित पुरवा कालोनी जबलपुर स्थित भवन क्रं. एल.आई.जी. 1088 को आंवटित है। श्रीमती लक्ष्मी बाई पति श्री हीरालाल जगतानी को आवंटित है। श्रीमती लक्ष्मी बाई का निधन दिनांक 26/7/2022 को होने के पश्चात उनके नामिनी श्री नवीन जगतानी आत्मज श्री हीरालील जगतानी द्वारा यह भवन उनके पक्ष में नामांतरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। यदि किसी व्यक्ति को नामांतरण बाबत आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है निधारित अवधि के पश्चात नामांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, जबलपुर

'समर्पण, सेवा और प्यार ही नर्सिंग का सूत्र'

जिनसार का 23वॉ दीप प्रज्जवलन एवं शपथ ग्रहण समारोह

समर्पण, सेवा और प्यार ही नर्सिंग का सूत्र है। नर्सिंग के विद्यार्थी मेडिकल के प्रोफेशन में रीढ़ की हड्डी होते हैं जो करुणा, अनुशासन और मानव सेवा के मूल्यों पर आधारित रहता है। विद्यार्थी इस पेशे में समर्पण, सेवा, प्यार और स्नेह के माध्यम से अपनी अमिट छाप छोड़ सकते हैं। न केवल भारत में यह प्रोफेशन बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी इसकी मांग बढ़ी है।

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

एक समय ऐसा था जब नर्सिंग कॉलेजों में ताले लगने शुरू हो गये थे, उस समय 157 साल पुरानी हितकारिणी सभा ने नर्सिंग को मजबूती से खड़ा किया। आज यह महाविद्यालय भी अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूरे कर रहा है। उक्ताशय के उद्गार अतिथियों ने जबलपुर इन्स्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंस एवं रिसर्च द्वारा महाविद्यालय सभागार में 23वें दीप प्रज्जवलन एवं शपथग्रहण समारोह वक्ताओं ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ अधिकारी तथा क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ सेवायें मप्र शासन डॉ संजय मिश्रा उपस्थित रहे। समारोह की अध्यक्षता हितकारिणी सभा के चेयरमैन एवं पूर्व विधायक नित्य निरंजन खम्परिया ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में मिलिट्री अस्पताल जबलपुर की प्राचार्या एवं मेट्रन कर्नल रूपा भौमिक, पीएम श्री शासकीय महाकौशल कालेज जबलपुर के प्राचार्य प्रो. डॉ. अलकेश चतुर्वेदी, हितकारिणी सभा की प्रेसीडेंट श्रीमती सुनयना पटेरिया, हितकारिणी सभा के मंत्री बाबू विश्वमोहन, उपसभापति अशोक गुप्ता, रानी दुर्गावती नर्सिंग महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. अर्चना गायकवाड़, शान्तादेवी मनमोहन दास फाउन्डेशन की ट्रस्टी श्रीमती रुचि मोहन, महाविद्यालय के शासी निकाय के अध्यक्ष मुकुल खम्परिया एवं प्राचार्या प्रो. डॉ. प्रिन्सी साजी की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के प्रारंभ में छात्राओं ने मध्यप्रदेश गान, हितकारिणी गीत एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन डॉ. रीना मैथ्यू और अर्निका जोसेफ ने किया तथा आभार प्रदर्शन प्रो. डॉ. सुरभि केहरी ने किया।

फोटो: अनिल तिवारी

जिनसार को नैक की अधिमान्यता

जबलपुर इन्स्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंस एवं रिसर्च की प्राचार्या प्रो. डॉ. प्रिन्सी साजी ने कार्यक्रम के प्रारंभ में महाविद्यालयीन प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुये बताया कि इस महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 2001 में हुई थी, इस प्रकार यह महाविद्यालय 25 वर्षों का सफर पूरा कर रहा है। उन्होंने बताया कि शत-प्रतिशत रिजल्ट देने वाले इस महाविद्यालय को नैक की अधिमान्यता भी हासिल हो गई है।

6 छात्राओं को गोल्ड मेडल

कार्यक्रम में लैम्प लाइटिंग के साथ ही नर्सिंग के विद्यार्थियों द्वारा शपथ ली गई। इस अवसर पर विवि में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को शान्तादेवी मनमोहन दास फाउन्डेशन द्वारा गोल्ड मेडल प्रदान किया गया। अतिथियों द्वारा इस वर्ष यह मेडल श्रद्धा साहू, स्मृति तिवारी, ललिता शर्मा, अंकिता, आकृति चौबे तथा अनीता पंचे को दिया गया।

प्रो. अर्चना गायकवाड़ सम्मानित

कार्यक्रम में जबलपुर इन्स्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंस एवं रिसर्च की प्रथम बैच की छात्रा और रानी दुर्गावती नर्सिंग महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. अर्चना गायकवाड़ को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में हितकारिणी सभा के पदाधिकारी, नगर की विभिन्न नर्सिंग संस्थाओं के संचालक, प्राचार्य, संकाय सदस्य, अभिभावक तथा पूर्व छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही।

विद्युत के 27 खम्बे ले उड़े चोर

जबलपुर

अधारताल थाने में मुईस खान उम्र 40 वर्ष निवासी भानतलैया हनुमानताल ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि वह केन्द्रीय शासन की परियोजना आरडीएसएस के तहत अग्रवाल पावर लिमिटेड भोपाल मे साईट इंजिनियर के पद पर पदस्थ है। वर्तमान में काम अधारताल में चल रहा है। काम लगने वाले विद्युत के 15 मीटर के 27 खम्बे मिल्क स्कीम के पास बन रहे स्कूल के सामने वाले ग्राउंड में रखे हुये थे। उसके द्वारा आज खम्बे चैक किये गये तो 10 खम्बे कीमती 4 लाख रूपये के गायब थे। कोई अज्ञात चोर खम्बो को चोरी कर ले गया है। पुलिस कर कहना है कि इस मामले में शीघ्र ही आरोपियों की गिरफ्तारी कर जावेगी।

सफाई व्यवस्था देखने सड़कों पर उतरे निगमायुक्त

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान के तहत शहर के विभिन्न वार्डों का औचक निरीक्षण करते हुए निगमायुक्त ने निर्देशित किया कि स्वच्छता केवल एक अनुबंध नहीं, बल्कि शहर के प्रति एक भावनात्मक जिम्मेदारी है। स्वच्छ सर्वेक्षण के मद्देनजर निगमायुक्त ने तीन प्रमुख संभागों के वार्डों का सघन भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने सरदार वल्लभ भाई पटेल वार्ड और धन्वंतरि नगर में सफाई व्यवस्था को बारीकी से परखा। इस मौके पर उन्होंने सफाई मित्रों की उपस्थिति पंजी का मिलान किया और उनकी कार्यप्रणाली देखी। निगमायुक्त ने फील्ड पर तैनात कर्मचारियों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें शहर को नंबर-1 बनाने के लिए प्रेरित किया। निरीक्षण के दौरान वार्ड पार्षदों की उपस्थिति ने स्वच्छता अभियान के प्रति सामुदायिक जुड़ाव को दर्शाया।

होली के बाद मदनमहल पहाड़ी से हटाए जाएंगे अतिक्रमण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा मप्र उच्च न्यायालय के आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के हाल ही में दिये गये निर्देशानुसार जिला प्रशासन द्वारा होली के त्यौहार के बाद मदन महल की पहाड़ी से अतिक्रमणों को हटाने की कार्यवाही प्रारंभ की जायेगी। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने यह जानकारी देते हुये बताया कि सर्वोच्च न्यायालय ने मदनमहल पहाड़ी के अतिगिमणों हटाने की कार्यवाही के विरोध में शांति बाई शर्मा एवं अन्य द्वारा दायर की गई याचिका पर 24 फरवरी को सुनवाई करते हुये राज्य शासन को मप्र उच्च न्यायालय के मदन महल पहाड़ी को अतिक्रमण मुक्त करने के आदेश का शीघ्र अनुपालन करने के निर्देश दिये हैं।

सूने मकान से ले उड़े 8 तोला सोना और आधा किलो चांदी के जेवर

रांझी थाना क्षेत्र में हुई चोरी का पुलिस ने किया खुलासा, 2 आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

रांझी थाना अंतर्गत ग्रीन कालोनी शोभापुर में 10 जनवरी को हुई लाखों की चोरी का खुलासा किया है। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए उनके पास से आठ तोला सोना और आधा किलो चांदी के जेवर भी बरामद किए हैं। इस मामले में थाना प्रभारी रांझी उमेश गोल्हानी ने बताया कि 10 जनवरी को मार्टिन खाखा पिता जोसेफ जो कि कंट्रोल विभाग से रिटायर ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई थी कि वे अपने परिवार के साथ 18 दिसंबर 2025 को अपने पैतृक गांव जसपुर छत्तीसगढ़ गये थे। 8 जनवरी को जब उनका लड़का अबिनाश खाखा घर लौटकर आया तो घर के सामने का दरवाजा नही खुला। जब घर के पीछे जाकर देखा तो, घर के पीछे के दरवाजे की कुंडी टूटी हुई मिली। वहीं घर के अंदर का पूरा सामान बिखरा पड़ा हुआ था। घर की आलमारियों में रखे हुए सोने चांदी के जेवरात कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया था। विवेचना के दौरान मुखबिर एवं सीसीटीवी के माध्यम से पुलिस आरोपियों तक पहुंची।

सोम डिस्टिलरीज मामला: अब जस्टिस संदीप भट्ट ने याचिका पर सुनवाई से किया इनकार

पहले जस्टिस विशाल मिश्रा पहले कर चुके हैं मना, लाइसेंस निलंबन से जुड़ा मामला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मप्र हाई कोर्ट के जस्टिस विशाल मिश्रा के बाद अब जस्टिस संदीप भट्ट की कोर्ट ने भी सोम डिस्टिलरीज प्राइवेट लिमिटेड और सोम डिस्टिलरीज एंड बेवरेज प्राइवेट लिमिटेड की याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। दरअसल आबकारी वर्ष 2025-26 के लिए लाइसेंस निलंबन को मप्र हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। अब चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा प्रशासनिक स्तर पर तय करेंगे कि मामले पर सुनवाई किसकी बेंच में होगी। आबकारी वर्ष 2025-26 के लिए लाइसेंस निलंबन को चुनौती देने वाली सोम डिस्टिलरीज प्रालि और सोम डिस्टिलरीज एंड ब्रेवरीज प्रालि की याचिका सुर्खियों में है। जस्टिस विशाल मिश्रा के बाद अब जस्टिस एसएन भट्ट भी इस मामले की सुनवाई से हट गए हैं।

सुरक्षित रख लिया था निर्णय- विगत 6 फरवरी को हुई सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से सीनियर एडवोकेट संजय अग्रवाल और अधिवक्ता राहुल दिवाकर ने पक्ष रखा था। वहीं राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता हरप्रीत सिंह रूपराह और अधिवक्ता आदित्य पाराशर ने दलीलें दी थीं। दलीलें सुनने के बाद जस्टिस विशाल मिश्रा की अदालत ने निर्णय सुरक्षित रख लिया था। जस्टिस मिश्रा के मामले से हटने के बाद चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा ने प्रशासनिक स्तर पर जस्टिस एसएन भट्ट के समक्ष इस याचिका को सूचीबद्ध करने के निर्देश 25 फरवरी को दिए थे। मुकदमा शुक्रवार को जस्टिस भट्ट की अदालत में सूचीबद्ध था, लेकिन उन्होंने इस मामले की सुनवाई से इंकार कर दिया है।

रेलकर्मी ने यात्री को लौटाया गुम हुआ नोटों से भरा पर्स

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पिपरिया रेलवे स्टेशन पर रेलवे कर्मचारियों द्वारा ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा एवं मानवीय मूल्यों का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया गया। दरअसल विगत 27 फरवरी को हरिश कुमार पटेल, निवासी पिपरिया, रेलवे टिकट काउंटर (सिटी साइड) पर पिपरिया से जबलपुर हेतु टिकट लेने पहुंचे थे। टिकट लेने के दौरान उनका पर्स भूलवश काउंटर के बाहर छूट गया, जिसमें कुल 10 हजार 360 रूपए रखे हुए थे। रेलवे स्टाफ की सजगता, ईमानदारी एवं कर्तव्यपरायणता का परिचय देते हुए एटीव्हीएम फैसिलिटेटर राजकुमार खरे के सहयोग से पर्स को तुरंत सुरक्षित रूप से बरामद किया गया तथा पूर्ण राशि सहित सम्मानपूर्वक यात्री को वापस सौंपा गया।

क्लीनिक से एसी के तार हुए चोरी

जबलपुर। मदनमहल थाने में विशाल सालबे उम्र 24 वर्ष निवासी खत्रीजी का मकान हनुमानताल ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि डॉ. शरद कुमार के क्लीनिक निरामय हेल्थ केयर राईट टाउन में केयर टेकर का काम करता है । दोपहर लगभग 12 बजे वह क्लीनिक आया तो उसके क्लीनिक की स्टाफ सपना ने बताया कि क्लीनिक के बाजू में जो बाथरूम है, वहां पर किसी ने ताला तोड़कर बाथरूम के तीन नल के वाल एवं 2 एसी के तार चोरी कर ले गया है। उसने क्लीनिक में लगे सीसीटीवी फुटेज देखे जिसमें एक अज्ञात व्यक्ति बाथरूम का ताला तोड़कर नल के वाल एवं एसी के तार चोरी कर ले जाते दिख रहा है।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक**- **राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक**- **सुबोध दुबे, सम्पादक**- **राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**